हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com भोपाल, गुरुवार 6 अगस्त 2026

सड़क पर पार्किंग होने से ट्रैफिक जाम

सुप्रीम कोर्ट ने रहवासी इलाकों में चल रहे व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए नगर निगम के हाथ खोले

15 सितंबर को होगी अगली सुनवाई

चलाएं... हथौड़ा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली/भोपाल

रिहायशी क्षेत्रों का व्यवसायिक उपयोग करने के मामले की सुनवाई के दौरान बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने अवैध निर्माण पर नगर निगम को कड़ी फटकार लगाते हुए बीते दिनों प्रदेश सरकार द्वारा 2 अगस्त 2026 को बनाई 10 सदस्यीय जांच समिति पर रोक लगाते हुए मप्र हाईकोर्ट द्वारा दिए गए दुकान संचालकों को राहत आदेश (स्टे ऑर्डर) समस्त आदेश निरस्त कर दिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा सर्वोच न्यायाल के आदेश पर चल रही जांच में किसी प्रकार का हस्तक्षेप मान्य नहीं है। इसके साथ ही प्रदेश सरकार की अधिवक्ता को कड़ी फटकार लगाई। नगर निगम की तरफ़ से कहा गया कि वे कार्रवाई करना चाहते हैं पर उनके हाथ बांधे जा रहे हैं। सुनवाई के दौरान कई महत्वपूर्ण टिप्पणियां और निर्देश दिए। अदालत ने स्पष्ट किया कि नगर निगम एक वैधानिक निकाय है और उसके अधिकारों में राज्य सरकार अनावश्यक हस्तक्षेप नहीं कर सकती। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वैधानिक प्रक्रिया में नोटिस, जवाब, निर्णयात्मक आदेश, अपील और जहां लागू हो पुनरीक्षण ⏩ शेष पेज 4 पर

10 नंबर में कमर्शियल भवन

- **निगम को कड़ी फटकार, प्रदेश सरकार द्वारा बनाई 10 सदस्यीय जांच समिति पर रोक**
- **मप्र हाईकोर्ट द्वारा दिए गए दुकान संचालकों को स्टे ऑर्डर के समस्त आदेश निरस्त**
- **तीन हफ्ते में रिपोर्ट प्रस्तुत करने के आदेश**

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुडे याचिकाकर्ता

इस मामले में सुनवाई के दौरान भोपाल के याचिकाकर्ता वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जुड़े। याचिकाकर्ता विवेक त्रिपाठी ने सुप्रीम कोर्ट में यह मुद्दा उठाया था कि नगर निगम ने जिन प्रतिष्ठानों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की थी, उनमें अपेक्षित कार्रवाई नहीं की गई और बाद में कई सील प्रतिष्ठान दोबारा खुल गए।

निगम ने कहा- हमारे हाथ बांधे जा रहे, कोर्ट बोला- आप स्वतंत्र हैं

- निगम की तरफ से कहा गया कि वे कार्रवाई करना चाहते हैं पर उनके हाथ बांधे जा रहे हैं
- अदालत ने कहा- निगम एक वैधानिक निकाय, उसके अधिकारों में राज्य सरकार अनावश्यक हस्तक्षेप नहीं कर सकती

निगम ने कोर्ट में झूठ बोला

रहवासी बोले- नगर निगम ने झूठी रिपोर्ट दी, दो दुकान सील की थीं, कोर्ट में 100 सील करने की जानकारी दी

हम कार्रवाई करेंगे : संस्कृति जैन

निगम आयुक्त संस्कृति जैन का कहना है कि नगर निगम नियमानुसार कार्रवाई करेगा। इसके अलावा उन्होंने कोई टिप्पणी नहीं की।

कोर्ट ने कहा

कार्रवाई रोकना होगा सीधे अवमानना

भोपाल नगर निगम को वैधानिक निकाय बताते हुए कहा गया कि वह नगर निगम अधिनियम के तहत मिली शक्तियों से कार्य करता है। राज्य सरकार द्वारा 2 अगस्त 2026 को गठित 10 सदस्यीय समिति की भूमिका पर सवाल उठे। सरकार ने इसे केवल नीतिगत और स्पष्टीकरणात्मक समिति बताया, न कि प्रवर्तन रोकने वाली। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि समिति का उपयोग कार्रवाई में देरी, बदलाव या हस्तक्षेप के लिए नहीं किया जा सकता। अदालत ने चेतावनी दी कि समिति के आदेश के आधार पर प्रवर्तन रोकना अवमानना का विषय बन सकता है।

मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट सख्त

सुप्रीम कोर्ट सख्त है और कोर्ट ने रहवासी क्षेत्र में व्यावसायिक ठिकाने हटाने की दिशा में आगे बात बढ़ाई है। यह तय हो गया है कि रिहायशी क्षेत्र में कमर्शियल गतिविधियां नहीं होंगी।

पूर्णेंदु शुक्ला, याचिकाकर्ता

21 साल से मास्टर प्लान नहीं

सरकार ने हमारा पक्ष अच्छे से नहीं रखा। सरकार यदि अच्छे से पक्ष रखती तो सुप्रीम कोर्ट हमें समय देता। सरकार ने यह नहीं बताया कि 21 सालों से हमारे यहां मास्टर प्लान नहीं है। इस वजह से यह परेशानी खड़ी हुई। सरकार को कार्रवाई से पहले मास्टर प्लान या गुजरात मॉडल को लागू करना चाहिए।

आनंद सोनी, अध्यक्ष, 10 नंबर व्यापारी महासंघ

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

उड़द उत्पार्जन की अंतिम तिथि 20 तक बढ़ी

भोपाल। किसान कल्याण और कृषि विकास विभाग ने प्रदेश के किसानों के हित में अहम फैसले लेते हुए ग्रीष्मकालीन मूंग और उड़द के खरीद की अंतिम तारीख बढ़ाकर किसानों को बड़ी राहत दी गई है। उपार्जन प्राइस सपोर्ट स्कीम के तहत मूंग उत्पादक किसानों के हित में स्लाट बुक करने की अंतिम तिथि 10 और मूंग एवं उड़द उत्पार्जन की अंतिम तिथि 20 अगस्त कर दी है।

अजीत अगरकर की चीफ सेलेक्टर से छुट्टी?

नई दिल्ली। अजीत अगरकर को भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य चयनकर्ता पद से हटाया जा सकता है। उनकी जगह वर्तमान में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण को नया चीफ सेलेक्टर बनाए जाने की संभावना है। अजीत की अगुवाई वाली चयन समिति ने मुख्य कोच गौतम गंभीर के साथ मिलकर रोहित शर्मा को बाहर रखने का सुझाव दिया था।

कमला नेहरु सांदीपनि विद्यालय में छात्राओं और शिक्षकों के साथ किया संवाद

मुख्यमंत्री बने मास्टर ट्रेनर, कहा आज का विद्यार्थी कल का भारत

सीएम ने कहा कि हमारी शिक्षा प्रणाली शिक्षान्मुखी होने के साथ-साथ रोजगारोन्मुखी भी होनी चाहिए

बच्चों से बात करते हुए

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास ही सफलता की वह कुंजी है, जो विद्यार्थियों को उनकी मंजिल तक पहुंचाती है। आज इन युवाओं के चेहरों पर ही मुझे भारत का उज्वल भविष्य दिखाई देता है। उन्होंने छात्राओं को सफलता के अनमोल टिप्स दिए। इसके साथ ही साथ भरोसा दिलाया कि आज का विद्यार्थी ही कल का भारत है। हर सपने को साकार करने के लिए मप्र सरकार पूरी प्रतिबद्धता से काम कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह बात बुधवार को टीटी नगर स्थित कमला नेहरू सांदीपनि शासकीय कन्या विद्यालय में छात्राओं और शिक्षकों के साथ आयोजित आत्मीय संवाद कार्यक्रम में कही। इस दौरान उन्होंने स्कूल में संवाद के दौरान मास्टर ट्रेनर की भूमिका में नजर आए। मुख्यमंत्री ने कमला नेहरू सांदीपनि कन्या शासकीय विद्यालय परिसर में ही प्रदेशभर से आए शिक्षकों से भी आत्मीय संवाद किया। उन्होंने कहा कि हमारी शिक्षा प्रणाली शिक्षान्मुखी होने के साथ-साथ रोजगारोन्मुखी भी होनी चाहिए।

अनुशासन आत्मविश्वास व मेहनत तय करती है मंजिल

बच्चों के बीच सीएम

- **विकसित भारत के संकल्प को पूरा करेगा युवा वर्ग**
- **विद्यार्थियों के सपने साकार करेगी मप्र सरकार**

मैं भी सरकारी विद्यालय में ही पढ़ा हूं, सांदीपनि स्कूल सबसे अच्छे

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि मैं भी ऐसे ही किसी सरकारी विद्यालय में ही पढ़ा हूं। हमारे समय में स्कूलों में इतनी सुविधाएं नहीं होती थीं। भारतीय गुरूकुल परंपरा और शिक्षा व्यवस्था का गौरवशाली इतिहास रहा है। हमारे सांदीपनि विद्यालय इस वक्त देश के सबसे अच्छे स्कूल हैं। यह प्रसन्नता का विषय है कि इस कमला नेहरू स्कूल की 58 छात्राएं मेरिट में उत्तीर्ण हुई हैं। आज निजी विद्यालयों के बच्चे भी सांदीपनि विद्यालयों ⏩ शेष पेज 4 पर

बाल कैबिनेट की दी जानकारी

मुख्यमंत्री को कमला नेहरू सांदीपनि विद्यालय की छात्राओं ने विद्यालय में संचालित बाल कैबिनेट की जानकारी दी। बाल कैबिनेट में यहां की छात्राएं स्पोर्ट्स मिनिस्टर, कल्चरल मिनिस्टर, डिसिप्लिन मिनिस्टर जैसे दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन करती हैं। डॉ. यादव ने छात्राओं से बाल कैबिनेट ⏩ शेष पेज 4 पर

सीएम का छात्राओं से संवाद

मुख्यमंत्री : 'किताब से कल तक' विषय का क्या अर्थ है

एकता राजौरिया: आज बच्चे जो कुछ पढ़ रहे हैं, उसका जीवन में क्या महत्व है। आज हम जो पढ़ रहे हैं, वहीं भविष्य को साकार बनाएगा।

प्रिंसी वर्मा : क्या आप चैट-जीपीटी का प्रयोग करते हैं?

सीएम: मैं किसी कार्यक्रम के विषय पर वर्तमान परिदृश्य में क्या नई चीजें हैं, उन्हें सर्च करता हूं। जो हमें अपने भाषण में शामिल करनी चाहिए। एआई का उपयोग करें, लेकिन स्वयं का दिमाग भी लगाएं।

लारा खत्री: क्या आप इंस्टाग्राम यूज करते हैं और किसे फॉलो करते हैं।

सीएम : इंस्टाग्राम भी हमें इस्तेमाल करना पड़ता है। मैं पीएम सर को फॉलो करता हूं।

एकता राजौरिया: सिलेबस के साथ और कौन सी पुस्तकें पढ़ें, जो हमारे सामान्य ज्ञान को बढ़ाएं ?

सीएम- टारगेट से जुड़े विषयों के अध्ययन पर ध्यान देना चाहिए।

डीपफेक और बाल शोषण पर घिरा मेटा

जुकरबर्ग ने सरकार से मांगी माफी पीएम की पोस्ट फेसबुक से हटाई थी

मेटा के वैश्विक अधिकारियों को समन भेजा गया था

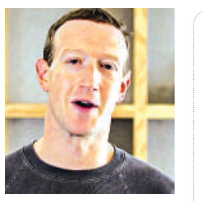

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पोस्ट फेसबुक से हटाने और प्लेटफॉर्म में कई खामियों को लेकर भारत सरकार के कड़े रुख के बाद मेटा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मार्क जुकरबर्ग ने माफी मांगी है। केंद्रीय आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव और आईटी सचिव एस. कृष्णन से मुलाकात के दौरान मेटा की ग्लोबल टीम ने बाल शोषण सामग्री (सीएसएएम), डीपफेक कंटेंट और प्लेटफॉर्म संचालन में हुई गलतियों पर खेद जताया है। दरअसल, यह पूरा विवाद तब शुरू हुआ जब प्रधानमंत्री मोदी के सेल्फी वीडियो पोस्ट को फेसबुक पर सीमित कर दिया गया था। इस वीडियो में उन्होंने पेपर लीक मामलों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का वादा किया था। मेटा ने इसे अपनी एआई-संचालित ऑटोमेटेड कंटेंट फिल्टर की तकनीकी गड़बड़ी बताते हुए पोस्ट बहाल कर दी थी। हालांकि, इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय ने इस सफाई को अपर्याप्त मानते हुए मेटा के वैश्विक अधिकारियों को समन भेजा था।

क्या मेटा को नहीं मिलेगा आईटी एक्ट का फायदा?

मेटा की ग्लोबल अफेयर्स ऑफिसर जोएल काप्ला समेत उच्चस्तरीय टीम को स्पष्ट कर दिया गया है कि वे 'इंटरमीडियरी' (मध्यस्थ) की परिभाषा में नहीं आते हैं। चूंकि प्लेटफॉर्म यह तय करता है कि उपयोगकर्ता को कौन सा कंटेंट दिखेगा, इसलिए आईटी अधिनियम के तहत मिलने वाला सेफ हार्बर (कानूनी सुरक्षा कवच) उन पर लागू नहीं होता। सरकार ने साफ किया है कि यह केवल एक तकनीकी चूक का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और सार्वजनिक व्यवस्था से जुड़ा गंभीर मामला है। इंस्टाग्राम पर विज्ञापनों में बाल यौन शोषण सामग्री (सीएसएएम) और कृत्रिम बुद्धिमत्ता से तैयार डीपफेक सामग्री को लेकर भी मेटा जांच के दायरे में है। आईटी सचिव एस. कृष्णन ने कहा कि इतनी बड़ी ⏩ शेष पेज 4 पर

दिल्ली बैठक के बाद बड़ा फैसला

प्रदेश कांग्रेस के सभी प्रकोष्ठ व विभाग भंग

- **यह कदम संगठन के व्यापक पुनर्गठन का पहला चरण**
- **पटवारी ने कहा- यह संगठन सृजन अभियान का हिस्सा**

पीसीसी में बैठक

विशेष प्रतिनिधि ⏭ भोपाल

दतिया विधानसभा सीट के उप चुनाव के बाद मंगलवार को भाजपा ने दतिया जिले की पार्टी की सभी इकाइयां भंग कर दी थी, जबकि बुधवार को प्रदेश कांग्रेस ने अपने सभी विभाग और प्रकोष्ठ भंग कर दिए। दिल्ली में प्रदेश कांग्रेस के पुनर्गठन को लेकर हुई बैठक के बाद पार्टी के प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी ने सभी विभाग, प्रकोष्ठ (सेल्स) और उनकी जिला व ब्लॉक स्तरीय इकाइयों को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि राहुल गांधी के मार्गदर्शन में संगठन सृजन अभियान चल रहा है। समीक्षा के बाद पार्टी नेतृत्व ने यह निर्णय लिया है। संगठन को नए स्वरूप में तैयार करने की दिशा में काम हो रहा है। इस प्रक्रिया का उद्देश्य संगठन में नई ऊर्जा, नई कार्यसंस्कृति और प्रभावी जवाबदेही सुनिश्चित करना है। प्रदेश कांग्रेस के संगठन प्रभारी महामंत्री संजय कामले ने कहा है कि आगामी राजनीतिक चुनौतियों और चुनावी तैयारियों को ध्यान में रखते हुए अब नए सिरे से सक्रिय और समर्पित कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दी जाएगी। कुछ ⏩ शेष पेज 4 पर

दतिया उपचुनाव में भाजपा की हार के बाद पूर्व मंत्री ने दी सफाई

नरोत्तम बोले- आशुतोष मेरे अनुज और मैं उनके 'अभिभावक' जैसा

हमारे बारे में फैलाई जा रही बातें गलत, खारिज की मतभेद की खबरें

विशेष प्रतिनिधि ⏭ भोपाल

प्रदेश के पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने दतिया से भाजपा प्रत्याशी रहे आशुतोष तिवारी के साथ मतभेद की खबरों को पूरी तरह से खारिज किया है। उन्होंने कहा कि हमारे बारे में फैलाई जा रही बातें गलत हैं। हमारे बीच न पहले कोई कटुता थी, न आज है। उन्होंने कहा कि अब भी हमारी मुलाकात हमेशा की तरह उसी गर्मजोशी और अपनत्व के साथ हुई। बुधवार को नरोत्तम ने अपने सोशल मीडिया पर यह पोस्ट लिखी है। उन्होंने लिखा कि दतिया उपचुनाव के बाद सोशल मीडिया पर मेरे और आशुतोष को लेकर जो भ्रामक और असत्य बातें फैलाई जा रही हैं, वे पूरी तरह निराधार हैं। वे मेरे अनुज हैं और मैं उनके अभिभावक जैसा। उनके प्रति मेरे मन में

फाइल फोटो

हमारे बीच न कभी कोई कटुता थी, न है, हमारे बीच बहुत गर्मजोशी

हमेशा स्नेह और आत्मीयता रही है, और आगे भी रहेगी। नरोत्तम ने लिखा कि आशुतोष भाजपा के एक कर्मठ, समर्पित और मेहनती कार्यकर्ता हैं। मेरे चुनाव 2003 डबरा से मैने उन्हें एक ईमानदार कार्यकर्ता के रूप में ही देखा है। मैंने वर्षों से उनकी ⏩ शेष पेज 4 पर

राजनीति में उतार चढ़ाव आते रहते हैं

नरोत्तम ने लिखा कि मैं अपने सभी समर्थकों और कार्यकर्ताओं से आग्रह करता हूं कि वे ऐसा कोई कार्य, टिप्पणी या व्यवहार न करें जिससे पार्टी, संगठन या आशुतोष को किसी प्रकार का नुकसान पहुंचे। हमारी ताकत हमारी एकजुटता, अनुशासन और संस्कार हैं। आशुतोष और मेरे बीच 25 वर्षों का पारिवारिक रिश्ता है। यह ⏩ शेष पेज 4 पर

मुरैना में एक कार्यक्रम में समाज को लेकर कर दी थी टिप्पणी

विस अध्यक्ष तोमर ने कुशवाह समाज से मांगी माफी, वापस लिए अपने शब्द

वीडियो सामने आने के बाद समाज के एक वर्ग में था आक्रोश

विशेष प्रतिनिधि ⏭ भोपाल

विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कुशवाह समाज से अपने ही एक बयान के लिए माफी मांगी है। तीन दिन पहले मुरैना में भाजपा जिलाध्यक्ष कमलेश कुशवाह के निवास पर आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने समाज को लेकर टिप्पणी की थी। बयान का वीडियो सामने आते ही कुशवाह समाज आक्रोशित हो गया था और उन्होंने तोमर की निंदा शुरू कर दी। चौतरफा घिरने और भारी विरोध के बीच अब विधानसभा अध्यक्ष को पत्र जारी कर समाज से माफी मांगनी पड़ी है। मुरैना के शिवनगर स्थित भाजपा जिलाध्यक्ष के आवास पर आयोजित अभिनंदन समारोह में समाज को संबोधित करते हुए तोमर ने कहा था कि भाजपा हमेशा समाज के प्रति समर्पित रही, पर कुशवाह समाज बीच-बीच में इधर-उधर गुलाटी मारता रहा, इसलिए उसकी विश्वसनीयता खंडित हुई। जौरा से पूर्व कांग्रेस विधायक सोनेराम कुशवाह और अखंड भारत महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. रामसिया कुशवाह ने भी इस बयान की सार्वजनिक तौर पर कड़े शब्दों में निंदा की थी। विवाद के तूल पकड़ने पर विधानसभा अध्यक्ष तोमर ने अपने आधिकारिक ⏩ शेष पेज 4 पर

बीयू कुलसचिव ने जारी किए आदेश

परीक्षा संचालन और संबद्धता निरीक्षण लिए प्रो. शर्मा को सौंपे गए अधिकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी स्थित बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में परीक्षा संचालन और कॉलेजों की संबद्धता निरीक्षण समिति के गठन के लिए जमीनी स्तर पर कार्रवाई शुरू हो गई है। बुधवार को बीयू के कुलसचिव डॉ. एसबी सिंह ने इस आशय का आदेश जारी कर दिया है।

जारी आदेश के अनुसार बीयू की लिखित एवं मौखिक परीक्षाओं के परीक्षकों का मनोनयन, महाविद्यालय की संबद्धता के लिए विभिन्न निरीक्षण समितियों के गठन और प्राचार्य एवं शिक्षकों के लिए चयन समिति के गठन के साथ ही चयन के बाद अधिसूचना जारी करने संबंधी कार्य कुलगुरू द्वारा संपादित किए जाते हैं। इस लिए विवि अधिनियम के तहत कुलगुरू के अधिकारों के प्रत्योजन के तहत उक्त कार्य प्रो. विवेक शर्मा, संकायाध्यक्ष को सौपे गए हैं। यहां ध्यान रहे कि वर्तमान में बीयू के कुलगुरू उच्च शिक्षा विभाग में एसीएस अनुपम राजन हैं। उनके अन्य शासकीय कार्यों में संलिप्त रहने के कारण कुलगुरू के कार्य के अधिकार प्रो. शर्मा को सौंपे गए हैं।

छात्रों को बेहतर भविष्य के लिए अब शिक्षकों को मिलेगा अत्याधुनिक प्रशिक्षण

निटर और उच्च शिक्षा विभाग के बीच किया गया एमओयू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी स्थित राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (निटर) और उच्च शिक्षा विभाग के बीच उच्च शिक्षा संस्थानों में शैक्षणिक गुणवत्ता, प्रशासनिक दक्षता तथा विद्यार्थियों की रोजगारपरक क्षमताओं के विकास के उद्देश्य से समझौता ज्ञापन (एमओयू) किया गया है। यह समझौता ज्ञापन राज्यपाल मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस समझौते के माध्यम से निटर, भोपाल एवं उच्च शिक्षा विभाग संयुक्त रूप से प्रदेश के शासकीय महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में शिक्षकों, प्रशासकीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों के क्षमता निर्माण के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करेंगे। इसका उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी), परिणाम-आधारित शिक्षा, शोध पद्धति, आधुनिक शिक्षण तकनीकों, ई-गवर्नेंस, कार्यालय स्वचालन, प्रबंधन सूचना प्रणाली तथा डिजिटल प्रशासन को बढ़ावा देना है।

राज्यपाल, मुख्यमंत्री और विभागीय मंत्री रहे कार्यक्रम के दौरान मौजूद

आधुनिक शिक्षण प्रणाली और डिजिटल प्रशासन को मिलेगा बढ़ावा

शिक्षकों एवं शैक्षणिक प्रशासकों का सतत् व्यावसायिक विकास समय की आवश्यकता

एनिटर के निदेशक प्रो. सीसी त्रिपाठी ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप शिक्षकों एवं शैक्षणिक प्रशासकों का सतत व्यावसायिक विकास समय की आवश्यकता है। निटर, भोपाल अपनी विशेषज्ञता, संसाधनों एवं अनुभव के माध्यम से उच्च शिक्षा विभाग के साथ मिलकर ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित निरंतर कर रहा है, जो मध्य प्रदेश की उच्च शिक्षा व्यवस्था को गुणवत्ता, नवाचार और उत्कृष्टता के नए आयाम प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। निटर भोपाल के मध्यप्रदेश समन्वयक डॉ. पीके पुरोहित ने कहा कि मध्य प्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग के साथ यह समझौता राज्य की उच्च शिक्षा प्रणाली को अधिक सुदृढ़, गुणवत्तापूर्ण एवं भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इस अवसर पर उच्च शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव अनुपम राजन, आयुक्त प्रबल सिपाहा, डॉ. मनोज सिंह, व निटर भोपाल से मेजर निशांत ओझा उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

मिनी यूनिट्स में बंद हुई पैथोलॉजी सुविधा

भोपाल। भोपाल मेमोरियल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में बुजुर्ग और कमजोर गैस पीड़ितों को मिलने वाली पैथोलॉजी जांच की सुविधा को अस्पताल प्रबंधन द्वारा बंद करने का मामला सामने आया है। यहां आने वाले मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मामले में आयोग ने निदेशक, भोपाल मेमोरियल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर (बीएमएचआरसी) से मामले की जांच कराकर की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन मांगा है। वहीं दूसरा मामला वार्ड क्रमांक 78 में रहने वाले 10 हजार से ज्यादा लोगों को विगत दो माह से दूषित पानी सप्लाई होने का है। इस संबंध में रहवासियों ने संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों को कई बार शिकायत भी की है, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो पाया है। मामले में स्वतः संज्ञान लेकर मप्र मानव अधिकार आयोग ने आयुक्त, नगर निगम, भोपाल से मामले की जांच कराकर की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन मांगा है।

छात्रावासों में चलाया डेंगू जागरुकता अभियान

भोपाल। डेंगू निरोधक माह 2026 के अंतर्गत शहरी क्षेत्र के विभिन्न जोन में एवं बैरसिया-गांधीनगर के अजा-जजा सीनियर बालक एवं कन्या 17 छात्रावासों को मिलाकर शहरी क्षेत्र 35 एवं गांधीनगर-बैरसिया शा.अ.जा. सीनियर बालक एवं कन्या बैरसिया, नजीरबाद, हर्राखेड़ा, बड़वई, रातीबढ, फंदा, खजूरी सड़क में -18 को मिलाकर कुल 53 छात्रावासों में फीवर सर्वे, लार्वा सर्वे, लार्वा नष्टीकरण, छिड़काव कार्य एवं प्रचार-प्रसार किया गया। मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया के नियंत्रण हेतु निरंतर वेक्टर कंट्रोल गतिविधियों संचालित की जा रही।

प्रख्यात समाजसेवी पंडित विश्वनाथ शर्मा का निधन

भोपाल। भाजपा शिक्षक प्रकोष्ठ के पूर्व प्रदेश संयोजक डॉ नितेश शर्मा के ताऊ भिंड निवासी पंडित विश्वनाथ शर्मा (ट्रस्टी गायत्री प्रज्ञा पीठ, फूप) का बुधवार को निज निवास फूप में निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार ग्राम भदाकुर में किया गया। मुखाग्नि उनके छोटे भाई देवेंद्र शर्मा ने दी। वे अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ गए। गायत्री परिवार में युवा अवस्था से प्रज्ञा अभियान चलाया। उन्होंने राम मंदिर आंदोलन में कार सेवा में भाग लिया। अंतिम संस्कार में परिजन, नगर के गणमान्य नागरिक एवं समाजसेवी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

महापौर ने निगम मुख्यालय में मेट्रो रेल कार्यों के चलते परिवर्तित मार्ग का किया निरीक्षण

बोगदा पुल पर यातायात व्यवस्था सुधारें और तत्काल प्रभाव से हटाएं अतिक्रमण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

महापौर मालती राय ने ट्रैफिक को व्यवस्थित ढंग से संचालित करने के भी दिए निर्देश

निगरानी की ऐसी व्यवस्था भी बनाई जाए कि हटाए गए अतिक्रमण दोबारा न हों

आम लोगों, स्कूली वाहनों और आपातकालीन सेवाओं को न हो परेशानी

मेट्रो रेल कार्यों के कारण बोगदा पुल क्षेत्र में बढ़े ट्रैफिक दबाव और परिवर्तित मार्ग पर हो रही परेशानियों को देखते हुए महापौर मालती राय ने ट्रैफिक को व्यवस्थित ढंग से संचालित करने और अतिक्रमणों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि नागरिकों की सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता है और भविष्य में दोबारा अतिक्रमण न हो, इसकी भी स्थाई व्यवस्था की जाए।

बुधवार को निगम मुख्यालय अटल भवन में आयोजित समीक्षा बैठक में महापौर ने बोगदा पुल और आसपास के क्षेत्रों की मौजूदा स्थिति पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में उपायुक्त हीरेंद्र सिंह कुशवाह, अतिक्रमण निरोधक दस्ता प्रभारी शैलेंद्र सिंह भदौरिया, पार्षद अजीजुद्दीन, पार्षद नसीम गफूर सहित अन्य अधिकारी और ट्रैफिक पुलिस के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

महापौर ने निगम मुख्यालय अटल भवन में आयोजित की समीक्षा बैठक।

महापौर ने अधिकारियों से परिवर्तित मार्ग पर वाहनों की आवाजाही, जाम की स्थिति और स्थानीय नागरिकों को हो रही दिक्कतों की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि बोगदा पुल मार्ग पर ट्रैफिक संचालन को अधिक सुव्यवस्थित बनाया जाए ताकि आम लोगों, स्कूली वाहनों और आपातकालीन सेवाओं को परेशानी न हो। उन्होंने यह भी कहा कि मेट्रो कार्यों के कारण इस मार्ग पर अतिरिक्त दबाव है, इसलिए सड़क और आसपास के क्षेत्रों से सभी प्रकार के अतिक्रमण सख्ती से हटाए जाएं। साथ ही ऐसी निगरानी व्यवस्था बनाई जाए कि हटाए गए अतिक्रमण दोबारा न हो सकें। महापौर ने संबंधित अधिकारियों से समन्वय बनाकर नियमित निरीक्षण करने और आवश्यकतानुसार तत्काल कार्रवाई करने को कहा, ताकि बोगदा पुल क्षेत्र में यातायात सुचारु और सुरक्षित बना रहे।

जवाहर चौक में बन रहे गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन का महापौर ने निरीक्षण कर दिए दिशा-निर्देश

महापौर मालती राय ने बुधवार को जवाहर चौक क्षेत्र में निर्माणाधीन गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन का निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी निर्माण कार्यों में तेजी लाई जाए और परियोजना को निर्धारित मानकों के अनुरूप शीघ्र पूरा किया जाए।

बुधवार को जोन-21 के अंतर्गत वार्ड-25 स्थित निर्माण स्थल पर पहुंचीं। उन्होंने अधिकारियों से ट्रांसफर स्टेशन की वर्तमान स्थिति, लंबित कार्यों और निर्माण की गुणवत्ता संबंधी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि शहर की स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए यह परियोजना महत्वपूर्ण है, इसलिए इसमें किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। महापौर ने निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों की गति बढ़ाई जाए और सभी कार्य उच्च गुणवत्ता के साथ समय पर पूरे किए जाएं, ताकि क्षेत्र के नागरिकों को जल्द बेहतर कचरा प्रबंधन व्यवस्था का लाभ मिल सके। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त हीरेंद्र सिंह कुशवाह, मुख्य अभियंता संतोष गुप्ता, महापौर परिषद सदस्य आरके सिंह बघेल और जगदीश यादव, जोन अध्यक्ष आरती अनेजा सहित नगर निगम के अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

नगर निगम अभियान किया तेज

बारिश में गड्ढों की मरम्मत शुरू पॉलीटेक्निक से बाणगंगा समेत कई सड़कों पर कराया पेचवर्क

ट्रैफिक को सुगम और सुरक्षित बनाए रखने नगर निगम की प्राथमिकता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

बारिश के बीच सड़कों पर बढ़ती खराबी और गड्ढों की शिकायतों को देखते हुए नगर निगम ने शहर के कई प्रमुख मार्गों पर पेंचवर्क अभियान तेज कर दिया है। निगम का कहना है कि आवागमन को सुरक्षित और सुगम बनाए रखने के लिए यह काम प्राथमिकता से कराया जा रहा है।

निगम आयुक्त संस्कृति जैन के निर्देश पर यांत्रिक विभाग की टीमों ने विभिन्न क्षेत्रों में क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत शुरू की है। विभाग ने हाल के दिनों में पॉलीटेक्निक चौराहे से बाणगंगा चौराहा, न्यू मार्केट, माता मंदिर रोड, जीएडी फ्लाईओवर और जिला कलेक्टर कार्यालय मार्ग सहित कई अन्य सड़कों पर पेंचवर्क कराया है।

वर्षा ऋतु में बढ़ती है समस्या

निगम अधिकारियों के अनुसार वर्षा ऋतु में सड़क की ऊपरी परत उखड़ने और गड्ढे बनने से दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है। इसी को देखते हुए फुटपाथ, रोटरी और सड़कों के संधारण कार्य भी नियमित रूप से किए जा रहे हैं। पेंचवर्क का उद्देश्य जलभराव वाले हिस्सों और अधिक क्षतिग्रस्त स्थानों को तत्काल ठीक करना है, ताकि वाहन चालकों और पैदल राहगीरों को राहत मिल सके। यांत्रिक विभाग के अधिकारियों के अनुसार शहर के अन्य मार्गों का भी निरीक्षण किया जा रहा है और जहां आवश्यकता होगी वहां मरम्मत कार्य करवाया जाएगा।

निगम ने अवैध रूप से बनी बाउंड्रीवाल तोड़ी

नगर निगम के अतिक्रमण विरोधी अमले ने बुधवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की। इस दौरान टीला जमालपुरा में अवैध रूप से बनी अस्थाई बाउंड्रीवाल, भानपुर प्रगति नगर सर्विस रोड पर अवैध रूप से बना स्लैब तोड़ा। इसी तरह 80 फिट रोड पर पड़ी भवन निर्माण सामग्री, नेहरू नगर हजेला हास्पिटल क्षेत्र में अवैध रूप से बना अस्थाई शेड, श्यामला हिल्स जनजाति संग्रहालय के सामने से अवैध रूप से बना टपरा हटाया।

रजिस्ट्रेशन की कतार में लगे 55 हजार से ज्यादा छात्र

नीट काउंसलिंग: 623 विद्यार्थियों ने कराया रजिस्ट्रेशन, 20 को होगा सीटों का आवंटन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

निजी और सरकारी मेडिकल कॉलेजों की यूजी सीटों में दाखिले के लिए सोमवार को नीट यूजी काउंसिलिंग की शुरूआत की गई। पहले दिन 623 छात्रों ने काउंसिलिंग के लिए रजिस्ट्रेशन कराया। मालूम हो कि नीट परीक्षा में गड़बड़ी और पेपर लीक के आरोपों के बाद आयोजित इस परीक्षा में 55 हजार से ज्यादा छात्र रजिस्ट्रेशन की कतार में होंगे।

वहीं प्रदेश में सरकारी और निजी मेडिकल कॉलेजों में 6000 से ज्यादा एमबीबीएस और बीडीएस सीटें हैं। हालांकि फाइनल सीट चार्ट 11 अगस्त को जारी किया जाएगा। पांच से 13 अगस्त तक ऑनलाइन

रजिस्ट्रेशन होंगे। संचालनालय के अनुसार इस बार किसी नए मेडिकल कॉलेज के शामिल होने की संभावना फिलहाल नहीं है। ऐसे में प्रदेश के 20 सरकारी और 13 निजी मेडिकल कॉलेजों की मौजूदा सीटों पर ही प्रवेश होंगे। आरक्षण का लाभ लेने वाले अभ्यर्थियों को जिला शिक्षा अधिकारी, जिला संयोजक या सहायक आयुक्त द्वारा जारी पात्रता प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

27 अगस्त तक चलेगी काउंसलिंग

चिकित्सा शिक्षा विभाग के अनुसार पहले चरण की काउंसलिंग 27 अगस्त तक चलेगी। पांच से 13 अगस्त तक ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन होंगे। 11 अगस्त को सीट मैट्रिक्स जारी होगी, जबकि 12 अगस्त को उस पर दावे और आपत्तियां आमंत्रित की जाएंगी। 13 अगस्त को आपत्तियों का निराकरण के बाद 14 अगस्त को स्टेट मेरिट सूची जारी होगी। इसके बाद 15 से 18 अगस्त तक अभ्यर्थी चॉइस फिलिंग और सीट लॉकिंग कर सकेंगे। 20 अगस्त को सीट आवंटन किया जाएगा और चयनित विद्यार्थियों को 21 से 27 अगस्त के बीच संबंधित मेडिकल कॉलेज में प्रवेश लेना होगा।

एम्स में ओआरएस सप्ताह के तहत चलाया जागरुकता अभियान

ओआरएस केवल उपचार नहीं बल्कि यह जीवनरक्षक घोल है: डॉ. शिखा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

ओआरएस सप्ताह के दौरान एम्स भोपाल के बाल रोग विभाग ने दस्त एवं निर्जलीकरण से बचाव के लिए व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया। स्मार्ट यूनिट, पीडियाट्रिक वार्ड और ओपीडी में बच्चों के अभिभावकों को ओआरएस घोल तैयार करने की विधि, जिंक के महत्व, स्वच्छता और सुरक्षित पेयजल के बारे में जानकारी दी गई।

डॉ. शिखा मलिक ने बताया कि ओआरएस केवल उपचार नहीं बल्कि जीवनरक्षक घोल है, जिसे दस्त शुरू होते ही बिना विलंब देना चाहिए। अभिभावकों से अपील की गई कि दस्त होने पर बच्चे को पर्याप्त तरल पदार्थ एवं भोजन देते रहें, चिकित्सकीय सलाह के अनुसार जिंक दें तथा निर्जलीकरण के लक्षण

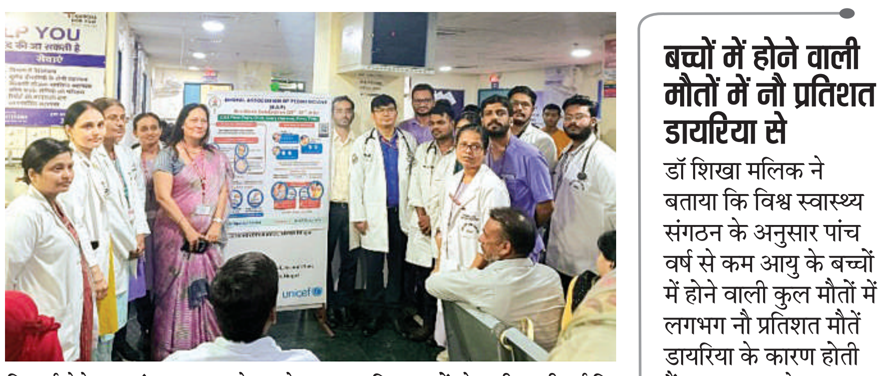

दिखाई देने पर तुरंत स्वास्थ्य केन्द्र से संपर्क करें। उन्होंने बताया कि ओआरएस शरीर में पानी एवं आवश्यक इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी को पूरा कर निर्जलीकरण से बचाता है।

इससे गंभीर जटिलताओं एवं मृत्यु के जोखिम को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इस अवसर पर अभिभावकों से अपील की गई कि यदि बच्चे को दस्त हों तो घबराने के बजाय तुरंत ओआरएस देना प्रारंभ करें, चिकित्सक की सलाह के अनुसार जिंक की पूरी खुराक दें, बच्चे को पर्याप्त तरल पदार्थ एवं भोजन देते रहें तथा निर्जलीकरण के लक्षण दिखाई देने पर तुरंत निकटतम स्वास्थ्य केन्द्र से संपर्क करें।

बच्चों में होने वाली मौतों में नौ प्रतिशत डायरिया से

डॉ शिखा मलिक ने बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों में होने वाली कुल मौतों में लगभग नौ प्रतिशत मौतें डायरिया के कारण होती हैं। समय पर ओआरएस एवं जिंक का उपयोग कर डायरिया से होने वाली अधिकांश मौतों को रोका जा सकता है तथा ओआरएस निर्जलीकरण के उपचार का सबसे प्रभावी एवं जीवनरक्षक उपाय है।

संघ के मध्य क्षेत्र प्रचार प्रमुख ने बताई जम्मू कश्मीर की संवैधानिक यात्रा

राष्ट्र की सामूहिक आकांक्षाओं का जीवंत प्रतिबिंब

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

स्वतंत्रता के साथ ही भारत के अनेक जटिल प्रश्न राष्ट्र के समक्ष उपस्थित हुए। इनमें सबसे संवेदनशील और दीर्घकालिक प्रश्न जम्मू-कश्मीर का था। यह केवल किसी राज्य के भारत में विलय का विषय नहीं था, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, संघीय व्यवस्था, लोकतांत्रिक मूल्यों, अंतरराष्ट्रीय राजनीति और संवैधानिक विकास की ऐसी यात्रा थी, जिसने स्वतंत्र भारत की राजनीति और संविधान को सात दशकों तक प्रभावित किया। यह बात आरएसएस के मध्य क्षेत्र प्रचार प्रमुख कैलाश चंद्र ने 'हरिभूमि' को जम्मू कश्मीर की संवैधानिक यात्रा को लेकर बताई। उन्होंने बताया कि 5-6 अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 के अधिकांश प्रावधानों को निष्प्रभावी करने तथा अनुच्छेद 35ए के अप्रभावी होने के साथ इस यात्रा का एक अध्याय समाप्त हुआ और एक नया अध्याय प्रारम्भ हुआ। दरअसल, 15 अगस्त 1947 को भारत स्वतंत्र हुआ। ब्रिटिश भारत के साथ-साथ 565 से अधिक देशी रियासतों को भारत अथवा पाकिस्तान में विलय अथवा अन्य संवैधानिक व्यवस्था का विकल्प मिला। जम्मू-कश्मीर के महाराजा हरि सिंह ने तत्काल किसी भी देश में विलय का निर्णय नहीं लिया।

अनुच्छेद 370 की संवैधानिक पृष्ठभूमि

कैलाश चंद्र

भारतीय संविधान सभा में जम्मू-कश्मीर के लिए विशेष व्यवस्था का प्रारूप तत्कालीन मंत्री एन. गोपालस्वामी आयंगार ने प्रस्तुत किया। प्रारंभ में इसे अनुच्छेद 306ए कहा गया, जो बाद में अनुच्छेद 370 बना। 26 जनवरी 1950 को संविधान लागू होने के साथ अनुच्छेद 370 प्रभावी हुआ। संविधान में इसे स्पष्ट रूप से अस्थायी प्रावधान के रूप में रखा गया। इसका उद्देश्य यह था कि जब तक जम्मू-कश्मीर की संविधान सभा राज्य के भारत के साथ संवैधानिक संबंधों पर अंतिम निर्णय न कर दे, तब तक विशेष व्यवस्था बनी रहे। 1952 का दिल्ली समझौता भारत सरकार और शेख अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली राज्य सरकार के बीच हुआ। इसके आधार पर 14 मई 1954 को राष्ट्रपति ने जम्मू काश्मरी के आवेदन पर कॉन्सटीट्यूशन आर्डर, 1954 जारी किया।

भारत का अभिन्न अंग किया घोषित

1951 में राज्य की संविधान सभा गठित हुई और 26 जनवरी 1957 को जम्मू-कश्मीर का पृथक संविधान लागू हुआ। इस संविधान ने जम्मू-कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग घोषित किया, साथ ही राज्य की अपनी शासन व्यवस्था भी स्थापित की।

इसरो, डीआरडीओ व कई संस्थानों के वैज्ञानिकों ने लिया भाग

'एयरोस्पेस टेक्नोलॉजीज एट ए ग्लांस' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का मैनिट में हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (मैनिट) में एरोनॉटिक्स रिसर्च एंड डेवलपमेंट बोर्ड और एयरोस्पेस रिसोर्सेज पैनल के सहयोग से 'एयरोस्पेस टेक्नोलॉजीज एट ए ग्लांस' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई। संगोष्ठी का उद्देश्य मैनिट के शोधकर्ताओं को देश के प्रमुख सामरिक वैज्ञानिक संस्थानों से जोड़ना तथा एयरोस्पेस एवं रक्षा अनुसंधान में सहयोग को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम में इसरो, डीआरडीओ, आईआईटीएस सहित विभिन्न संस्थानों के वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों ने भाग लिया।

दीर्घकालिक साझेदारी की संभावनाओं पर हुई

उद्घाटन सत्र में प्रो. ए.एम. प्रदीप, डॉ. एस.के. पांडेय और मैनिट के निदेशक प्रो. करुणेश कुमार शुक्ला ने शिक्षा जगत और सामरिक संस्थानों के बीच अनुसंधान सहयोग को मजबूत करने पर बल दिया। संगोष्ठी के दौरान एयरोस्पेस सामग्री, प्रणोदन प्रणालियों और उन्नत रक्षा प्रौद्योगिकियों पर विशेषज्ञ व्याख्यान हुए। साथ ही मैनिट और डीआरडीओ प्रयोगशालाओं के बीच संयुक्त अनुसंधान, वित्तपोषित परियोजनाओं, इंटर्नशिप और दीर्घकालिक साझेदारी की संभावनाओं पर चर्चा की गई।

भोपाल
गुरुवार, 6 अगस्त 2026
श्रावण मास कृष्ण पक्ष- 8
वर्ष : 13, अंक : 126
पृष्ठ : 16 मूल्य : 4.00 **

मौसम
अधि. 30
न्यून. 25

हरिभूमि
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

मप्र में बस से सफर करना हुआ महंगा

साधारण बसों का किराया 2 रुपए प्रति किमी, लग्जरी में देना होगा अधिक चार्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्य प्रदेश में बस से सफर करने वाले यात्रियों की जेब पर अब अतिरिक्त बोझ पड़ने वाला है। राज्य सरकार के परिवहन विभाग ने बसों के यात्री किराए में संशोधन करते हुए नई दरें निर्धारित कर दी हैं। जारी अधिसूचना के अनुसार साधारण बस का मूल किराया 1.25 रुपए से बढ़ाकर 2 रुपए प्रति यात्री प्रति किलोमीटर कर दिया गया है। यानी सीधे 75 पैसे प्रति किलोमीटर की बढ़ोतरी की गई है। इसके साथ ही बसों ▶▶ शेष पेज 4 पर

बसों की श्रेणी के हिसाब से ये किराया

- ▶▶ सुपर लग्जरी एसी बस: साधारण किराए से 75% तक अधिक
- ▶▶ एसी डीलक्स बस 50% तक अधिक
- ▶▶ स्लीपर बस: 40% तक अधिक
- ▶▶ नॉन-एसी डीलक्स बस: 25% तक अधिक
- ▶▶ नाइट बस सर्विस 10% तक अतिरिक्त किराया

- ▶▶ सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय और भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण को एक पायलट प्रोजेक्ट शुरू करने का निर्देश
- ▶▶ नई कारों का बीमा 4 और बाइक के लिए 6 साल का हो

बिना थर्ड पार्टी इंश्योरेंस के दौड़ रहे वाहनों पर लगाम लगाने सुप्रीम कोर्ट का बड़ा निर्देश

फिलहाल, चुनिंदा राज्यों में ....नो इंश्योरेंस, नो फ्यूल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देश की सड़कों पर बिना वैध इंश्योरेंस के दौड़ रही गाड़ियों पर नकेल कसने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया है। शीर्ष अदालत ने सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय और भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) को एक पायलट प्रोजेक्ट शुरू करने का निर्देश दिया है, जिसके तहत बिना थर्ड-पार्टी इंश्योरेंस के पेट्रोल-डीजल नहीं मिलेगा का नियम लागू किया जाएगा। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने भी इस प्रस्ताव पर सैद्धांतिक सहमति जता दी है। अदालत के अनुसार भारत की सड़कों पर मौजूद 30.48 करोड़ रजिस्टर्ड वाहनों में से लगभग 16.54 करोड़ (56%) वाहन बिना वैध थर्ड-पार्टी इंश्योरेंस के चल रहे हैं। सड़क हादसों में 22% दुर्घटनाएं इन्हीं बिना इंश्योरेंस वाले वाहनों से होती हैं। दुर्घटना पीड़ितों और उनके परिवारों को समय पर या पर्याप्त मुआवजा नहीं मिल पाता और उन्हें लंबी कानूनी लड़ाइयों में उलझना पड़ता है। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि यह ▶▶ शेष पेज 4 पर

पेट्रोल पंप पर कैसे होगी जांच?

प्रस्तावित पायलट प्रोजेक्ट के तहत पेट्रोल पंपों पर ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन (एएनपीआर) कैमरे और ऑटोमेटेड सिस्टम का इस्तेमाल किया जाएगा। पेट्रोल पंप पर पहुंचते ही एएनपीआर कैमरा गाड़ी का नंबर कैप्चर करेगा। वाहन संख्या को तुरंत वाहन पोर्टल और इंश्योरेंस इंफॉर्मेशन ब्यूरो के डेटा से मिलाया जाएगा। यदि इंश्योरेंस की मियाद खत्म पाई जाती है, तो रिन्यू होने तक फ्यूल देने से मना किया जा सकता है। यह सिस्टम बिना रजिस्ट्रेशन वाली गाड़ियों की पहचान कर अपने-आप ई-चालान भी जारी करेगा।

सुप्रीम कोर्ट के अन्य प्रमुख निर्देश

- सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया है कि नई कारों के लिए अनिवार्य थर्ड-पार्टी इंश्योरेंस की समय-सीमा 3 से बढ़ाकर 4 साल और नए टू-व्हीलर्स के लिए 5 से बढ़ाकर 6 साल की जाए।
- ट्रैफिक पुलिस को ऐसे हैंडहेल्ड डिवाइस या मोबाइल एप मुहैया कराए जाएं जो रियल-टाइम में वाहन पोर्टल से जुड़े हों।
- आईआरडीएआई को आम वाहन चालकों के लिए बेसिक थर्ड-पार्टी पॉलिसी के ▶▶ शेष पेज 4 पर

खबर संक्षेप

गिरिबाला सिंह की जमानत पर 10 अगस्त को सुनवाई

भोपाल। बहुचर्चित ट्विशा शर्मा डेथ केस में आरोपी सास गिरिबाला सिंह की नियमित जमानत याचिका पर मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में 10 अगस्त को सुनवाई तय हुई है। भोपाल की ट्रायल कोर्ट द्वारा 25 जुलाई को जमानत अर्जी खारिज किए जाने के बाद आरोपी पक्ष ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। 10 अगस्त को होने वाली सुनवाई के दौरान आरोपी पक्ष की ओर से राहत के लिए दलीलें दी जाएंगी।

श्रद्धा तिवारी को भोपाल सिटी डीआईजी का जिम्मा

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार ने वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी श्रद्धा तिवारी का प्रमोशन कर उन्हें भोपाल सिटी का उप पुलिस महानिरीक्षक (डीआईजी) नियुक्त किया है। गृह विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, वर्तमान में पुलिस मुख्यालय में भोपाल नगरीय पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) के पद पर तैनात श्रद्धा तिवारी पदभार ग्रहण करने की तिथि से भोपाल नगरीय डीआईजी का पद संभालेंगी।

रक्षाबंधन पर बहनों को मिली 'मनी बैक गारंटी' की सुविधा

नई दिल्ली। रक्षाबंधन (28 अगस्त) के मद्देनजर डाक विभाग ने दिल्ली सर्किल के 34 प्रमुख डाकघरों और प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर विशेष राखी काउंटर शुरू किए हैं। राखियों की समय पर डिलीवरी सुनिश्चित करने के लिए 22 अगस्त तक विशेष व्यवस्था की गई है। ग्राहकों को 24 और 48 घंटे वाली स्पीड पोस्ट सेवा इस्तेमाल करने की सलाह दी है। देरी होने पर ग्राहकों को मनी बैक गारंटी भी दी जाएगी।

परिसीमन और महिला आरक्षण बिल पर रिजिजू ने कांग्रेस से मांगा समर्थन, राहुल गांधी ने रखी शर्त

रिजिजू बोले-सत्र तो चलने दीजिए राहुल-शाह का बयान आने दीजिए

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

संसद के मानसून सत्र का तीसरा हफ्ता शुरू हो चुका है लेकिन सदन में गतिरोध थमने का नाम नहीं ले रहा है

बीते कई दिनों से विभिन्न मुद्दों को लेकर संसद में चल रहे गतिरोध को दूर करने के प्रयास में केंद्र सरकार जुट गई है। संसद की कार्यवाही सुगमता से चले इसके लिए केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से उनके चेंबर में मुलाकात कर कहा कि सदन की कार्यवाही चलने में सहयोग कीजिए। इस पर राहुल ने दो टूक कहा- नहीं... पहले केंद्रीय मंत्री अमित शाह का उन मुद्दों पर बयान आने दीजिए जिसके लिए बीते कई दिनों से संघर्ष चल रहा है।

संसद के मानसून सत्र का तीसरा हफ्ता शुरू हो चुका है लेकिन सदन में गतिरोध थमने का नाम नहीं ले रहा है। इस बीच संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को विपक्ष के नेता राहुल गांधी से संपर्क किया ताकि इस गतिरोध का कोई समाधान निकाला जा सके। विपक्ष के नेता ने रिजिजू से कहा कि जब तक राम मंदिर में कथित तौर पर चंदा चोरी होने के मामले पर चर्चा नहीं होती और राजधानी में 20 जुलाई को हुए विरोध ▶▶ शेष पेज 4 पर

राहुल ने राम मंदिर चंदा चोरी पर चर्चा की शर्त रखी

किरेन रिजिजू | राहुल गांधी

- ▶▶ मौजूदा मानसून सत्र 13 अगस्त को समाप्त होगा
- ▶▶ 16 से 3 दिन का विशेष सत्र बुला सकती है सरकार

संसद के इस सत्र का सत्रावसान नहीं होगा

सरकार परिसीमन और महिला आरक्षण से जुड़े संशोधन विधेयकों को पारित कराने के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने पर विचार कर रही है। मौजूदा मानसून सत्र 13 अगस्त को समाप्त होना है, लेकिन इसके बाद सत्रावसान (प्रोरोगेशन) नहीं किया जाएगा, ताकि आवश्यकता पड़ने पर जल्द ही संसद का विशेष सत्र बुलाया जा सके। बताया जा रहा है कि सरकार संशोधन विधेयकों को पारित कराने के लिए दोनों सदनों में आवश्यक दो-तिहाई बहुमत सुनिश्चित करने की दिशा में काम कर रही है। जैसे ही पर्याप्त समर्थन का भरोसा मिलेगा, 16 अगस्त से तीन दिन का विशेष सत्र बुलाया जा सकता है। हालांकि, इस संबंध में सरकार की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। ▶▶ पढ़ें पेज 07 भी

आखिरी बार परिसीमन कब हुआ था?

पहले 489 सीटें थीं, इसके बाद 1963 में 522 (1961 की जनसंख्या के आधार पर) सीटें हुईं। फिर 1973 में 1971 के आधार पर 543 सीटे हुईं। वो आज तक वैसे ही है। इसके बाद 2001 तक सीटों के बंटवारे को फ्रीज कर दिया गया था और बाद में संशोधन के जरिए इसे 2026 तक बढ़ा दिया गया था। साल 2002 में परिसीमन हुआ था, लेकिन सीटों की संख्या में नहीं बल्कि सीमा में बदलाव हुआ था।

तो, लोकसभा के सदस्यों की संख्या बढ़कर 815 हो जाएगी

परिसीमन का मतलब है चुनाव लड़ने के क्षेत्रों की सीमाएं और संख्या तय करना या बदलना। यानी चुनावी क्षेत्रों की सीमाओं में बदलाव को ही परिसीमन कहते हैं। सरकार इन सीमाओं में बदलाव करती रहती है, जो वहां की जनसंख्या और वहां के इलाके के जनसंख्या घनत्व के आधार पर तय की जाती है। ये नगर निगम के वार्ड से लेकर लोकसभा सीटों तक होता है। विधेयक के अनुसार लोकसभा के सदस्यों की अधिकतम संख्या बढ़ाकर 815 हो सकती है। इसके अलावा, केंद्र शासित प्रदेशों के लिए 35 तक सीटें हो सकती हैं। यानी कुल 850 सीटें। अभी सीटों की संख्या 1971 की जनगणना के आधार पर तय है।

रेपो रेट 5.25% पर बरकरार

नहीं बढ़ेगी होम लोन की ईएमआई जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 6.7%

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्लास्टिक के नोट साल 2028 में बाजार में आएंगे

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति ने वित्त वर्ष 2026-27 की तीसरी द्विमासिक समीक्षा बैठक में रेपो रेट को 5.25 प्रतिशत पर स्थिर रखने का फैसला किया है। चालू वर्ष में लगातार चौथी बार आरबीआई ने ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है। इस फैसले से होम लोन धारकों की मासिक किश्त (ईएमआई) अपरिवर्तित रहेगी, जिससे नोएडा-ग्रेटर नोएडा के लगभग 5.5 लाख होम लोन ग्राहकों समेत देशभर के कर्जदारों को बड़ी राहत मिली है। वैश्विक अनिश्चितताओं, पश्चिम एशिया में जारी तनाव और कच्चे तेल की कीमतों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था ▶▶ शेष पेज 4 पर

इटारसी के पास बड़ा रेल हादसा टला

पेंचवैली एक्सप्रेस के एसी कोच में शॉर्ट सर्किट से भर गया धुआं

कोच में मौजूद सभी 72 यात्री सुरक्षित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ इटारसी

नैनपुर-इंदौर पेंचवैली एक्सप्रेस (19344) में बुधवार तड़के एक बड़ा हादसा होने से टल गया। इटारसी जंक्शन से ठीक पहले पोला पत्थर स्टेशन के पास तड़के करीब 4 बजे ट्रेन के ई2 एसी कोच के इलेक्ट्रिकल पैनल में अचानक शॉर्ट सर्किट हो गया। इससे डिब्बे में चिंगारियां निकलने लगीं और देखते ही देखते पूरे कोच में घना धुआं भर गया। घटना के वक्त कोच में करीब 72 यात्री मौजूद थे और ज्यादातर ▶▶ शेष पेज 4 पर

ढाई घंटे से अधिक चली अंतिम बहस

27% ओबीसी आरक्षण पर हाई कोर्ट में सुनवाई पूरी, फैसला सुरक्षित रखा

- ▶▶ आने वाले दिनों में फैसला सुना सकता है हाई कोर्ट
- ▶▶ प्रशासनिक न्यायाधीश आनंद पाठक बोले- सभी पक्षों को कानूनी दलीलों के लिए धन्यवाद, हमारे लिए भी सीखने वाला रहा अनुभव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जबलपुर

मध्य प्रदेश में 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण से जुड़े बहुचर्चित मामलों में बुधवार को हाई कोर्ट में अंतिम सुनवाई पूरी हो गई। प्रशासनिक न्यायाधीश आनंद पाठक व न्यायमूर्ति विनय सराफ की विशेष युगलपीठ ने सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया। करीब ढाई घंटे से अधिक चली सुनवाई में आरक्षण की संवैधानिक वैधता, 50 प्रतिशत की सीमा, ओबीसी की आबादी और आरक्षण लागू करने से जुड़े विभिन्न कानूनी पहलुओं पर अंतिम तर्क रखे गए।

अब हाई कोर्ट आने वाले दिनों में इस मामले में अपना फैसला सुना सकता है। अंतिम सुनवाई पूरी होने के बाद न्यायमूर्ति आनंद पाठक ने सभी पक्षों के अधिवक्ताओं ▶▶ शेष पेज 4 पर

ईडब्ल्यूएस आरक्षण की वैधता पर होगी अलग सुनवाई

मप्र हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, ईडब्ल्यूएस आरक्षण की वैधता का मुद्दा 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण से जुड़े मामलों से अलग है। विगत सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता रामेश्वर सिंह ठाकुर ने पूछा था कि क्या ईडब्ल्यूएस आरक्षण को चुनौती देने वाले लिंक मामलों पर भी इसी फैसले में निर्णय होगा। इस पर हाईकोर्ट ने साफ कहा कि ईडब्ल्यूएस आरक्षण से जुड़े मामलों को वर्तमान प्रकरणों से अलग कर स्वतंत्र रूप से सुना जाएगा ▶▶ शेष पेज 4 पर

मप्र हाईकोर्ट ने लिया स्वत: संज्ञान- बेतवा नदी पार करते हैं बच्चे

राज्य सरकार, पीडब्ल्यूडी प्रमुख सचिव व विदिशा कलेक्टर से रिपोर्ट मांगी

चेकडैम के पिलरों पर 'जिंदगी का संतुलन' बनाकर स्कूल पहुंचने को मजबूर मासूम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जबलपुर

विदिशा जिले अंतर्गत ककरुआ और आसपास के ग्रामीण इलाकों में मासूम बच्चों के लिए स्कूल की राह किसी खतरनाक सफर से कम नहीं है। पढ़ाई का जज्बा लेकर निकले ये बच्चे हर दिन जान हथेली पर रखकर बेतवा नदी पार करने को मजबूर हैं। नदी पर बने स्टॉप डैम के नौ ▶▶ शेष पेज 4 पर

सड़क मार्ग से दूरी 16 किमी

दरअसल, बुनियादी ढांचे की कमी और स्थानीय स्तर पर हाई स्कूल न होने के कारण बच्चों के सामने बेहद सीमित विकल्प हैं। यद्यपि सड़क मार्ग से स्कूल जाने का एक सुरक्षित ▶▶ शेष पेज 4 पर

विदिशा में पिपलधार मार्ग पर दुस्साहसिक वारदात

सराफा व्यापारी को गोली मार 12 किलो चांदी लूटी, आरोपियों पर 10-10 हजार का इनाम

हाट बाजार से लौटते समय बदमाशों ने बोला धावा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ विदिशा

शहर के पिपलधार मार्ग पर बुधवार शाम को बदमाशों ने एक सराफा व्यापारी पर गोली चलाकर करीब 12 किलो चांदी और नकदी लूट ली। वारदात में व्यापारी गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, जिन्हें तत्काल इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस के अनुसार, रायसेन गेट निवासी संजय सोनी निकासा क्षेत्र में सराफा दुकान संचालित करते हैं, वे पुत्र के साथ पीपलधार हाट बाजार से विदिशा लौट रहे थे। इसी दौरान अज्ञात बदमाशों ने उन्हें रास्ते में घेरकर उन पर गोली चला दी। गोली संजय के हाथ में लगी, जिससे वे लहूलुहान होकर गिर पड़े। इसके बाद बदमाश उनसे लगभग 12 किलो चांदी और नकदी छीनकर मौके से फरार हो गए।

पूरे जिले में एसपी ने की नाकाबंदी

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल शुरू की। पूरे जिले में सघन नाकाबंदी कर आरोपियों की धरपकड़ के प्रयास किए जा रहे हैं। एसपी रोहित काशवानी ने बताया कि इस वारदात को तीन बदमाशों ने अंजाम दिया है। पुलिस ने तीनों आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए 10-10 हजार रुपए का इनाम घोषित किया है।

केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने मानसून की बेरुखी का कारण बताया

एआई और मशीन लर्निंग का अलर्ट, अल नीनो से बदल सकती है मानसून की चाल

अल नीनो की स्थिति
जून 2026 से फरवरी 2027 तक बनी रहने की 70 से 90 प्रतिशत संभावना

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

डॉ. जितेंद्र सिंह

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने बताया कि भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र (इनकॉइस) के अनुसार मई 2026 में विकसित हुई अल नीनो की स्थिति जून 2026 से फरवरी 2027 तक बनी रहने की 70 से 90 प्रतिशत संभावना है। यह आकलन इनकॉइसकी स्वदेशी एआई/एमएल आधारित पूर्वानुमान प्रणाली पर आधारित है। डॉ. सिंह ने स्पष्ट किया कि यद्यपि ऐतिहासिक रूप से अल नीनो को कम मानसूनी वर्षा से जोड़ा जाता है, लेकिन यह मानसून का एकमात्र निर्धारक नहीं है। मानसूनी परिस्थितियां हिंद महासागर द्विध्रुव (आईओडी), मैडेन-जूलियन दोलन (एमजेओ) और क्षेत्रीय महासागर-वायुमंडलीय अंतः क्रियाओं पर भी निर्भर करती हैं। अल नीनो के कारण अरब सागर और ▶▶ शेष पेज 4 पर

आज 9 जिलों में भारी बारिश

तापमान में अभी ज्यादा उतार-चढ़ाव नहीं

कल से अति भारी बारिश का दौर, भोपाल में रिमझिम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

नर्मदापुरम में बारिश हुई

राजधानी सहित आधे प्रदेश में अभी मौसम में बदलाव जारी है। शुक्रवार से प्रदेश के कुछ हिस्सों में अति भारी बारिश का दौर रहेगा।

भोपाल में मध्यम से रिमझिम बारिश का अनुमान है। इस बीच तापमान में ज्यादा उतार चढ़ाव की उम्मीद नहीं है। मौसम केंद्र के अनुसार अगले 3 दिन प्रदेश के कुछ हिस्सों में अति भारी से तेज बारिश रहेगी। मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला के अनुसार अभी उत्तर प्रदेश और आसपास ▶▶ शेष पेज 4 पर

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में भारतीय सांस्कृतिक विविधता, लोक परंपराओं का अविस्मरणीय अनुभव

ब्रिक्स संस्कृति कार्य समूह की बैठक के पहले दिन क्रिएटिव इकोनॉमी सांस्कृतिक एवं रचनात्मक उद्योग और सांस्कृतिक विरासत पर हुई चर्चा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

ब्रिक्स देशों के बीच आपसी सम्मान, आम सहमति और साझा उद्देश्यों के माध्यम से सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने के उद्देश्य से भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में ब्रिक्स संस्कृति कार्य समूह की बैठक शुरू हुई। पहले दिन ब्रिक्स सदस्य देशों के प्रतिनिधियों ने संस्कृति क्षेत्र में सहयोग को और सुदृढ़ बनाने तथा साझा प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने पर विचार-विमर्श प्रारंभ किया।

बैठक के दौरान भारत की ओर से कल्चर ट्रैक के अंतर्गत निर्धारित प्रमुख प्राथमिकताओं-क्रिएटिव इकोनॉमी, सांस्कृतिक एवं रचनात्मक उद्योग, सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण तथा संस्कृति आधारित सतत विकास- पर प्रतिनिधिमंडलों ने अपने प्रारंभिक विचार प्रस्तुत किए। बैठक में भारत, ब्राज़ील, चीन, दक्षिण अफ्रीका, संयुक्त अरब अमीरात, इंडोनेशिया, ईरान, रूस और इथियोपिया के प्रतिनिधिमंडलों ने प्रत्यक्ष रूप से भाग लिया, जबकि मिस्र का प्रतिनिधिमंडल हाइब्रिड माध्यम से कार्यवाही में शामिल हुआ।

ब्रिक्स सदस्य देशों से आए प्रतिनिधि।

भारतीय शास्त्रीय सौंदर्यशास्त्र को किया जीवंत

सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत कथक नृत्य शैली में प्रस्तुत 'नवरस', ' काली स्तवन' और 'नर्मदा अष्टपदी' से हुई, जिसने भारतीय शास्त्रीय सौंदर्यशास्त्र को जीवंत किया। इसके पश्चात नागालैंड के चकेसांग नागा कलाकारों द्वारा पारंपरिक 'टाटी' लोकगीतों की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान की विशेष रनवे प्रस्तुति 'शिखर से तट तक' से हुआ, जिसमें परिधानों के माध्यम से भारत की भौगोलिक और सांस्कृतिक यात्रा को प्रदर्शित किया गया।

15 फीट ऊंचा तथा 1,830 किलोग्राम वजनी यह विशाल कांस्य दीप से सुसज्जित

भ्रमण के दौरान प्रतिनिधियों ने केरल की पारंपरिक धरोहर 'आल-विलक्कु' दीप के प्रज्वलन में भाग लिया। पारंपरिक लॉस्ट वैक्स तकनीक से निर्मित 15 फीट ऊंचा तथा 1,830 किलोग्राम वजनी यह विशाल कांस्य दीप 1001 दीप-कोटरों से सुसज्जित है, जो ज्ञान, समृद्धि और आध्यात्मिक जागरण का प्रतीक है। संग्रहालय परिसर में प्रतिनिधियों के सामने भारत की विविधता में एकता/" की भावना को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया।

संस्कृति केवल अतीत की धरोहर नहीं, बल्कि नवाचार, समावेशी विकास की एक प्रेरक शक्ति

संस्कृति मंत्रालय के सचिव एवं ब्रिक्स कल्चर वर्किंग ग्रुप के अध्यक्ष विवेक अग्रवाल ने कहा कि संस्कृति केवल अतीत की धरोहर नहीं, बल्कि नवाचार, समावेशी विकास गहरे संबंध स्थापित करने की एक सशक्त प्रेरक शक्ति है। इस दौरान ब्रिक्स प्रतिनिधिमंडल ने शाम को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय का भ्रमण किया। प्रतिनिधियों ने संग्रहालय की मुक्ताकाश प्रदर्शनियों-कुम्हार पारा, पारंपरिक तकनीकी उद्यान और हिमालयन विलेज-का अवलोकन कर भारत की समृद्ध लोक विरासत, पारंपरिक आवासों और जनजातीय जीवन शैली की सराहना की।

नर्मदापुरम में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव को मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया वर्चुअली संबोधित

मेहनतकश किसानों के लहलहाते खेतों से लेकर उनके खातों तक का ध्यान रख रही प्रदेश सरकार

विशेष प्रतिनिधि ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार कृषक कल्याण वर्ष में किसान हितैषी योजनाओं को प्राथमिकता के साथ घर-घर पहुंचा रही है। हमारी सरकार ने किसानों के खेतों से लेकर उनके खातों तक का ध्यान रखा है। किसानों के खेतों में पानी, बिजली, खाद-बीज, कृषि यंत्र पहुंचाने के साथ-साथ उनके खातों में फसल बीमा, सम्मान निधि और ब्याज मुक्त ऋण की राशि तक पहुंचाई है। पिछली कैबिनेट में राज्य सरकार ने ऐतिहासिक कवच योजना को मंजूरी दी है।

कवच योजना से ऐसे किसानों की चिंता दूर होगी, जिनके सहकारी खातों में पुरानी गड़बड़ियों और जांच में देरी के कारण उन्हें नया ऋण और सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा था। अब ऐसे किसानों को मुख्य धारा में लाकर नया कृषि ऋण और सरकारी योजनाओं का पूरा लाभ दिलाया जाएगा। डॉ. यादव बुधवार को नर्मदापुरम में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव को मंत्रालय भोपाल से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे।

किसानों की चिंता दूर करेगी कवच योजना, मिल सकेंगे सरकारी लाभ

सरकार ने पिछली कैबिनेट में एतिहासिक कवच योजना को दी मंजूरी

बलराम कृषि महोत्सव को वर्चुअली संबोधित कर रहे मुख्यमंत्री।

फलों के बाग और नर्सरी संचालन पर मिल रहा अनुदान

डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने अब 6-6 महीने के स्थान पर एक साल में खातों को पटलने की व्यवस्था लागू की है। खाते क्लीयर करने के लिए 31 मार्च तक की बाध्यता को समाप्त कर दिया गया है। अब किसान भाई जब पैसा हो, खाते में जमा कर सकते हैं। कृषक कल्याण वर्ष में किसानों को कृषि से आय बढ़ाने का रोडमैप बताया जा रहा है। नर्मदापुरम जिले में उद्यानिकी फसलों आम, अमरूद, संतरा, अनार, नींबू और केला को लेकर आगे बढ़ने की अपार संभावनाएं हैं। फलों के बाग और नर्सरी स्थापित करने के लिए सरकार अनुदान दे रही है। किसानों को पॉलीहाउस और सेडनेट हाउस स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। महिला स्व-सहायता समूहों के माध्यम से एक बगिया मां के नाम योजना से जरिए लाभ दिया जा रहा है। फूड प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित करने पर किसानों को 50 प्रतिशत की सब्सिडी प्रदान की जा रही है।

सरसों और धान उर्पाजन में भी मिलेगा भावांतर का लाभ

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बलराम कृषि महोत्सव किसानों के साथ संवाद का उत्सव है। अब तक 20 जिलों के 10 ऐसे आयोजन किए जा चुके हैं। नर्मदापुरम में यह 11वां बलराम कृषि महोत्सव है। खेत में दाना बोने से लेकर बाजार में दाम दिलवाने तक सरकार किसानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। सोयाबीन उत्पादक किसानों की चिंता भावांतर योजना ने दूर की। अब सरसों और धान को भी भावांतर योजना में शामिल किया है। पहली बार श्रीअन्न कोदो-कुटकी की एमएसपी पर खरीदी हुई और किसानों को बोनस भी मिला है। इसके साथ ही किसानों की मांग को ध्यान में रखते हुए पात्र किसानों से मूंग उपार्जन की सीमा 25 प्रतिशत से बढाकर 60 प्रतिशत की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आय बढ़ाने के लिए किसानों को फसल विविधीकरण को अपनाने के लिए प्रेरित किया।

शहरी एवं बड़ी ग्राम पंचायतों के विकास तथा प्रबंधन के लिए बनाएं कार्ययोजनाः मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि व्यवस्थित ग्रामीण विकास और जनकल्याण कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए पंचायतों को सशक्त बनाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि शहरी एवं बड़ी ग्राम पंचायतों के विकास तथा बेहतर प्रबंधन के लिए कार्य योजना बनाई जाए। नगरों के निकट विद्यमान पंचायतों के प्रबंधन को अधिक प्रभावी बनाया जाए ताकि आसपास के क्षेत्र में सड़कें व अन्य अधोसंरचना व्यवस्थित रूप से विकसित हो सके। डॉ यादव ने मंत्रालय में आयोजित बैठक में मुख्यमंत्री वृन्दावन ग्राम योजना, ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण, वीबी जी राम जी योजना, राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना तथा अन्य गतिविधियों की समीक्षा की। बैठक में पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल, विभाग की राज्य मंत्री राधा सिंह, मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

ड्रोन से हो रहा ग्रामीण सड़कों की स्थिति का आंकलन

बैठक में बताया गया कि ग्रामीण सड़क विकास के अंतर्गत गुणवत्ता नियंत्रण, संधारण में प्रदेश ने देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत अधिकतम लंबाई की पूर्णता के लिए भी मध्यप्रदेश, पूरे देश में प्रथम रहा। प्रदेश में ड्रोन तकनीक के माध्यम से ग्रामीण सड़कों की संधारण स्थिति के आंकलन का नवाचार जारी है। वीबी जी राम जी योजना के अंतर्गत प्रदेश में एक लाख 24 हजार कार्यों पर 2 लाख 62 हजार मजदूर दैनिक रूप से कार्यरत हैं। मजदूरों को 18 करोड़ 20 लाख रुपए का भुगतान किया गया है।

गोपालकों को प्रोत्साहित किया जाए

सीएम ने कहा कि दुग्ध उत्पादन किसानों की आय बढ़ाने का प्रभावी माध्यम है। अतः मुख्यमंत्री वृंदावन ग्राम योजना के अंतर्गत घरों में गोपालन और गो-समितियों को प्रोत्साहित किया जाए। कई जिला पंचायत और जनपद पंचायत भवनों का निर्माण आकर्षक और प्रभावी तरीके से किया गया है, जो पंचायत राज संस्थाओं के लिए अनुकरणीय है। सीएम ने कहा कि बड़े और बेहतर कार्य कर रहे स्व-सहायता समूहों को लघु उद्योगों तथा एमएसएमई गतिविधियों से जोड़ा जाए।

योजनाओं की समीक्षा कर दिए आवश्यक निर्देश

नस्ल सुधार के लिए सॉर्टेड सेक्स्ड सीमेन तकनीक अपनाने बढ़ाएं जागरुकता

विभागीय कार्यों एवं योजनाओं की समीक्षा।

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

पशुपालन एवं डेयरी विभाग के नवागत सचिव डॉ. सुदाम पी खाड़े ने बुधवार को भोपाल स्थित पशुपालन एवं डेयरी विभाग संचालनालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों के साथ बैठक कर विभागीय कार्यों एवं योजनाओं की समीक्षा।

सचिव डॉ. खाड़े ने विभाग में केंद्र एवं प्रदेश सरकार की ओर से चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। नवाचारों के क्रियान्वयन, आवंटित बजट, लक्ष्य और वर्तमान प्रगति की स्थिति की समीक्षा कर आवश्यक दिशा- निर्देश दिए। उन्होंने जिला स्तर पर दवाइयों, उपकरणों की उपलब्धता, उनकी गुणवत्ता, तथा इनके प्रोक्योरमेंट सिस्टम, विभाग में चल पशु चिकित्सा इकाइयों (मोबाइल वेटरनरी यूनिट) की जानकारी, डॉ. भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना, मुख्यमंत्री डेयरी प्लस योजना एवं दुग्ध उत्पादन से संबंधित योजना की भी जानकारी प्राप्त की। बैठक के दौरान पशुधन एवं कुक्कुट विकास निगम तथा मप्र गौसंवर्धन बोर्ड की योजनाओं एवं गतिविधियों को लेकर चर्चा की। सॉर्टेड सेक्स्ड सीमेन तकनीक को बढ़ाए जाने और प्रदेश में पशुओं के लिए साइलेज की उपलब्धता बढ़ाए जाने के निर्देश दिए। बैठक में संचालक पशुपालन एवं डेयरी डॉ. पीएस पटेल, प्रबंध संचालक कुक्कुट विकास निगम डॉ. एसएन. शुक्ला, प्रशिक्षण संस्थान के संयुक्त संचालक डॉ. मनोज गौतम, गौसंवर्धन बोर्ड के रजिस्ट्रार डॉ. अनुपम अग्रवाल एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

जल्द फैसला सुना सकता है हाईकोर्ट

27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण पर हाईकोर्ट में सुनवाई पूरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ जबलपुर

मध्य प्रदेश में 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण से जुड़े बहुचर्चित मामलों में बुधवार को हाई कोर्ट में अंतिम सुनवाई पूरी हो गई।

प्रशासनिक न्यायाधीश आनंद पाठक व न्यायमूर्ति विनय सराफ की विशेष युगलपीठ ने सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया। करीब ढाई घंटे से अधिक चली सुनवाई में आरक्षण की संवैधानिक वैधता, 50 प्रतिशत की सीमा, ओबीसी की आबादी और आरक्षण लागू करने से जुड़े विभिन्न कानूनी पहलुओं पर अंतिम तर्क रखे गए। अब हाई कोर्ट आने वाले दिनों में इस मामले में अपना फैसला सुना सकता है।

सभी पक्षों को कानूनी दलीलों के लिए धन्यवाद

अंतिम सुनवाई पूरी होने के बाद न्यायमूर्ति आनंद पाठक ने सभी पक्षों के अधिवक्ताओं को उनके द्वारा रखी गई कानूनी दलीलों के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि इस पूरी सुनवाई का अनुभव कोर्ट के लिए भी सीखने वाला रहा। लंबी सुनवाई के दौरान पक्षकारों की ओर से आरक्षण से जुड़े संवैधानिक प्रविधानों, पूर्व के न्यायिक निर्णयों और उपलब्ध आंकड़ों का विस्तार से उल्लेख किया गया।

27 प्रतिशत आरक्षण पर टिकी हजारों निगाहें

मध्य प्रदेश में वर्ष 2019 में ओबीसी आरक्षण 14 प्रतिशत से बढ़ाकर 27 प्रतिशत किए जाने के बाद से यह मामला न्यायिक विचाराधीन है। सुनवाई के दौरान 50 प्रतिशत आरक्षण की सीमा, ओबीसी की आबादी, पिछड़ेपन के आंकड़े, क्रीमीलेयर और नियुक्तियों में लंबित पदों सहित कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर बहस हुई। ओबीसी पक्ष की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता रामेश्वर सिंह ठाकुर ने बुधवार को अपनी अंतिम दलीलों में 27 प्रतिशत आरक्षण बरकरार रखने की मांग की थी।

अपना दल (एस) का 10वां ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्र 9 को

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

डिजिटल युग में संगठन को अधिक सशक्त, सक्रिय और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से अपना दल (एस) मध्य प्रदेश द्वारा 9 अगस्त को सुबह 11 बजे से 10वां ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया जा रहा है। इस विशेष सत्र का विषय सोशल मीडिया में सक्रियता से जिम्मेदारी तक एआई और डिजिटल कम्युनिकेशन का सही उपयोग रखा गया है। कार्यक्रम में डिजिटल मार्केटिंग कंसल्टेंट एवं सोशल मीडिया विशेषज्ञ पवन त्रिपाठी मुख्य प्रशिक्षक के रूप में कार्यकर्ताओं को सोशल मीडिया की प्रभावी रणनीति, डिजिटल संगठन निर्माण, एआई के व्यावहारिक उपयोग, डिजिटल कंटेंट प्लानिंग, ऑनलाइन कम्युनिकेशन और रिस्पांसिबल डिजिटल कम्युनिकेशन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से मार्गदर्शन देंगे। कार्यक्रम में अपना दल (एस) के राष्ट्रीय महासचिव एवं मध्य प्रदेश प्रभारी आर. बी. सिंह पटेल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे, जबकि राजनीतिक रणनीतिकार डॉ. अतुल मलिकराम तथा कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष मान सिंह बिसेन भी प्रमुख रूप से शामिल रहेंगे।

---

44 प्रशिक्षित जवान आपदा राहत एवं बचाव कार्यों के लिए हुए तैयार, प्रमाण-पत्र देकर दिया सम्मान

एसडीईआरएफ के 90 दिवसीय बेसिक प्रशिक्षण का सफल समापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मप्र पुलिस के राज्य आपदा आपातकालीन प्रतिक्रिया बल (एसडीईआरएफ) में प्रतिनियुक्ति पर पदस्थ जवानों के 90 दिवसीय बेसिक प्रशिक्षण का सफलतापूर्वक समापन हुआ। समापन समारोह में महानिदेशक प्रज्ञा ऋचा श्रीवास्तव ने प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने वाले सभी जवानों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए तथा प्रशिक्षण के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रथम तीन प्रशिक्षार्थियों को शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया। महानिदेशक प्रज्ञा ऋचा श्रीवास्तव ने कहा कि एसडीईआरएफ मप्र की एक अत्यंत महत्वपूर्ण इकाई है, जो आपदाओं के समय त्वरित एवं प्रभावी राहत-बचाव कार्यों के माध्यम से नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करती है।

उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण से जवानों की कार्यकुशलता, तकनीकी दक्षता एवं आपदा प्रतिक्रिया क्षमता में और अधिक वृद्धि होगी, जिससे वे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी प्रभावी ढंग से जनसेवा कर सकेंगे। उन्होंने प्रशिक्षार्थियों से प्रशिक्षण के दौरान अर्जित ज्ञान एवं कौशल का पूर्ण समर्पण और संवेदनशीलता के साथ जनहित में उपयोग करने का आह्वान किया।

राहत एवं बचाव कार्यों में अपनी सेवाएं देंगे-

प्रशिक्षण पूर्ण करने के बाद ये जवान एसडीईआरएफ की विशेष आपदा प्रतिक्रिया टीम के सदस्य के रूप में प्रदेश में प्राकृतिक एवं मानवजनित आपदाओं के दौरान राहत एवं बचाव कार्यों में अपनी सेवाएं देंगे। शासन के प्रचलित प्रावधानों के अनुसार उन्हें 50 प्रतिशत जोखिम भत्ता भी प्रदान किया जाएगा। इस प्रशिक्षण की विशेष उपलब्धि भिंड जिले में आपदा राहत कार्य के दौरान शहीद हुए एसडीईआरएफ जवान की धर्मपत्नी श्रीमती डॉली कुशवाह की सहभागिता रही। उन्होंने प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूर्ण कर सेवा, साहस एवं समर्पण की प्रेरणादायी मिसाल प्रस्तुत की। उनका यह संकल्प राष्ट्रसेवा के प्रति अटूट निष्ठा तथा कर्तव्यपरायणता का प्रतीक है।

प्रशिक्षण में 44 जवानों ने भाग लिया

प्रशिक्षण में 44 जवानों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान उन्हें आपदा प्रबंधन एवं आपातकालीन प्रतिक्रिया से जुड़े विभिन्न विषयों पर सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इसमें बाढ़ आपदा प्रबंधन, ध्वस्त संरचनाओं में खोज एवं बचाव, प्राथमिक उपचार, सीबीआरएन आपदाओं में बचाव एवं प्रतिक्रिया सहित अन्य विशेषीकृत आपदा प्रबंधन तकनीकों का प्रशिक्षण शामिल रहा।

विभागाध्यक्षों सहित हर स्तर के अधिकारियों को दिशा-निर्देश जारी, शासकीय योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन उद्देश्य

अब हर शुक्रवार को आयोजित होगा मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान, कल से होगी शुरुआत

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मप्र में मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान शुक्रवार 7 अगस्त से शुरू होने जा रहा है। सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) ने सभी विभागाध्यक्षों के साथ ही कलेक्टर्स और कमिश्नर को अभियान के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

निर्देश में कहा गया है कि क्षेत्र भ्रमण, निरीक्षण एवं जन-संवाद के माध्यम से आम जनता की शिकायतों का त्वरित निराकरण, शासकीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की मॉनिटरिंग और लोकसेवाओं का समय-सीमा में प्रदाय सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राज्य शासन की ओर से यह अभियान प्रारंभ करने का निर्णय लिया गया है। यह अभियान 7 अगस्त से शुरू होकर 8 जनवरी 2027 तक चलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुसार इस अवधि में प्रत्येक सप्ताह के पंचम दिवस अर्थात शुक्रवार को अभियान संचालित होगा। इस दौरान यह सुनिश्चित किया जाएगा कि मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान दिवस अर्थात प्रत्येक शुक्रवार को (अपरिहार्य स्थितियों को छोड़कर) विभाग स्तर पर अथवा विभागाध्यक्ष स्तर पर अथवा संभागायुक्त या जिला कलेक्टर्स अथवा विभागीय जिला अधिकारियों के साथ किसी भी प्रकार की ऑनलाइन, ऑफलाइन समीक्षा बैठकों का आयोजन नहीं किया जाएगा।

प्रत्येक शुक्रवार को अधिकारी फील्ड भ्रमण करेंगे

सभी विभाग प्रमुखों एवं विभागाध्यक्षों के लिए यह अनिवार्य होगा कि मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान की अवधि में प्रत्येक शुक्रवार को अधिकारी फील्ड भ्रमण करेंगे। जिले एवं क्षेत्र का चयन वे अपनी प्रशासनिक कार्य सुविधा, विभागीय आवश्यकता एवं प्राथमिकतानुसार कर सकेंगे। यदि किसी सप्ताह अपरिहार्य कारणों से विभागीय अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव फील्ड भ्रमण में असमर्थ हो तो इसकी पूर्व सूचना मुख्य सचिव कार्यालय को अनिवार्य रूप से दी जाएगी। विभागाध्यक्षों के मामले में इसी प्रकार की व्यवस्था सभी अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव निर्धारित करना सुनिश्चित करेंगे।

संवाद-समाधान संवेदनशीलता और सादगी होंगे

संवाद, समाधान, संवेदनशीलता और सादगी, मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के 4 स्तम्भ हैं। पारदर्शी और उत्तरदायी प्रशासन इस अभियान का प्रतिबिंब है। सभी अधिकारियों से अपेक्षा की गई है कि अभियान के क्रियान्वयन को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए इन दिशा-निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करें।

शिकायतों और आवेदनों के शत-प्रतिशत निराकरण

यह भी निर्देश हैं कि विभागों का यह दायित्व होगा कि हर हफ्ते अपने विभाग से संबंधित सीएम हेल्पलाईन, जनसुनवाई एवं लोकसेवा गारंटी अधिनियम के तहत लंबित प्रकरणों की नियमित समीक्षा करेंगे एवं सुनिश्चित करेंगे कि विभाग, विभागाध्यक्ष स्तर पर कोई भी शिकायत अनावश्यक रूप से लंबित न रहें। विभाग के अधीनस्थ सभी विभागाध्यक्ष कार्यालयों को यह भी निर्देशित है कि संभाग स्तर पर पदस्थ विभागीय अपर संचालक, संयुक्त संचालक, उप संचालक स्तरीय अधिकारी भी अनिवार्य रूप से प्रत्येक शुक्रवार को अपने क्षेत्राधिकार के जिलों में विभागीय कार्यों की समीक्षा के लिए चिन्हित क्षेत्र में भ्रमण पर रहेंगे।

सादगी और सीमित वाहन पूलिंग पर जोर

मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत भ्रमण कार्यक्रम आदि के दौरान सादगी और मितव्ययिता का विशेष ध्यान रखा जाएगा। अधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे कि भ्रमण पर प्रस्थान करते समय वाहन संख्या सीमित रहे और यथासंभव वाहन पूलिंग सुनिश्चित की जाएगी।

हरिभूमि

भोपाल भूमि फ्रंट पेज

भोपाल, गुरुवार 6 अगस्त 2026

संभाग कमिश्नर ने टाइम लिमिट बैठक में अफसरों को दी हिदायत

कल नहीं होंगी बैठकें, फील्ड में लोगों से संवाद करेंगे अफसर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

शुक्रवार सात अगस्त से जनविश्वास अभियान शुरु किया जा रहा है, जिसको देखते हुए तहसील और जिला स्तर पर सभी अफसर फील्ड में जाकर आम लोगों से संवाद करें, उनकी समस्याओं को सुनकर उनका मौके पर ही निराकरण करने का प्रयास करें। ऐसे लोग जिन्हें अब तक सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिला है, उनके आवेदन भरवाकर कार्रवाई पूरी की जाए। सभी अफसर इस बात का ध्यान रखें कि शुक्रवार को किसी भी तरह की बैठक न रखी जाए। यह बात बुधवार को संभाग कमिश्नर कर्मवीर शर्मा ने टाइम लिमिट की बैठक में अफसरों से कही।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान को लेकर जिले में भ्रमण कर लंबित सीएम हेल्पलाइन शिकायतों का निराकरण, लोक सेवा गारंटी के केसों का निराकरण, विभागीय संस्थाओं का निरीक्षण और विभागीय योजनाओं की समीक्षा की जाए। उन्होंने कहा कि नामांतरण, सीमांकन, बंटवारा के मामले, किसानों की फार्मर आईडी, आयुष्मान कार्ड, समग्र ई-केवाईसी, प्रधानमंत्री आवास योजना, और जल जीवन मिशन की समीक्षा की जाए।

करेंगे निरीक्षण

कमिश्नर ने कहा कि फील्ड में जाने और आम लोगों से संवाद करने के साथ अफसर आंगनवाड़ी, स्वास्थ्य केंद्र, स्कूल-कॉलेज, राशन दुकान, खाद-बीज की उपलब्धता, कानून व्यवस्था और सामाजिक सुरक्षा पेंशन की जानकारी ली जाए।

700 कैंपर में 15 हजार लीटर पानी सप्लाई, बिना जांच के चल रहा प्लांट सील

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

शहर में दुकानों और शोरूमों पर बीस लीटर के कैंपर में बिना जांच के रोजाना 15 हजार लीटर सप्लाई करने का मामला सामने आया है, जिससे इन दुकानों से पानी पीने वालों को स्वास्थ्य का खतरा बना हुआ है। बुधवार को खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने इंद्रपुरी स्थित राज इंटरप्राइजेज के प्रोसेस्ड वॉटर प्लांट को सील कर दिया है। टीम जब मौके पर पहुंची तो पानी की जांच रिपोर्ट भी संचालक पेश नहीं कर सका। फूड लाइसेंस भी नहीं लिया गया था।

- सरकारी जमीन पर अतिक्रमण कर करवाए दो ट्यूबवेल बोर
- पानी की टेस्ट रिपोर्ट और फूड सेफ्टी लाइसेंस भी नहीं मिला

पानी के प्लांट पर कार्रवाई करते अधिकारी।

पिछले तीन साल से चल रहा था प्लांट

जिसके आधार पर प्लांट को सील कर दिया गया है। मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी शिवराज पावक ने बताया कि शिकायत के आधार पर इंद्रपुरी स्थित राज इंटरप्राइजेज के यहां जांच की गई है। जहां से रोजाना पंद्रह हजार लीटर पानी कैंपरों में भरकर बेचा जा रहा था। यह प्लांट पिछले तीन साल से चल रहा था। संचालक एक कैंपर बीस रुपए नग के हिसाब से बेचा जा रहा था। जिसके लिए तीन वाहन भी लगाए गए हैं।

फसाई का लाइसेंस देखकर ही खरीदें कैंपर

खाद्य सुरक्षा अधिकारी पंकज श्रीवास्तव ने बताया कि शहर में दुकानदार और शोरूम संचालक कैंपर खरीदकर पानी का उपयोग करते हैं। ऐसे में आम लोगों से अपील की जाती है कि वह पानी देने से वाले से प्लांट का फसाई लाइसेंस देखकर ही पानी खरीदें। वरना स्वास्थ्य के लिए यह नुकसानदेह हो सकता है।

कपड़ा, सर्राफा और होलसेल कारोबार रहेगा बंद, सात व्यापारी संघों ने किया समर्थन

मोती मस्जिद बैरिकेडिंग के विरोध में कल बंद रहेगा पुराने भोपाल का थोक बाजार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

पुराने भोपाल के मोती मस्जिद चौराहे पर ट्रैफिक पुलिस द्वारा की गई बैरिकेडिंग के विरोध में शुक्रवार को चौक बाजार सहित पुराने शहर का कपड़ा, सर्राफा और थोक कारोबार बंद रहेगा। यह निर्णय सात प्रमुख व्यापारी संगठनों की संयुक्त बैठक में लिया गया। व्यापारियों ने बैरिकेडिंग को अव्यवहारिक बताते हुए इसे तत्काल हटाने की मांग की है। इससे पहले गत दिवस बड़ी संख्या में व्यापारियों ने चौक क्षेत्र में पैदल मार्च निकालकर विरोध प्रदर्शन किया। मार्च के दौरान व्यापारियों ने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कहा कि बैरिकेडिंग से बाजार की सामान्य गतिविधियां प्रभावित हो रही हैं और लोगों की आवाजाही में भारी दिक्कत आ रही है। व्यापारियों का कहना है कि मोती मस्जिद चौराहे पर लगाए गए बैरिकेड्स के कारण न केवल ग्राहकों और व्यापारियों को परेशानी हो रही है, बल्कि आपातकालीन परिस्थितियों में भी गंभीर समस्या खड़ी हो रही है।

उन्होंने हाल ही में चौक बाजार में लगी आग के दौरान दमकल वाहनों को मौके तक पहुंचने में कठिनाई हुई और उन्हें लंबा रास्ता लेकर जाना पड़ा। व्यापारियों के अनुसार, ऐसी स्थिति भविष्य में और गंभीर रूप ले सकती है। बैठक में मौजूद व्यापारियों ने आरोप लगाया कि प्रशासन ने बिना पर्याप्त विचार-विमर्श और स्थानीय व्यापारिक परिस्थितियों का आंकलन किए बैरिकेडिंग कर दी है। उनका कहना है कि इससे सुरक्षा व्यवस्था बेहतर होने के बजाय व्यापार और आपातकालीन सेवाओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। शुक्रवार के बंद को चौक बाजार व्यापारी संघ, भोपाल व्यवसायी संघ, फेडरेशन ऑफ राजधानी वस्त्र व्यवसायी संघ, श्री सर्राफा एसोसिएशन भोपाल, भोपाल वस्त्र व्यवसायी संघ, ओल्ड भोपाल होलसेल व्यापारी संघ और नदीम रोड व्यापारी संघ ने समर्थन दिया है।

राजधानी के मोती मस्जिद चौराहे पर ट्रैफिक पुलिस ने लगाए बैरिकेडिंग।

मास्टर प्लान के बगैर, भोपाल का विकास नहीं: मसूद

मास्टर प्लान लागू करने 10 नंबर मार्केट में धरना-प्रदर्शन

भोपाल। राजधानी में मास्टर प्लॉन लागू करने की मांग को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बुधवार को 10 नंबर मार्केट में धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया। इसमें शामिल विधायक आरिफ मसूद ने कहा कि मास्टर प्लॉन लागू किए बगैर भोपाल का विकास संभव नहीं है। धरने के माध्यम से सरकार से मांग की गई कि भोपाल शहर के लंबित मास्टर प्लान को जल्द से जल्द लागू किया जाए, ताकि शहर के विकास और आम नागरिकों के हितों की रक्षा सुनिश्चित हो सके। जी शामिल हुए। इस दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, पार्षद एवं बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कल्याणपुर और जाहिरपीर की 25 एकड़ की 8 अवैध कॉलोनियों पर चला बुलडोजर, छोटे प्लॉटों की रजिस्ट्री

भोपाल। आम लोगों को कम बजट के सस्ते प्लॉट का लालच देकर बिल्डर अवैध कॉलोनियां काटने से बाज नहीं आ रहे हैं। कार्रवाई शुरु होने पर काम बंद कर दिया जाता है, जबकि कार्रवाई ठंडी पड़ने के बाद दोबारा से छह सौ से एक हजार वर्गफीट के छोटे प्लॉटों का कारोबार शुरू कर दिया जाता है। बुधवार को हुजूर एसडीएम विनोद सोनकिया की टीम ने कल्याणपुर और पिपलिया जाहिरपीर में आठ अवैध कॉलोनियों के खिलाफ कार्रवाई की है। यहां पर कॉलोनियों के गेट, बाउंड्रीवॉल और तार फेंसिंग को बुलडोजर से उखाड़ा गया है। पच्चीस एकड़ एरिया की जमीनों पर अलग-अलग अवैध कॉलोनियां काटी जा रही थीं, जिसकी बाजार कीमत 50 करोड़ रुपए से अधिक आंकी गई है।

कोपरा डालकर सड़क बनाई

ग्रामीण क्षेत्र में इन दिनों कोपरा डालकर 20 फीट चौड़ी सड़क बनाकर कॉलोनी काटने का काम शुरु कर दिया जाता है। यहां बिजली लाइन, पानी, सीवेज और ड्रेनेज सिस्टम का इंतजाम नहीं किया जाता है। लोग सस्ते के लालच में प्लॉट खरीद लेते हैं। बाद में बुनियादी सुविधाओं के लिए परेशान होना पड़ता है।

सड़क पर निर्माण सामग्री रखने वालों पर कार्रवाई

भोपाल। नगर निगम ने सड़क पर भवन निर्माण सामग्री रखकर यातायात प्रभावित करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए विदिशा रोड पर 11 मामलों में 31 हजार रुपए का स्पॉट फाइन वसूला। कार्रवाई के दौरान सड़क पर रखी गई निर्माण सामग्री भी हटवाई गई। निगम आयुक्त संस्कृति जैन के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग और जोनल अमला शहर में स्वच्छता और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए लगातार निरीक्षण कर रहा है। बुधवार को जोन-17 के अमले ने वार्ड-73 के अंतर्गत विदिशा रोड और रासलाखेड़ी क्षेत्र का निरीक्षण किया। इस दौरान कई स्थानों पर भवन निर्माण सामग्री सड़क पर रखी मिली, जिससे वाहनों और लोगों की आवाजाही प्रभावित हो रही थी।

72 निर्माणों को हटाने में जिला प्रशासन और निगम के के छूटे पसीने

एनजीटी की सख्ती: 31 अगस्त तक हटाए जाएंगे बड़े तालाब किनारे के अतिक्रमण

भोपाल। बड़े तालाब के 72 अतिक्रमण, जिसमें बंगले, विला, मल्टी स्टोरी बिल्डिंग और बड़ी इमारतों को जमींदोज करने में जिला प्रशासन और नगर निगम के पीसने छूट रहे हैं। 29 जुलाई को एनजीटी में हुई सुनवाई के बाद तीन सप्ताह का समय दिया गया था। ट्रिब्यूनल ने साफ कहा था कि तय समय में कार्रवाई नहीं होने पर संबंधित एसडीएम और तहसीलदार व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होंगे। मामले की अगली सुनवाई 31 अगस्त को होगी। नगर निगम की ओर से एनजीटी में पेश स्टेटस रिपोर्ट के हिसाब से एफटीएल से 50 मीटर दायरे में चिन्हित 15 अतिक्रमणों पर हाई कोर्ट की रोक है, जबकि 53 निर्माणों को 16 मार्च 2022 से पहले का बताते हुए अलग श्रेणी में रखा गया है। हाई कोर्ट से राहत पाने वालों में अनवर हसन खान का मैरिज गार्डन, विकास विधानी का लेक व्यू परिसर सहित अन्य निर्माण शामिल हैं। बड़े तालाब के सीमांकन में बैरागढ़ क्षेत्र में सबसे ज्यादा 220 और टीटी नगर क्षेत्र में 127 अतिक्रमण चिन्हित किए गए हैं। इनमें 59 निजी और 78 सरकारी निर्माण शामिल हैं। कलेक्टर सुमित पांडे का कहना है कि बड़े तालाब किनारे के अतिक्रमणों को हटाने नगर निगम और राजस्व विभाग संयुक्त रूप से दस्तावेजों की जांच कर रहे हैं।

बोट क्लब के निर्माण भी मुसीबत

एफटीएल के 50 मीटर दायरे में सैर सपाटा, बोट क्लब, विंड एंड वेव्स होटल और वन विहार का कुछ हिस्सा भी दायरे में पाया गया है। वन विहार रोड क्षेत्र में जॉक रेस्टोरेंट, लहर रेस्टोरेंट, विंड्स एंड वेव, होटल रंजीत लेकव्यू, फूड जोन की 26 दुकानें, गेम जोन, कचरा कैफे, सुलभ कॉम्प्लेक्स और लहर जिम सहित कई निर्माण चिन्हित किए गए हैं।

पेट्रोल पंप पर कार्रवाई करते अधिकारी।

कम पेट्रोल देने वाले 4 नोजल से नहीं होगी सप्लाई

दम्मो, आरके पंप के डीजल टैंक से निकाला पानी, सप्लाई बहाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

गोविंदपुरा क्षेत्र स्थित इंडेन कंपनी के मेसर्स दम्मो फिलिंग स्टेशन पर एक हफ्ते पहले डीजल टैंक में पानी मिलने के बाद मंगलवार को खाद्य विभाग की टीम ने डीजल की सप्लाई बहाल करा दी है। दरअसल, इस पंप पर कार्रवाई के बाद मप्र पेट्रोल पंप एसोसिएशन ने कार्रवाई का विरोध दर्ज कराया था, जिसके बाद खाद्य विभाग दवाब में आ गया। हालांकि अफसरों का कहना है कि कंपनी के सेल्स मैनेजर के लेटर में डीजल टैंक से पानी निकालने की जानकारी दी थी, जिसके बाद सप्लाई को बहाल किया गया है।

दम्मो और आरके एचपी में पानी मिला डीजल

खाद्य विभाग की टीम ने गोविंदपुरा स्थित दम्मो इंडियन पेट्रोल पंप और पीएंडटी चौराहा स्थित आरके एचपी पंप पर जांच की थी, जहां डीजल टैंकों में वेरिएशन से अधिक पानी होने की वजह से दोनों पंपों से पानी मिला डीजल सप्लाई किया जा रहा था। टीमों ने दोनों पंपों की डीजल सप्लाई पर रोक लगा दी थी, पानी निकालने के बाद सप्लाई को बहाल कर दिया गया है।

डीजल टैंक से भी निकला पानी

इधर पीएंडटी चौराहा स्थित आरके एचपी पेट्रोल पंप के डीजल टैंक से भी पानी निकालने के बाद उसकी सप्लाई बहाल कर दी गई है। इस पंप के एक नोजल से पांच लीटर माप में 50 मिलीलीटर पेट्रोल कम देने पर उसकी सप्लाई बहाल नहीं की गई है। जिला आपूर्ति नियंत्रक चंद्रभान सिंह जादौन का कहना है कि नापतौल विभाग की टीम इस नोजल से माप ठीक करेगा, जिसके बाद नोजल से सप्लाई बहाल कराई जाएगी।

27 अगस्त को न्यायालय में पेश होने के निर्देश

भवन हड़पने फर्जी दस्तावेज बनाने के मामले में रिटायर्ड आईएएस अधिकारी के पति सहित तीन के खिलाफ अपराध दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

एमपी नगर के नगर स्थित बहुमंजिला व्यावसायिक भवन को हड़पने के लिए फर्जी दस्तावेज बनाकर जिला न्यायालय एवं मप्र उच्च न्यायालय जबलपुर में प्रस्तुत किए जाने के मामले में न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी शरद जायसवाल ने परिवादी प्रवीण शर्मा द्वारा प्रस्तुत किए गए निज परिवाद पत्र पर सुनवाई करने के बाद आरोपी अमित पांडे ,विद्याचरण दुबे और एमके जॉन के खिलाफ जालसाजी का प्रकरण दर्ज करने के आदेश दिए हैं।

न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी ने आरोपियों को संमस जारी कर प्रकरण की आगामी पेशी दिनांक 27 अगस्त को उन्हें न्यायालय में उपस्थित होने के आदेश दिए हैं। परिवाद पत्र के अनुसार एमपी नगर के नगर जोन -1 में बीडीए के प्लॉट नंबर 241 और 242 स्थित बहुमंजिला व्यावसायिक भवन पूर्व में स्व.रंजीत शाह के नाम थी।

कार्रवाई नहीं होने से कोर्ट पहुंचा था परिवादी

स्व. रंजीत शाह का वर्ष 2016 में निधन हो जाने के पश्चात उक्त संपत्ति का मालिकाना हक परिवादी के नाम पर आ गया। बीडीए ने उक्त संपत्ति की लीज का नवीनीकरण परिवादी के पक्ष में कर दिया। परिवादी के बहुमंजिला व्यावसायिक भवन को हड़पने के उद्देश्य से आरोपी अमित पांडे, विद्याचरण दुबे और एम.के. जॉन ने मिलकर जाली अनुबंध पत्र दिनांक 9.04.1997 तैयार कर पंचम अतिरिक्त जिला न्यायाधीश की कोर्ट में एक प्रकरण पेश कर अनुबंध पत्र दिनांक 09.04.1997 की फोटो प्रति पेश की थी। पंचम अतिरिक्त जिला न्यायाधीश द्वारा पारित किए गए फैसले दिनांक 20.01.2020 के विरूद्ध आरोपी अमित पांडे ने मप्र हाईकोर्ट जबलपुर में अपील पेश की थी। आरोपी अमित पांडे ने पंचम अतिरिक्त जिला न्यायाधीश की कोर्ट में पेश किए गए जाली अनुबंध पत्र में संपत्तियों के अन्य हिस्से को जोड़कर उसे मप्र हाईकोर्ट जबलपुर में पेश की गई अपील पेश कर दिया। आरोपी अमित पांडे ने दिनांक 09.04. 1997 के दोनों अनुबंध पत्र पर विक्रेता के रूप में अपने आपको स्व. रंजीत शाह का मुख्तारआम दर्शाते हुये हस्ताक्षर किये हैं। आरोपियों ने स्टांप वेंडर के सील सिक्के की भी दोनों अनुबंध पत्र पर जाली लगाए हैं। परिवादी ने 10 जून 2024 को मामले की शिकायत थाना एमपी नगर भोपाल में की थी। थाना एमपी नगर ने शिकायत पर कोई कार्यवाही नहीं की तो फिर परिवादी ने पुलिस कमिश्नर को 2 जुलाई 2024 को शिकायत की थी।

18 माह बाद केंद्रीय जेल से बाहर आया कांस्टेबल

हाईकोर्ट से जमानत के बाद रात 10:20 बजे जेल से सौरभ रिहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

आरटीओ के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा आखिरकार करीब 18 महीने बाद बुधवार रात 10:20 बजे भोपाल सेंट्रल जेल से रिहा हो गए। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की एकल पीठ ने उसकी नियमित जमानत याचिका स्वीकार करते हुए सशर्त रिहाई के आदेश दिए थे। सौरभ फरवरी 2025 से जेल में बंद था। कोर्ट ने 10 लाख रुपए के निजी मुचलके और इतनी ही राशि की जमानत पर सौरभ को रिहा करने का निर्देश दिया था। सौरभ शर्मा फरवरी 2025 से न्यायिक हिरासत में था। जमानत आदेश की औपचारिकताएं पूरी होने के बाद रात 10:20 बजे उन्हें जेल से रिहा कर दिया गया। जेल के बाहर उनके समर्थक और परिजन मौजूद रहे।

राजधानी के गांधी नगर के स्थित टैगोर नगर का मामला

9 साल की मासूम को पड़ोसी के कुत्तों ने काटा, मालिक पर एफआईआर दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

गांधी नगर थाना क्षेत्र स्थित टैगोर नगर में 9 साल की मासूम को पड़ोसी के कुत्तों ने काट लिया। दोनों पैरों में काटने के कारण मासूम लहूलुहान हो गई। इलाज कराने के बाद मासूम के परिजन ने पुलिस को शिकायत की थी। पुलिस ने कुत्तों के मालिक पर मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार कृष्णकांत रावत (37) टैगोर वार्ड, गांधीनगर में रहते हैं और ठेकेदारी करते हैं। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि 3 अगस्त की शाम करीब 5 बजे वह पत्नी ललिता के साथ घर के बाहर बैठे थे। उनकी 9 साल की बेटी गौरवी रावत घर के बाहर रोड पर साइकिल चला रही थी।

महिला ने बोला... छू

घर के सामने रामू का मकान है। रामू और उसकी पत्नी संजना अपने पालतू दो कुत्तों को लेकर घर के बाहर खड़े थे। जैसे ही उनकी बेटी गौरवी की साइकिल कुत्तों के पास पहुंची रामू की पत्नी ने छू कहा और कुत्ते गौरवी पर झूम गए। कुत्तों ने गौरवी के पैरों में काट लिया था। दंपती डंडा लेकर दौड़े और किसी तरह कुत्तों से छुड़ाकर बेटी को लेकर निजी अस्पताल ले गए।

राशन दुकानों पर खाद्यान्न वितरण व्यवस्था होगी पारदर्शी

पीडीएस के नए मॉडल पॉयलेट प्रोजेक्ट के रूप में भोपाल और इंदौर से होगी शुरुआत

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना में हितग्राहियों मिलेगा डिजिटल टोकन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मप्र की सार्वजनिक वितरण प्रणाली अब डिजिटल क्रांति की नई दहलीज पर पहुंच गई है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत पात्र हितग्राहियों को अब नकद या पारंपरिक व्यवस्था के बजाय भारतीय रिजर्व बैंक की केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (सीबीडीसी) के माध्यम से राशन उपलब्ध कराने की तैयारी शुरू हो गई है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत ने बताया कि भारत सरकार ने इस महत्वाकांक्षी पायलट प्रोजेक्ट के लिए मप्र के भोपाल और इंदौर का चयन किया है।

- मप्र में केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा से होगी खाद्यान्न की डिलीवरी

दिसंबर तक लागू होगी व्यवस्था

दिसंबर तक सभी उचित मूल्य दुकानों पर यह व्यवस्था लागू करने का लक्ष्य रखा गया है। इस योजना के लागू होने के बाद पात्र हितग्राहियों को हर महीने उनकी खाद्यान्न पात्रता के अनुरूप सीबीडीसी टोकन सीधे उनके डिजिटल वॉलेट में भेजे जाएंगे। राशन लेने के लिए हितग्राही को केवल अपने मोबाइल ऐप से उचित मूल्य दुकान पर उपलब्ध क्यूआर कोड स्कैन करना होगा और टोकन का उपयोग करते ही गेहूं, चावल सहित पात्रता अनुसार खाद्यान्न मिल जाएगा। इससे पूरी प्रक्रिया डिजिटल एवं पारदर्शी बनेगी।

कैशलेस, पेपरलेस और पारदर्शी होगी योजना

इस महत्वाकांक्षी परियोजना के क्रियान्वयन के लिए भारत सरकार के खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग, खाद्य विभाग, पंजाब नेशनल बैंक, एनआईसी तथा अन्य तकनीकी एजेंसियों के बीच कई दौर की बैठकों और वीडियो कॉन्फ्रेंस के बाद कार्ययोजना तैयार की गई है।

लीकेज रोकने, सब्सिडी के दुरुपयोग पर अंकुश लगाने की जरूरत

खाद्य मंत्री राजपूत ने बताया कि यह व्यवस्था सार्वजनिक वितरण प्रणाली में लीकेज रोकने, सब्सिडी के दुरुपयोग पर अंकुश लगाने और लाभार्थियों तक शत-प्रतिशत पारदर्शिता के साथ खाद्यान्न पहुंचाने में मील का पत्थर साबित होगी। डिजिटल रुपया केवल राशन खरीदने के लिए ही उपयोग किया जा सकेगा, जिससे सरकारी सहायता का उपयोग किसी अन्य उद्देश्य के लिए नहीं हो सकेगा। योजना के तहत सबसे पहले लाभार्थियों के आधार और राशन कार्ड के डेटा का मिलान, मोबाइल नंबर का सत्यापन तथा ई-केवायसी किया जाएगा। इसके बाद हितग्राहियों को पीएनबी डिजिटल रुपया मोबाइल ऐप पर ऑनबोर्ड किया जाएगा। साथ ही सभी उचित मूल्य दुकानों को क्यूआर आधारित सीबीडीसी भुगतान प्रणाली से जोड़ा जाएगा और विक्रेताओं को विशेष प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

जैकेट का शेष...

चलाएं ...

शामिल हैं। सीधे अनुच्छेद 226 के तहत हाईकोर्ट जाने को अदालत ने वैधानिक उपायों को दरकिनार करना बताया। अदालत ने कई मामलों में दिए गए संक्षिप्त अंतरिम स्थगन आदेशों पर चिंता जताई और कहा कि इससे बार-बार मुकदमेबाजी बढ़ी तथा नगर निगम और सरकार को मूल आदेशों का बचाव करना पड़ा। सुप्रीम कोर्ट ने दोहराया कि पहले दिए गए आदेशों के अनुसार 90 दिन अधिकतम समय-सीमा है। इसके आगे कोई विस्तार नहीं मिलेगा। नगर निगम की ओर से कहा गया कि करीब 1,000 नोटिस जारी किए गए। करीब 100 परिसरों को सील किया गया। कुछ मामलों में लोगों द्वारा स्वयं सील हटाने का भी उल्लेख हुआ। नोटिस के बाद परिणामी आदेश भी पारित किए गए।

मैं भी सरकारी विद्यालय में ही ...

में आने के लिए लालायित हैं। युवा शिक्षित होकर कृषि, पशुपालन और फूड प्रोसेसिंग के माध्यम से आगे बढ़ें। मुख्यमंत्री ने कहा कि मप्र में पहले चरण में स्कूल शिक्षा विभाग के 274 सांदीपनि विद्यालय और जनजातीय कार्य विभाग के 94 सांदीपनि विद्यालय सफलतापूर्वक संचालित हो रहे हैं। दूसरे चरण में प्रदेश में स्कूल शिक्षा के 200 नए सांदीपनि विद्यालय और जनजातीय कार्य विभाग के 205 नए सांदीपनि विद्यालय स्थापित किए जा रहे हैं।

बाल कैबिनेट की दी

की मीटिंग्स, कार्यकाल की अवधि, चयन प्रक्रिया और व्यवस्थाओं के संचालन के बारे में भी चर्चा की।

क्या मेटा को नहीं ...

वैश्विक टेक कंपनी होने के नाते मेटा के पास इन समस्याओं को रोकने के लिए पुख्ता तकनीक होनी चाहिए। सरकार ने एल्गोरिदम में पक्षपात और प्रमुख हस्तियों के खातों की सुरक्षा को लेकर सख्त अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। इस मामले में संसद की संचार और सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी स्थायी समिति ने मेटा से कड़ी नाराजगी जताई थी। समिति के अध्यक्ष निशिकांत दुबे ने कहा था कि यदि यह तकनीकी गलती थी तो यह बेहद गंभीर है और यदि जानबूझकर किया गया तो यह प्रधानमंत्री की छवि खराब करने का प्रयास माना जाएगा। उन्होंने कहा था कि मार्क जुकरबर्ग को व्यक्तिगत रूप से माफी मांगनी चाहिए। साथ ही चेतावनी दी थी कि यदि ऐसा नहीं हुआ तो मेटा का सेफ हार्बर संरक्षण वापस लेने की सिफारिश की जा सकती है।

नरोत्तम बोले- आशुतोष ...

कार्यशैली को करीब से देखा है। मुझे पूरा विश्वास है कि वे संगठन और जनता की अपेक्षाओं पर खरे उतरेंगे। उन्होंने भी परिणाम के पश्चात किसी का नाम लेकर नाराज़गी नहीं जताई यह भी सभी कार्यकर्ताओं के प्रति उनके मन में सम्मान के भाव का प्रकटीकरण है।

राजनीति में उतार ...

रिश्ता सदैव ऐसे ही बना रहेगा। राजनीति में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं, लेकिन परिवार, संस्कार और रिश्ते हमेशा स्थायी रहते हैं।

विस अध्यक्ष ...

लेटरहेड पर लिखा- 'प्रिय कुशवाह समाज बंधुओं, हम विगत दिनों भाजपा अध्यक्ष, कमलेश कुशवाह के घर गए थे। यह पारिवारिक कार्यक्रम था और उसी माहौल में चर्चा हो रही थी। कुशवाह और हम लोग एक दूसरे के पूरक हैं, इसी भाव से जीवन भर कुशवाह समाज का सम्मान करता रहा हूं और जीवन पर्यन्त करता रहूंगा। मैं अपमान करने की बात सपने में भी नहीं सोच सकता, यदि मेरे किसी शब्द से किसी समाज बंधु को ठेस लगी है तो मैं अपने शब्द वापस लेता हूं और आप लोगों को जो तकलीफ हुई है उसके लिए खेद व्यक्त करता हूं।'

प्रदेश कांग्रेस ...

जिलाध्यक्षों को बदलने पर सहमति बनी है और ढाई साल बाद होने वाले विधानसभा चुनावों को ध्यान में रख कर वर्तमान प्रदेश कार्यकारिणी को भी भंग कर नई कार्यकारिणी के गठन की घोषणा की जा सकती है।

पेज एक का शेष...

फिलहाल, चुनिंदा ...

नियम तुरंत पूरे देश में लागू नहीं हो रहा है। अभी इसे चुनिंदा राज्यों में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में आजमाया जाएगा। पूरे देश में लागू करने से पहले कनेक्टिविटी, डेटा अपडेट में देरी जैसी व्यावहारिक समस्याओं और इंफ्रास्ट्रक्चर की समीक्षा की जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट के...

साथ-साथ आसान ऐड-ऑन और पर्सनल एक्सीडेंट कवर पेश करने को कहा गया है।

साधारण बसों का....

का न्यूनतम किराया 10 रुपए तय किया गया है। परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया है कि नया नियम शहरी क्षेत्र में चलने वाली सिटी बसों पर लागू नहीं होगा। इस बढ़ोतरी का सीधा असर लंबी दूरी और लग्जरी बसों से यात्रा करने वाले यात्रियों पर पड़ेगा।

रिजिजू बोले-...

प्रदर्शन के दौरान छात्रों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई पर गृह मंत्री अमित शाह का बयान नहीं आता, तब तक सदन की कार्यवाही नहीं चल सकती। राहुल गांधी से मिलने के बाद रिजिजू ने स्पीकर ओम बिरला और गृह मंत्री से मुलाकात की और संसद में जारी गतिरोध पर चर्चा की। तृणमूल कांग्रेस और उद्धव ठाकरे की शिवसेना से नेताओं के पाला बदलने की वजह से सदन में बदली हुई संख्या-बल के दम पर सरकार को उम्मीद थी कि वह उस विवादित परिसीमन बिल को पास करा लेगी, जो पिछले सत्र में पास नहीं हो पाया था।

नहीं बढ़ेगी होम....

की मजबूती को देखते हुए रिजर्व बैंक ने विकास दर का अनुमान बढ़ा दिया है। चालू वित्त वर्ष के लिए जीडीपी वृद्धि का अनुमान 6.6% से बढ़ाकर 6.7% कर दिया गया है। जून 2026 तिमाही में 7%, सितंबर में 6.4%, दिसंबर में 6.5% और मार्च 2027 तिमाही में 6.8% रहने की उम्मीद है। पहली तिमाही में खुदरा महंगाई अनुमान से कम रही है, हालांकि वैश्विक मोर्चे पर आपूर्ति बाधाओं के कारण आगे सतर्कता की आवश्यकता बताई गई है। आरबीआई के गर्वनर ने कहा कि प्लास्टिक के नोट साल 2028 में बाजार में आ जाएंगे। उनका कहना है कि आरबीआई इस तैयारी में है कि अगले 2 सालों में ये नोट आपके हाथ में रहे।

पेंचवैली एक्सप्रेस...

सो रहे थे। धुएं के कारण फायर अलार्म बजने लगे और यात्रियों का दम घुटने लगा, जिससे कोच में अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, यात्रियों ने सूझबूझ का परिचय देते हुए तुरंत चेन पुलिंग कर ट्रेन को रोका और सुरक्षित बाहर निकल आए। हादसे की सूचना मिलते ही रेलवे के 35 अधिकारियों और तकनीकी कर्मचारियों की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। स्थिति पर काबू पाने के बाद सभी 72 यात्रियों को सुरक्षित दूसरे डिब्बों में शिफ्ट किया गया। सूत्रों के मुताबिक, प्रभावित एसी कोच को बाद में ट्रेन से अलग कर दिया गया। इस घटना के कारण इटारसी जंक्शन पर समता एक्सप्रेस, जीटी एक्सप्रेस और राजधानी एक्सप्रेस जैसी प्रमुख ट्रेनों को कुछ समय के लिए रोकना पड़ा। रेलवे की मुस्तैदी और यात्रियों की सजगता से एक बड़ा हादसा टल गया और कोई जनहानि नहीं हुई।

27% ओबीसी ...

को उनके द्वारा रखी गई कानूनी दलीलों के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि इस पूरी सुनवाई का अनुभव कोर्ट के लिए भी सीखने वाला रहा। लंबी सुनवाई के दौरान पक्षकारों की ओर से आरक्षण से जुड़े संवैधानिक प्रविधानों, पूर्व के न्यायिक निर्णयों और उपलब्ध आंकड़ों का विस्तार से उल्लेख किया गया।

27% आरक्षण पर टिकी हजारों अभ्यर्थियों की निगाह : प्रदेश में वर्ष 2019 में ओबीसी आरक्षण 14 से बढ़ाकर 27% किए जाने के बाद से यह मामला न्यायिक विचाराधीन है। सुनवाई के दौरान 50 प्रतिशत आरक्षण की सीमा, ओबीसी की आबादी, पिछड़ेपन के आंकड़े, क्रीमीलेयर और नियुक्तियों में लंबित पदों सहित कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर बहस हुई। ओबीसी पक्ष की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता रामेश्वर सिंह ठाकुर ने बुधवार को अपनी अंतिम दलीलों में 27 प्रतिशत आरक्षण बरकरार रखने की मांग की थी।

ईडब्ल्यूएस आरक्षण

और उनकी वैधता पर पृथक निर्णय दिया जाएगा। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने यह भी कहा कि 27 प्रतिशत आरक्षण के आधार पर हो चुकी नियुक्तियों को आदेश में संरक्षित किया जाएगा, ताकि अंतिम निर्णय का प्रतिकूल प्रभाव उन पर न पड़े।

चेकडैम के पिलरों ....

बड़े पिलरों के बीच चार-चार फीट का खतरनाक फासला है। उफनती नदी के बीच इन्हीं पिलरों पर छलांग लगाते हुए और संतुलन बनाते हुए छात्राएं व छात्र स्कूल पहुंचते हैं। मानसून के मौसम में जब पिलर फिसलने लगते हैं और नदी का जलस्तर बढ़ता है, तब एक छोटी सी चूक भी किसी बड़े हादसे का सबब बन सकती है। मप्र हाईकोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखते हुए स्वतः संज्ञान लिया है। एसीजे विवेक रूसिया व जस्टिस प्रदीप मित्तल की डिवीजन बेंच ने प्रथम दृष्टया इसे बच्चों की सुरक्षा और उनके बुनियादी शिक्षा के अधिकार का सीधा हनन माना है। अदालत ने प्रदेश के मुख्य सचिव, लोक निर्माण विभाग के प्रमुख सचिव और विदिशा कलेक्टर को प्रतिवादी बनाते हुए नोटिस जारी किया है। साथ ही वरिष्ठ अधिवक्ता नमन नागरथ व अधिवक्ता हिमांशु मिश्रा को मामले में सहयोग करने के लिए कोर्ट मित्र नियुक्त किया गया है। मामले की अगली सुनवाई 21 सितंबर को तय की गई है। इससे पहले धार जिले से भी ऐसी ही डरावनी तस्वीरें सामने आई थीं, जिन पर हाई कोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए सरकार से जवाब तलब किया था। हाईकोर्ट के कड़े तेवरों के बाद प्रशासनिक अमला हरकत में आया। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश विदिशा के निर्देश पर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव की संयुक्त न्यायिक टीम ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का मुआयना किया। शिक्षा विभाग ने किरमची बंधेरा के माध्यमिक विद्यालय को हाई स्कूल में अपग्रेड करने का प्रस्ताव लोक शिक्षण संचालनालय को भेजा है।

सड़क मार्ग से ...

विकल्प मौजूद है, लेकिन वह दूरी 10 से 16 किलोमीटर लंबी पड़ती है। छोटे-छोटे बच्चों के लिए हर दिन पैदल या अन्य साधनों से इतना लंबा चक्कर लगाना व्यावहारिक रूप से संभव नहीं है। यही वजह है कि वे समय बचाने के चक्कर में जान का जोखिम जानते हुए भी पिलरों के खतरनाक रास्ते को चुनने पर विवश हैं।

एआई और मशीन ...

बंगाल की खाड़ी में तापमान बढ़ने से समुद्री लू की संभावना बढ़ सकती है। इससे महासागरीय पोषक तत्वों, जैविक उत्पादकता, मछली वितरण, नौवहन और अपतटीय गतिविधियों पर असर पड़ सकता है। सरकार की तैयारियों को रेखांकित करते हुए उन्होंने बताया कि इनकॉइस ने उन्नत ऑब्जर्वेशन नेटवर्क (आर्गो फ्लोट्स, ग्लाइडर्स, उपग्रह प्रेक्षण) और एआई-आधारित मॉडल के माध्यम से महासागरीय पूर्वानुमान तथा आपदा चेतावनी प्रणालियों को मजबूत किया है। तटीय समुदायों की सुरक्षा के लिए चौबीसों घंटे निगरानी, प्रभाव-आधारित पूर्वानुमान, मॉक ड्रिल और जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त, डीप महासागर मिशन के तहत चालू वित्त वर्ष में समुद्री संसाधनों के मानचित्रण हेतु 145.06 करोड़ आवंटित किए गए हैं।

कल से अति ...

सिस्टम होने से प्रदेश के इससे लगे हिस्सों में भारी और अति भारी बारिश होगी। प्रदेश में दिन के औसत तापमान में ज्यादा बदलाव नहीं होगा। गुरुवार को ग्वालियर, दतिया, भिंड, सीधी, मऊगंज, सतना, पन्ना और छतरपुर में भारी बारिश होगी। इसके अलावा भोपाल, विदिशा, रायसेन, सीहोर, राजगढ़, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, बुरहानपुर, खंडवा, खरगौन, धार, इंदौर, रतलाम, उज्जैन सहित करीब 35 शहरों में मध्यम से हल्की बारिश की उम्मीद है। श्योपुरकला और आसपस अति भारी बारिश होगी। अगले तीन दिन कुछ जिलों में अति भारी से भारी बारिश होगी।

कार्यालय सम्पदा अधिकारी
मध्यप्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल प्रक्षेत्र - 1, गोमंतिका परिसर, जवाहर चौक, भोपाल

आम सूचना

हाउसिंग बोर्ड, आर.एस.एस. मार्केट, शिवाजी नगर, भोपाल (म.प्र.) में स्थित फ्लेट क्रमांक एल.आई.जी./सी- 11 तृतीय तल मण्डल द्वारा श्री द्वारका दास गंगलानी आत्मज श्री तंवर मल गंगलानी के नाम से आवंटित है। उक्त सम्पत्ति का आवंटन दिनांक को किया गया है। श्री द्वारका दास गंगलानी का स्वर्गवास दिनांक 05/07/2017 को हो गया है। आवेदक आवंटी की पुत्री सुश्री वीना गंगलानी पुत्री स्व. श्री द्वारका दास गंगलानी द्वारा आवेदन, मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र, अन्य वारिसों के अनापत्ति शपथ पत्र एवं मण्डल का निर्धारित आवेदन पत्र व अन्य दस्तावेज प्रस्तुत कर उक्त सम्पत्ति अपने नाम से नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है, उक्त दस्तावेजों के आधार पर उक्त सम्पत्ति के नामांतरण की कार्यवाही की जा रही है। उक्त सम्पत्ति के संबंध में यदि किसी भी व्यक्ति / उत्तराधिकारी / संस्था को इस सम्बन्ध में कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस के अन्दर लिखित रूप में मय सबूत के साथ इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। समयावधि समाप्त होने के पश्चात् कोई आपत्ति स्वीकार नही की जावेगी एवं मण्डल नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

सम्पदा अधिकारी
म.प्र. गृह नि. एवं अधो. वि. म. प्रक्षेत्र-1. भोपाल

कार्यालय सम्पदा अधिकारी
मध्यप्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल प्रक्षेत्र - 1, गोमंतिका परिसर, जवाहर चौक, भोपाल

आम सूचना

हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी, हर्षवर्धन नगर, भोपाल (म.प्र.) में स्थित भवन क्रमांक ई.डब्ल्यू.एस. / जे - 7 मण्डल द्वारा श्री सुभाष चन्द्र सक्सेना आत्मज श्री आर. सी. सक्सेना (रामाचरण सक्सेना) के नाम से आवंटित है। उक्त सम्पत्ति का विक्रय विलेख पंजीयन कार्यालय से दिनांक 24/09/1996 को पंजीकृत है। श्री सुभाष चन्द्र सक्सेना आत्मज श्री आर. सी. सक्सेना (रामाचरण सक्सेना) द्वारा उक्त सम्पत्ति द्वारा उक्त सम्पत्ति (1) श्री अशोक कुमार भादे आत्मज श्री एस. आर. भादे (2) श्रीमती करिश्मा भादे पत्नी श्री अशोक कुमार भादे को विक्रय विलेख के माध्यम से विक्रय कर दिया है। जिसका विक्रय विलेख दिनांक 23/06/2021 को पंजीयन कार्यालय से पंजीकृत है। क्रेता / विक्रेता द्वारा आवेदन, शपथ पत्र, संयुक्त शपथ पत्र, विक्रय विलेख की छायाप्रति प्रस्तुत करते हुये उक्त सम्पत्ति (1) श्री अशोक कुमार भादे आत्मज श्री एस. आर. भादे (2) श्रीमती करिश्मा भादे पत्नी श्री अशोक कुमार भादे के पक्ष में हस्तांतरित करने हेतु दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। उक्त दस्तावेजो के आधार पर उक्त सम्पत्ति के हस्तांतरण की कार्यवाही की जा रही है। यदि उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति / उत्तराधिकारी / संस्था / वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस के अन्दर लिखित रूप में मय सबूत के साथ इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। समयावधि समाप्त होने के पश्चात् कोई आपत्ति स्वीकार नही की जावेगी एवं मण्डल नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

सम्पदा अधिकारी
म.प्र. गृह नि. एवं अधो. वि. म. प्रक्षेत्र-1. भोपाल

कार्यालय सम्पदा अधिकारी
मध्यप्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल प्रक्षेत्र - 1, गोमंतिका परिसर, जवाहर चौक, भोपाल

आम सूचना

हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी, करोंद, बैरसिया रोड, भोपाल में स्थित शेड क्रमांक- 282/बी मण्डल द्वारा श्रीमती शमूना बेगम पत्नी श्री मोहम्मद इसरार के नाम से आवंटित है। उक्त सम्पत्ति का विक्रय विलेख पंजीयन कार्यालय से दिनांक 23/08/2010 को पंजीकृत किया गया है। श्रीमती शमूना बेगम पत्नी श्री मोहम्मद इसरार द्वारा उक्त सम्पत्ति श्रीमती सलमा बेगम पत्नी स्व. श्री हबीब खान को विक्रय विलेख के माध्यम से विक्रय कर दिया है। जिसका विक्रय विलेख दिनांक 27/10/2018 को पंजीयन कार्यालय से पंजीकृत है। क्रेता / विक्रेता द्वारा आवेदन, शपथ पत्र, संयुक्त शपथ पत्र, विक्रय विलेख की छायाप्रति प्रस्तुत करते हुये उक्त सम्पत्ति श्रीमती सलमा बेगम पत्नी स्व. श्री हबीब खान के पक्ष से हस्तांतरित करने हेतु दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। उक्त दस्तावेजो के आधार पर उक्त सम्पत्ति के हस्तांतरण की कार्यवाही की जा रही है। यदि उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति / उत्तराधिकारी / संस्था / वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस के अन्दर लिखित रूप में मय सबूत के साथ इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। समयावधि समाप्त होने के पश्चात् कोई आपत्ति स्वीकार नही की जावेगी एवं मण्डल नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

सम्पदा अधिकारी
म.प्र. गृह नि. एवं अधो. वि. म. प्रक्षेत्र-1. भोपाल

विशेष शाखा, पुलिस मुख्यालय मध्यप्रदेश भोपाल

NO.SB/Store/2026-25 (630) Bhopal,Dated 31-07-2026

"ऑनलाईन ई-निविदा सूचना"

पुलिस महानिदेशक, मध्यप्रदेश की ओर से सहायक पुलिस महानिरीक्षक, विशेष शाखा (जी) पुलिस मुख्यालय, भोपाल द्वारा वेबसाईट https://mptenders.gov.in/nicgep/app पर निम्नलिखित उपकरणों के क्रय हेतु ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है:-

S.no.	Name of Item(s)	Qty.	Tender fees (Rs.)	EMD (Rs.)	Tender No.
			Paid online Through mptenders.gov.in		
1	Steel Almirah	90	2,000/-	40,500/-	1st Tender

1. निविदा प्रपत्र ऑनलाइन वेबसाइट https://mptenders.gov.in/nicgep/app पर जमा किये जाऐंगे।
2. निविदा शुल्क ऑनलाइन जमा करना अनिवार्य है।
3. मध्यप्रदेश पुलिस की वेबसाइट www.mppolice.gov.in से निविदा प्रपत्र एवं विस्तृत जानकारी डाउनलोड की जा सकती है।
4. निविदा समय सारणी:

No.	Tender Activity	Date & Time
i	निविदा प्रकाशन की दिनांक	31/07/2026 at 17.00 hrs
ii	निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने की प्रारंभ दिनांक	31/07/2026 up to 17.30 hrs
iii	Submission of written queries - through e-mail: aigg-sb@mppolice.gov.in	06/08/2026 up to 17.00 hrs
iv	प्री-बिड दिनांक	07/08/2026 at 12.00 hrs
v	निविदा जमा करने की प्रारंभ दिनांक	10/08/2026 at 10.00 hrs
vi	निविदा जमा करने की अंतिम दिनांक	20/08/2026 up to 16.00 hrs
vii	निविदा खोलने की दिनांक	21/08/2026 up to 16.00 hrs
viii	डिमांस्ट्रेशन दिनांक	Demo date will be announced separately

5. निविदाकर्तागण से अनुरोध है कि निविदा से संबंधित संशोधन, शुद्धि पत्र आदि बेबसाईट पर ही अपलोड किये जायेंगे अतः बेबसाईट पर अद्यतन रहें।
6. निविदा में दर्शाए दिनांक/समय पर निविदा खोली जावेगी, निविदा खोलने के उपरान्त तकनीकी निविदा में योग्य पाए गए निविदाकताओं एवं वित्तीय निविदा की जानकारी बेबसाईट के माध्यम से बाद में सूचित की जावेगी।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (प्रशासन), हेतु-उप पुलिस महानिरीक्षक, गुप्तवार्ता (जी) म.प्र.भोपाल दूरभाष कं.-0755-2443654

G-16716/26 " स्वच्छता ही सेवा "

CHANGE OF NAME

I, Banwari Baghel S/O: Batol Baghel, R/O berkheda,, Rampur Kalan, Morena, Madhya Pradesh- 476229, have changed the name of my minor son Brajesh Baghel aged 14 years and he shall hereafter be known as DURGESH BAGHEL

पश्चिम मध्य रेल
वाणिज्य शाखा
No.: C/BPL/NFR/E-Auction/2026/5
Date: 04.08.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक पश्चिम मध्य रेल भोपाल द्वारा लोकोमोटिव के बाहरी पेनल पर विज्ञापन के ठेके आवंटन हेतु ई–ऑक्शन आमंत्रित की जाती है। ई–ऑक्शन के केट्लोग्स आईआरईपीएस पोर्टल (www.ireps.gov.in) पर उपलब्ध हैं। केट्लोग्स की जानकारी इस प्रकार से हैं Catalogue number : C-BPL-NFR-Loco, Type of contract : Advertisement, Lot No : ADVT-LOCO-BPL-ET-220, ADVT-LOCO-BPL-ET-221, ADVT-LOCO-BPL-ET-222, ADVT-LOCO-BPL-ET-223, ADVT-LOCO-BPL-ET-224, ADVT-LOCO-BPL-ET-225, ADVT-LOCO-BPL-ET-226, ADVT-LOCO-BPL-ET-227, ADVT-LOCO-BPL-ET-228, ADVT-LOCO-BPL-ET-229,उपरोक्त सभी लॉटस की Contract Period : 3 Years, उपरोक्त सभी निविदाओं की Date and time of start of e-auction : 20.08.2026 at 15:00 hrs. सम्पूर्ण जानकारी, अनुबंध की सामान्य शर्तें एवं अनुबंध की विशेष शर्तें www.ireps.gov.in पर उपलब्ध हैं। प्रतिभागी पोर्टल पर जाकर विवरण प्राप्त कर सकते हैं अथवा 9752416997 पर संपर्क कर सकते हैं।

मण्डल रेल प्रबंधक (वा)
पश्चिम मध्य रेल, भोपाल

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

हरिभूमि क्लासीफाइड
आवश्यकता है | खरीदना है | बेचना है | व्यापार | चिकित्सा | ज्योतिष | डिस्प्ले विज्ञापन
संपर्क सूत्र : 9407279644

छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंगको 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
09083218330
R-30-07-2026,to 11-08-26
SUNDAY HOLD

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (धन भेजने, लोन संबंधित, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित अथवा अनुबंध) से पहले अच्छी तरह जाँच पड़ताल कर लें। किसी भी उत्पाद या सेवायें के संबंध में किये किसी विज्ञापन दाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि की जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक संपादक और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाये किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

- व्यावस्थापक

हरिभूमि
रनिंग क्लासीफाइड
उठावना, शोक संदेश, जन्मदिन, आमसूचना आम/कोर्ट नोटिस

हरिभूमि भोपाल बाजार
विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें मो. 9407279644

प्लाट मात्र 3,55,000 हजार में आसान किश्तों पर
साईट:- 220 फिट रिंग रोड न्यू बायपास से लगी हुई डायवर्सन एवं NOC एप्रूड
आफिस इंडिया प्रोपर्टी करोंद भोपाल
मो. 7772079910

Medical Help Line
विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें : मो.9407279644

नये दागों का आना तुरन्त बंद
सफेद दाग
चर्म रोग, पित्ते की पथरी, गुर्दे की पथरी
Timing 10:30 am to 8:00 pm
44 वर्षो का होम्योपैथिक चिकित्सा सेवा का अनुभव
Dr. Safi's HOMEOPATHIC CLINIC
कृपया फोन पर अपॉइंटमेंट लें।
M. 9425006131, 8871714432
5/4, संजय कॉम्पलेक्स माता मंदिर, टी.टी. नगर भोपाल | सौतत मंजिल पुरानी कजियात के सामने मोती मस्जिद भोपाल

गांधी पी.आर. महाविद्यालय
बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय से संबद्ध
ADMISSION OPEN
B.A. | BCA | BBA | BPES | BSC
B.Com (Economics/Computer/Hon'S 4 Years)
PG COURSES
M.A.: HINDI | ENGLISH | ECONOMICS | POLITICAL SCIENCE | SOCIOLOGY | SOCIAL WORK
M.Com: ACCOUNTS & MANAGEMENT
B.Lib: (Librarian Science)
PGDCA: DIPLOMA IN COMPUTER APPLICATION
(ONLINE COUNSELLING)
Mob. 9827208070, 9425346230
9893194695, 9981291288
पता: डी–1, दानिश नगर, होशंगाबाद रोड, आशिमा मॉल के पास, भोपाल
www.gandhiprcollege.com, principal@gandhiprcollege.com

राशिफल

मेष – मन में नकारात्मक विचारों से बचें। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव हो सकता है। माता का सानिध्य मिलेगा।

वृष – व्यर्थ के क्रोध से बचें। नौकरी में अफसरों से सद्भाव बनाकर रखें। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। संगीत में रुचि हो सकती है।

मिथुन – भागदौड़ अधिक रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। अनियोजित खर्चों में वृद्धि हो सकती है। अचानक धन प्राप्ति के योग बन रहे हैं।

कर्क – क्रोध के अतिरेक से बचें। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है। परिश्रम अधिक रहेगा।

सिंह – नौकरी में तरक्की के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। यात्रा पर जाना हो सकता है। संयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें।

कन्या – धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ सकती है। कारोबार का विस्तार हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

तुला – व्यर्थ के क्रोध एवं वाद–विवाद से बचें। स्वभाव में चिड़चिड़ापन रहेगा। धन की स्थिति सन्तोषजनक रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक – क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। माता से धन की प्राप्ति हो सकती है।

धनु – पठन–पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जाने के योग बन रहे हैं। भाग–दौड़ अधिक रहेगी। खर्च अधिक रहेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मकर – आलस्य की अधिकता रहेगी। कारोबार का विस्तार होगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। बहन–भाइयों का सहयोग मिलेगा।

कुंभ – कुटुम्ब–परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। कुटुम्ब के किसी बुजुर्ग से धन की प्राप्ति हो सकती है। आय में वृद्धि होगी। बातचीत में संयत रहें।

मीन – शैक्षिक कार्यों में मन लगेगा, परन्तु शैक्षिक कार्यों में कठिनाई भी आ सकती है। जीवनसाथी से मतभेद बढ़ सकते हैं। सुखद समाचार मिलेगा।

शब्द पहेली - 6309

बाएँ से दाए
1.जाति,समाज,बुंधता-4
3.स्वयंवर माला,जीत-4
6.चूहे का घर-2
7.स्थिर,टिका हुआ-3
8.पार्थिव देह,लाश-2
10.सुवासित करना-4
11.थोड़ा,कम-2
13.मोटा आटा,दानेदार-4
15.गौरव,अभिमान-3
17.विष्णु,नारायण-4
20.वाहन,गाड़ी,जहाज-2
21.होशियार,दक्ष-3
23.उचित,सही-3
25.जया भादुड़ी व अमिताभ की फिल्म-2
26.करिश्मा,करतब-4
29.भर्त्सना,धिक्कार-3
31.गुलाम,परतंत्र-4
32.बेल,लतिका-2
34.आश्चर्य-4
35.नांद,टप-2
37.मग्नता-3
39.मछली-2
40.कुशलपूर्वक,सुरक्षित-4
41.मित्रतापूर्ण-4

ऊपर से नीचे
1.विधेयक,देयक-2
2.विजयादशमी-4
3.जीत,विजय-2
4.जुड़वा-3
5.शव,मृत शरीर-2
6.बंधु,सजातीय,भाई-4
7.एक आंख वाला-2
9.मौजूदा,आधुनिक-4
10.मदमस्त-4
12.धुन,लय,सुर-2
14.इच्छा,कामना-2
16.सुर साधना-3
18.भगवान कृष्ण का गरीब मित्र-3
19.छुट्टी,अवकाश-2
21.अच्छे कुल का-3
22.भाग्य (अंग्रेजी-2)
24.यम,मृत्यु का देवता-4
25.अपमिश्रण, खोट-4
27.निशा,रात्रि-2
28.कहासुनी,कलह-4
30.तल्ला,पैंदा-2
31.गुलामी,पराश्रित-4
33.शिक्षा(उर्दू-3)
34.अदा करना,चुकाना-2
36.एक सवारी गाड़ी-2
38.झुका हुआ-2
39.दोस्त,सखा-2

शब्द पहेली- 6308 का हल

सूडोकु नवताल- 6319

सरल

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
■ पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकु नवताल 6318 का हल

MANGAL SENACHA, BANGALORE

खबर संक्षेप

धूत ट्रांसमिशन का आईपीओ 10 को खुलेगा

मुंबई। धूत ट्रांसमिशन लिमिटेड का आईपीओ सोमवार, 10 अगस्त 2026 से निवेशकों के लिए खुलेगा। कंपनी ने बताया कि एंकर निवेशकों के लिए बोली प्रक्रिया 7 अगस्त को होगी, जबकि आईपीओ 12 अगस्त 2026 को बंद होगा। कंपनी ने आईपीओ के लिए 829 से 871 रुपए प्रति इक्विटी शेयर का प्राइस बैंड तय किया है। प्रत्येक इक्विटी शेयर का अंकित मूल्य 2 रुपए है। निवेशक न्यूनतम 17 शेयरों के एक लॉट के लिए और उसके बाद 17 शेयरों के गुणकों में बोली लगा सकेंगे।

मोरपेन लैबोरेटरीज ने रचा नया रिकॉर्ड

गुरुग्राम। मोरपेन लैबोरेटरीज लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही (30 जून 2026 को समाप्त) के वित्तीय नतीजों में अब तक का सर्वाधिक तिमाही राजस्व और आय दर्ज की है। कंपनी ने बेहतर परिचालन दक्षता, एपीआई कारोबार में मजबूती, निर्यात में तेज वृद्धि और सीडीएमओ कारोबार के पूर्ण व्यावसायीकरण के दम पर शानदार प्रदर्शन किया।कंपनी का राजस्व सालाना आधार पर 34 प्रतिशत बढ़कर 575.31 करोड़ रुपए ये पहुंच गया। एबिटडा में 207 प्रतिशत की वृद्धि के साथ यह 87.72 करोड़ रुपए रहा।

वी ने प्रीपेड यूजर्स के लिए लांच किए नए प्लान

नई दिल्ली। दूरसंचार सेवा प्रदाता वी ने अपने प्रीपेड ग्राहकों के लिए नई पेशकश की घोषणा की है। कंपनी ने तीन नए प्रीपेड रिचार्ज प्लान लांच किए हैं, जिनमें यूजर्स को बिना किसी अतिरिक्त लागत के स्पॉटिफाई प्रीमियम का सब्सक्रिप्शन मिलेगा। कंपनी के अनुसार, इन रिचार्ज प्लान्स के साथ यूजर्स को प्रीमियम म्यूजिक स्ट्रीमिंग, मनोरंजन और डेटा-कनेक्टिविटी के फायदे एक साथ मिलेंगे। 435 रुपये वाले वीआई नॉन-स्टॉप हीरो प्लान अब स्पॉटिफाई प्रीमियम मेंके साथ अनलिमिटेड डेटा, अनलिमिटेड 4जी/5जी कॉलिंग, प्रतिदिन 100 एमएसएस ,जियो स्टार(मोबाइल) और 28 दिनों की वैलिडिटी मिलेगी।

मैसूर दीप ने प्रीमियम परफ्यूम सेगमेंट में रखा कदम

'ब्लंट ब्लैक' ब्रांड के तहत लांच की नई ईडीपी रेंज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ इंदौर

अगरबत्ती और पूजा उत्पादों के लिए प्रसिद्ध मैसूर दीप परफ्यूमरी हाउस (एमडीपीएच) ने अपने कारोबार का विस्तार करते हुए प्रीमियम पर्सनल फ्रेगरेंस श्रेणी में प्रवेश किया है। कंपनी ने ब्लंट ब्लैक ब्रांड के तहत प्रीमियम ईओ डी परफ्यूम (ईडीपी) रेंज लांच की है। इस कदम के साथ कंपनी तेजी से बढ़ते प्रीमियम फ्रेगरेंस बाजार में अपनी उपस्थिति मजबूत करने की रणनीति पर आगे बढ़ रही है।

तीन दशकों से अधिक समय से सुगंध उत्पादों के निर्माण में सक्रिय कंपनी ने नई रेंज को आधुनिक उपभोक्ताओं की पसंद को ध्यान में रखते हुए तैयार किया है। ब्लंट ब्लैक को चार वैरिएंट डार्क एलिक्सर, नियो ऑरा, वेलवेट नाइट और फ्रेंच एक्वा में पेश किया गया है। कंपनी के अनुसार, प्रत्येक फ्रेगरेंस अलग-अलग व्यक्तित्व, जीवनशैली और अवसरों के अनुरूप विकसित की गई है, जबकि नियो ऑरा खासतौर पर जेन-जी उपभोक्ताओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। कंपनी ऐसे समय इस सेगमेंट में उतरी है जब भारत का पर्सनल फ्रेगरेंस बाजार तेजी से विस्तार कर रहा है। कंपनी ने कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज़ की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि यह बाजार 19.5 प्रतिशत की वार्षिक चक्रवृद्धि वृद्धि दर से बढ़ते हुए वर्ष 2028 तक 2.12 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है।

खास बातें

- भारत का पर्सनल फ्रेगरेंस बाजार तेजी से विस्तार कर रहा
- मैसूर दीप ने अगरबत्ती और पूजा उत्पादों से आगे बढ़कर प्रीमियम पर्सनल फ्रेगरेंस बाजार में मौजूदगी दर्ज कराई

वर्ष 2028 तक 2.12 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान

यह कलेक्शन 30 मिलीलीटर की ईडीपी बोतलों में लांच किया गया

नई रेंज में डार्क एलिक्सर वुडी और स्पाइसी नोट्स, नियो ऑरा फ्रूटी और फ्लोरल फ्रेगरेंस, वेलवेट नाइट कॉफी, वनीला और वुडी नोट्स तथा फ्रेंच एक्वा सिट्रस और एक्वाटिक खुशबू के मिश्रण के साथ उपलब्ध है। यह कलेक्शन 30 मिलीलीटर की ईडीपी बोतलों में लॉन्च किया गया है। शुरुआती चरण में इसे प्रमुख ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर 279 रुपए की विशेष ऑनलाइन कीमत पर उपलब्ध कराया गया है। कंपनी इसे चरणबद्ध तरीके से देशभर के रिटेल स्टोर्स में भी उपलब्ध कराएगी। ब्लंट ब्लैक की लांचिंग के साथ मैसूर दीप परफ्यूमरी हाउस ने अगरबत्ती और पूजा उत्पादों से आगे बढ़कर प्रीमियम पर्सनल फ्रेगरेंस बाजार में अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है। कंपनी का लक्ष्य आने वाले समय में विभिन्न फ्रेगरेंस श्रेणियों में अपने पोर्टफोलियो का विस्तार करते हुए इस क्षेत्र में मजबूत पहचान बनाना है।

ब्लंट ब्लैक कंपनी के फ्रेगरेंस पोर्टफोलियो के रणनीतिक विस्तार का प्रतीक

मैसूर दीप परफ्यूमरी हाउस के निदेशक अंकित अग्रवाल ने कहा कि ब्लंट ब्लैक कंपनी के फ्रेगरेंस पोर्टफोलियो के रणनीतिक विस्तार का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि सुगंध निर्माण में दशकों के अनुभव, मजबूत विनिर्माण क्षमता और व्यापक वितरण नेटवर्क के बल पर कंपनी प्रीमियम फ्रेगरेंस श्रेणी में अपनी मजबूत पहचान बनाने का लक्ष्य रखती है।वहीं, कंपनी के निदेशक अंशुल अग्रवाल ने कहा कि आज के उपभोक्ता खुशबू को अपनी पहचान और जीवनशैली का अहम हिस्सा मानते हैं। उन्होंने बताया कि ब्लंट ब्लैक को गहन शोध और आधुनिक फ्रेगरेंस प्रोफाइल के आधार पर विकसित किया गया है, ताकि ग्राहकों को प्रीमियम अनुभव मिल सके।

देशभर में 35 करोड़ तिरंगे की बिक्री और साढ़े 650 करोड़ के कारोबार का अनुमान

हर घर तिरंगा' अभियान व्यापारियों के लिए बनेगा वरदान, तिरंगे की मांग

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाला 'हर घर तिरंगा' अभियान व्यापारियों और छोटे कारोबारियों के लिए बड़ा अवसर साबित होगा। अभियान शुरू होने से मध्यप्रदेश सहित देशभर में तिरंगे की मांग बढ़ने से बाजार में करोड़ों रुपए के कारोबार की उम्मीद जताई जा रही है।

राजधानी भोपाल सहित मध्यप्रदेश में 'हर घर तिरंगा' अभियान 9 से 17 अगस्त 2026 तक जनभागीदारी के साथ आयोजित किया जा रहा है। अभियान के चलते देशभर में करीब 35 करोड़ तिरंगे झंडों की बिक्री का अनुमान है, जिससे लगभग 650 करोड़ रुपए के कारोबार की संभावना है।

तिरंगे और देशभक्ति से जुड़े सामानों की मांग तेज हो गई

प्रचार सामग्री विक्रेता और निर्माता फर्म शीला एड मेकर्स जो राजधानी भोपाल के मालवीय नगर, पत्रकार भवन के सामने पिछले कई दशकों से संचालित है के संचालक अजय अग्रवाल के अनुसार बाजार में सबसे ज्यादा मांग 20×30 इंच और 20×28 इंच आकार के तिरंगों की है। इनकी कीमत थोक और खुदरा बाजार में लगभग 15 रुपए से 100 रुपए तक है। वहीं, खादी और विशेष रूप से तैयार किए गए बड़े झंडों की कीमत 150 रुपए से लेकर 1500 रुपए तक पहुंच रही है। अजय अग्रवाल का कहना है कि स्वतंत्रता दिवस के प्रति लोगों में बढ़ते उत्साह और अभियान की व्यापक पहुंच के कारण इस बार तिरंगे की बिक्री में रिकॉर्ड वृद्धि होने की संभावना है।

स्कूली बच्चों, युवाओं और स्थानीय संगठनों में विशेष उत्साह

अजय अग्रवाल के अनुसार स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त) से पहले 'हर घर तिरंगा' अभियान के चलते अलग-अलग साइज,

तिरंगा टी-शर्ट, टोपी और बैज की बंपर बिक्री शुरू हो चुकी है। तिरंगे के अलावा गांधी टोपी, तिरंगा पटका, कलाई बैंड, मेटल ब्रोच और बैज की भी भारी मांग है। स्कूली बच्चों, युवाओं और स्थानीय संगठनों में विशेष उत्साह है।

कॉम्पलीमेंटी रेट राष्ट्रीय ध्वज सहित तमाम तरह की सामग्री

राष्ट्रीय ध्वज सहित तमाम तरह के बैनर-पोस्टर के अग्रणी विक्रेता और निर्माता 'शीला एड-मेकर्स' के संचालक अजय अग्रवाल के अनुसार इस बार उपभोक्ताओं के लिए एक बेहतरीन ऑफर स्वरूप सौगात की पेशकश की है उन्होंने कॉम्पलीमेंटी रेट तिरंगा उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराने की बात कही। अग्रवाल ने कहा कि मेरी मंशा है कि कार्यालय, स्कूल, सरकारी-अर्धसरकारी संस्थाओं के अलावा राष्ट्रीय ध्वज हर घर और हर हाथ में लहराए। अजय अग्रवाल के अनुसार ईज इन डूइंग और डिजिटल इंडिया की राह पर चलते हुए शीला एड मेकर ऑनलाइन ऑडर प्राप्त कर चुनाव सामग्री की खरीदारी में रूचि दिखाने वाले अपने कस्टूमर को माल की डिलेवरी करने में भी तत्परता दिखा रहा है। संस्था 500 किलो मीटर दूर के ग्राहकों को 24 घंटे के अंदर माल पहुंचाने में भी सक्षम है।

भारतीय व्यापार महोत्सव 2026 छोटे कारोबारियों को देगा नया मंच

कैट मध्यप्रदेश की पदाधिकारियों ने संभाला पदभार

महिलाओं और युवाओं के लिए बढ़ रहे हैं उद्यम के अवसरः कैट

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) मध्यप्रदेश की नई कार्यकारिणी के पदभार ग्रहण समारोह में महिलाओं और युवाओं के लिए उद्यमिता के बढ़ते अवसरों तथा व्यापार को नई ऊंचाइयों तक ले जाने पर जोर दिया गया। इस दौरान भारतीय व्यापार महोत्सव 2026 को देश की अर्थव्यवस्था और स्वदेशी उत्पादों के लिए महत्वपूर्ण मंच बताया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था जिस गति से आगे बढ़ रही है, उससे आने वाले समय में युवाओं और महिलाओं के लिए उद्यम के नए अवसर लगातार बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 के बाद 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' की अवधारणा को गति मिली है, जिससे व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा मिला है। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में व्यापार जगत को और मजबूती मिलेगी।

कैट मध्यप्रदेश के अध्यक्ष भूपेन्द्र जैन ने कहा कि 12 से 15 अगस्त तक नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित होने वाला भारतीय व्यापार महोत्सव 2026 देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि इस आयोजन से भारतीय उत्पादों को बढ़ावा मिलेगा और छोटे एवं लघु व्यापारियों को नए बाजार और व्यावसायिक अवसर प्राप्त होंगे। समारोह में कैट मध्यप्रदेश के पदाधिकारियों ने पदभार ग्रहण किया। सुनील अग्रवाल को चेयरमैन, भूपेन्द्र जैन को अध्यक्ष, गोविंद असाटी को संयुक्त अध्यक्ष, राजकुमार गुप्ता को प्रदेश संगठन महामंत्री, धर्मेन्द्र शर्मा को प्रदेश मीडिया प्रभारी, योगी खंडेलवाल और उमेश तिवारी को प्रदेश महामंत्री बनाया गया। इसके अलावा पवन जैन और राजेश अग्रवाल ने वरिष्ठ उपाध्यक्ष तथा भारत भूषण अग्रवाल ने प्रदेश कार्यालय प्रभारी का दायित्व संभाला। चंद्रप्रकाश शिवहरे, संदीप गोधा और रवि तलरेजा ने प्रदेश उपाध्यक्ष के रूप में पदभार ग्रहण किया। कार्यक्रम में महिला टीम की भी प्रभावी भागीदारी रही। समारोह का संचालन धर्मेन्द्र शर्मा ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन रवि तलरेजा ने किया। इस अवसर पर भोपाल चेंबर ऑफ कॉमर्स के पूर्व अध्यक्ष तेजकुलपाल सिंह पाली, मनोहर डेयरी के मुरली मनोहर, मिलन टेंट एंड केटरिंग के संचालक और समाजसेवी रामबाबू शर्मा, कमल पंजवानी, मोहन शर्मा, रमाकांत तिवारी, रोहित सुगंधीलाल जैन सहित व्यापार जगत से जुड़े बड़ी संख्या में पदाधिकारी, व्यापारी और सामाजिक प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कैट मध्यप्रदेश के सभी पदाधिकारी एक मंच पर

पेट्रोलियम डीलर्स ने कम माप पर 1 लाख रुपए जुर्माने के प्रस्ताव का किया विरोध

'प्रतिनिधिमंडल' खाद्य अपर मुख्य सचिव से मिला, 10 सूत्रीय सुझावों का दिया ज्ञापन

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

पेट्रोल पंपों पर कम माप पाए जाने की स्थिति में प्रस्तावित 1 लाख रुपए तक के जुर्माने और कड़े दंडात्मक प्रावधानों के विरोध में पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन, मध्यप्रदेश का प्रतिनिधिमंडल खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के अपर मुख्य सचिव से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने प्रस्तावित नियमों पर आपत्तियां दर्ज कराते हुए 10 सूत्रीय सुझावों का ज्ञापन सौंपा।

एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय सिंह और महासचिव नकुल शर्मा द्वारा हस्ताक्षरित पत्र और सौपे गए ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि उपभोक्ताओं के हितों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है, लेकिन ईमानदार और निर्दोष डीलरों के अधिकारों का संरक्षण भी उतना ही आवश्यक है। संगठन का कहना है कि बिना तकनीकी जांच और छेड़छाड़ के ठोस प्रमाण के डीलरों पर कठोर कार्रवाई करना न्यायसंगत नहीं होगा। पत्र में बताया गया है कि पेट्रोल पंपों की डिस्पेंसिंग यूनिट का सत्यापन, कैलिब्रेशन और सीलिंग विधिक माप विज्ञान विभाग के अधिकृत अधिकारियों द्वारा की जाती है। सत्यापन प्रक्रिया में तेल कंपनियों के प्रतिनिधि, मशीन निर्माता कंपनी के इंजीनियर और विभागीय अधिकारी शामिल रहते हैं तथा मशीन को सीलबंद कर दिया जाता है। ऐसे में डीलर के पास मशीन के माप में बदलाव करने का अधिकार या तकनीकी नियंत्रण नहीं होता। एसोसिएशन ने कहा कि यदि निरीक्षण के दौरान मशीन की सील सुरक्षित मिले, के-फैक्टर और कैलीब्रेशन काउंट सही पाए जाएं तथा छेड़छाड़ का कोई प्रमाण न हो, तो ऐसे मामलों को तकनीकी या इलेक्ट्रॉनिक खराबी माना जाना चाहिए, न कि धोखाधड़ी। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि सेंसर, पल्सर, तापमान, बिजली आपूर्ति या अन्य तकनीकी कारणों से माप में अंतर आ सकता है। इसलिए हर मामले को जानबूझकर की गई गड़बड़ी मानना उचित नहीं है। संगठन ने सुझाव दिया कि केवल उन्हीं मामलों में कठोर कार्रवाई की जाए, जहां मशीन की सील टूटी हुई मिले या छेड़छाड़ के स्पष्ट प्रमाण मौजूद हों।

ज्ञापन सौपते हुए

दंडात्मक प्रावधान लागू होने से उत्पीड़न और भ्रष्टाचार बढ़ेगा

एसोसिएशन ने सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियां- आईओसीएल, बीपीसीएल और एचपीसीएल की मार्केटिंग डिसिप्लिन गाइडलाइंस (एमडीजी) का हवाला देते हुए कहा कि इन दिशानिर्देशों में भी सील सुरक्षित होने और छेड़छाड़ सिद्ध नहीं होने की स्थिति में तकनीकी त्रुटि को धोखाधड़ी नहीं माना जाता। वर्तमान नियमों के अनुसार 5 लीटर माप में ±25 मिलीलीटर तक का अंतर स्वीकार्य है। संगठन ने आशंका जताई कि अत्यधिक कठोर दंडात्मक प्रावधान लागू होने से मनमानी, उत्पीड़न और भ्रष्टाचार की संभावना बढ़ सकती है। इसलिए किसी भी कार्रवाई से पहले निष्पक्ष जांच, मशीन का पुनः सत्यापन और डीलर को अपना पक्ष रखने का पूरा अवसर दिया जाना चाहिए।

डीलर्स के साथ चर्चा के बाद ही अंतिम निर्णय लिया जाए

पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन ने सरकार से प्रस्तावित नियमों को अंतिम रूप देने से पहले एक उच्चस्तरीय समिति गठित करने की मांग की है। समिति में विधिक माप विज्ञान विभाग, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों, तकनीकी विशेषज्ञों और एसोसिएशन के प्रतिनिधियों को शामिल करने का सुझाव दिया गया है, ताकि सभी तकनीकी और कानूनी पहलुओं पर विचार कर व्यावहारिक नियम बनाए जा सकें। एसोसिएशन ने सरकार से आग्रह किया है कि प्रस्तावित नियमों में आवश्यक संशोधन करते हुए डीलर्स के साथ विस्तृत चर्चा के बाद ही अंतिम निर्णय लिया जाए।

टीवीएस एक्सएल100 बना भरोसेमंद सवारी

नई दिल्ली। भारत के कस्बों और ग्रामीण इलाकों में लाखों लोगों के लिए दोपहिया वाहन केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि आजीविका का अहम हिस्सा हैं। ऐसे ग्राहकों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए टीवीएस एक्सएल 100 लंबे समय से एक भरोसेमंद और किफायती विकल्प के रूप में अपनी पहचान बनाए हुए है। कंपनी के अनुसार, चार दशकों की इंजीनियरिंग विशेषज्ञता और दुनिया भर में 1.75 करोड़ से अधिक ग्राहकों के भरोसे के साथ यह वाहन विभिन्न परिस्थितियों में बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। टीवीएस एक्सएल 100 में 99.7 सीसी का इंजन दिया गया है, जो प्रदर्शन और ईंधन दक्षता के बीच संतुलन प्रदान करता है। इसमें कंपनी की इंटीग्रेटेड स्टार्टर जनरेटर तकनीक दी गई है। इलेक्ट्रिक स्टार्ट और मेंटेनेंस-फ्री बैटरी इसे रोजमर्रा के उपयोग के लिए और अधिक सुविधाजनक बनाती है। कंपनी ने एक्सएल 100 को नए ग्राफिक्स, ऑल-ब्लैक मफलर और ब्लैक-रेड, ब्लैक-ग्रे तथा ब्लैक-ब्लू जैसे डुअल-टोन रंगों के साथ नया प्रीमियम लुक दिया है।

वीआईटी भोपाल यूनिवर्सिटी में नए सत्र की शुरुआत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

वीआईटी भोपाल यूनिवर्सिटी में बी.टेक (सीएसई-कोर) और बीबीए के नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत ओरिएंटेशन कार्यक्रम के साथ हुई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय प्रशासन और उद्योग जगत के विशेषज्ञों ने नए छात्रों का स्वागत करते हुए उन्हें भविष्य की चुनौतियों और अवसरों के लिए तैयार रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम में एलटीआई माइंडट्री के एक्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट एवं चीफ क्रिएटिव ऑफिसर डॉ. सुजय सेन मुख्य अतिथि रहे, जबकि संदीप सिंह सासन विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए।

कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के चांसलर डॉ. जी. विश्वनाथन के नेतृत्व में हुआ। इस दौरान वाइस प्रेसिडेंट डॉ. शंकर विश्वनाथन, असिस्टेंट वाइस प्रेसिडेंट कादंबरी एस विश्वनाथन, ट्रस्टी रमणी बालासुंदरम, वाइस चांसलर प्रो. सतीश कुमार मोढ और प्रो-वाइस चांसलर डॉ. टीबी श्रीधरन भी मौजूद रहे। डॉ. शंकर विश्वनाथन ने छात्रों से कॉलेज जीवन को सीखने, नवाचार और व्यक्तिगत विकास का अवसर मानने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि मजबूत शैक्षणिक आधार, बहुविषयक शिक्षा, अनुसंधान और उद्योग साझेदारियों का लाभ उठाकर छात्र अपने भविष्य को बेहतर बना सकते हैं। मुख्य अतिथि डॉ. सुजय सेन ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तेजी से हर उद्योग को बदल रहा है।

मुथूट माइक्रोफिन का नया कार्यालय खुला

भोपाल। राजधानी भोपाल के दानिश कुंज चौराहा, आशिमा मॉल रोड स्थित मुथूट माइक्रोफिन लिमिटेड के नए कार्यालय का विधिवत शुभारंभ किया गया। उद्घाटन समारोह में कंपनी के वरिष्ठ प्रबंधन अधिकारियों की मौजूदगी रही। इस अवसर पर कंपनी के सीईओ सदफ सैय्यद, सीओओ उदीश उल्लास और सीएचआरओ शुभ्रांशु पटनायक विशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों ने कार्यालय का उद्घाटन कर कर्मचारियों को शुभकामनाएं दीं और कंपनी की आगामी योजनाओं पर चर्चा की।

बिजनेस न्यूज

एलएनसीटी में फार्मेसी छात्रों के लिए कॅरियर पाथवे पर कार्यशाला, विशेषज्ञ ने दिए सफलता के मंत्र

भोपाल। एलएनसीटी यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ फार्मेसी द्वारा बी.फार्मा के जीपीएटी अभ्यर्थियों के लिए व्हाट्स नेक्स्ट एक्सप्लोरिंग कम्प्लीट करियर पाथवे फॉर फार्मासिस्ट्स इन इंडिया एंड अब्रॉड विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में फार्मेसी क्षेत्र में उच्च शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं और देश-विदेश में करियर अवसरों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता पयाम वोहरा, संस्थापक एवं सीईओ, पयाम वोहरा क्लासेस, मुंबई रहे। कार्यशाला के दौरान उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया गया। स्कूल ऑफ फार्मेसी से बी.फार्मा द्वितीय सेमेस्टर के रितेश कुमार, चतुर्थ सेमेस्टर की हिमानी भांगे और षष्ठम सेमेस्टर की रूपाली शुक्ला को सम्मानित किया गया। वहीं, स्कूल ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज से बी.फार्मा द्वितीय सेमेस्टर की अनुष्का सिंह को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर एलएनसीटी यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. एन.के. थपक ने स्वागत उद्बोधन देते हुए विद्यार्थियों को निरंतर सीखने और अपने करियर लक्ष्यों के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया।

आईईएस यूनिवर्सिटी को एसोचैम का राष्ट्रीय सम्मान, कृषि विभाग बना इंस्टीट्यूट ऑफ द ईयर

भोपाल। आईईएस यूनिवर्सिटी को शिक्षा और कौशल विकास के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए एसोचैम नेशनल एजुकेशन लीडरशिप एंड स्किल डेवलपमेंट समिट 2026 में राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया। इस दौरान विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान विभाग को प्रतिष्ठित इंस्टीट्यूट ऑफ द ईयर- एग्रीकल्चर अवॉर्ड से नवाजा गया। यह सम्मान कृषि शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार और सामुदायिक सहभागिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रदान किया गया। पुरस्कार पद्मश्री स्वामी (डॉ.) भरत भूषण, समाजसेवी एवं मोक्षायतन योग इंस्टीट्यूट के संस्थापक, ने आईईएस यूनिवर्सिटी के फाउंडर चांसलर इंजीनियर बीएस यादव को प्रदान किया। समिट के दौरान इंजीनियर बीएस यादव ने इंडस्ट्री-एकेडेमिया सहयोग को मजबूत करने विषय पर आयोजित तकनीकी सत्र में विशेष पैनलिस्ट के रूप में भाग लिया। उन्होंने शिक्षा और उद्योग के बीच बेहतर तालमेल, कौशल विकास और रोजगारोन्मुख शिक्षा पर अपने विचार साझा किए। इस पैनल में ब्रिटिश काउंसिल की असिस्टेंट डायरेक्टर (अकादमिक) कामिनी तनेजा, बीएमएल मुंजाल यूनिवर्सिटी के डीन प्रो. (डॉ.) मणीक कुमार और बेस्ट इनोवेशन यूनिवर्सिटी की कुलपति डॉ. नागज्योति कोरिपेला सहित कई शिक्षा विशेषज्ञ शामिल रहे।

मानसरोवर कॉलेज के विद्यार्थियों ने किया सर्प विष एवं सर्प पहचान का व्यावहारिक अध्ययन

भोपाल। मानसरोवर आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज, हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के अगद तंत्र एवं विधि वैद्यक विभाग द्वारा एनसीआईएसएम पाठ्यक्रम के अंतर्गत सर्प विष एवं सर्पों की पहचान विषय के व्यावहारिक अध्ययन के लिए बी.ए.एम.एस. द्वितीय व्यवसाय के विद्यार्थियों का शैक्षणिक भ्रमण आयोजित किया गया। विद्यार्थियों ने वन विहार राष्ट्रीय उद्यान, भोपाल स्थित सर्प उद्यान का भ्रमण कर विभिन्न प्रकार के सर्पों का प्रत्यक्ष अवलोकन किया और सर्प विष से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अनुराग सिंह राजपूत के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों को सविष एवं निर्विष सर्पों की पहचान, सर्प विष की प्रकृति, विषाक्तता के प्रभाव, सर्पदंश के लक्षण, प्राथमिक उपचार के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। शैक्षणिक भ्रमण का संचालन अगद तंत्र एवं विधि वैद्यक विभागाध्यक्ष डॉ. ज्योति रमेश जोशी, प्रवाचक डॉ. रीतेश कुमार भगत एवं व्याख्याता डॉ. दीपिका सोनी के मार्गदर्शन एवं सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

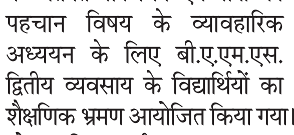

प्रकाश होम्स प्राइवेट लिमिटेड सीपी/12 (एमपी) 2026

सी.आई. एन : U70101MP1996PTC010386 ईमेल आईडी mcs_bhopal@rediffmail-com
संपर्क नंबर: 9827667065 पंजीकृत कार्यालय पता: 44-जोन-2,
एम.पी. नगर, भोपाल, मध्य प्रदेश, भारत, 462011

सुषमा जैन के बनाम रजिस्ट्रार आफ कंपनियाँ, ग्वालियर के संबंध में

कंपनी सीपी/12 (एमपी) 2026 के मामले में कंपनी का नाम पुनर्स्थापित करने के संबंध में, धारा 252(3), कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत।

सूचित किया जाता है कि माननीय राष्ट्रीय कंपनी विधि अधिकरण (National Company Law Tribunal), इंदौर पीठ द्वारा दिनांक 08.07.2026 को सीपी/12 (एमपी) 2026 में पारित आदेश के अनुसार, कंपनी प्रकाश होम्स प्राइवेट लिमिटेड (CIN: U70101MP1996PTC010386), जिसका पंजीकृत कार्यालय 44-जोन-2 एम.पी. नगर, भोपाल, मध्य प्रदेश, भारत, 462011 में स्थित है, का नाम मध्य प्र प्रदेश के रजिस्ट्रार ऑफ कंपनियाँ द्वारा रखे गए कंपनी रजिस्टर में में पुन: दर्ज (बहाल) करने का निर्देश दिया गया है। उक्त कंपनी का गठन 16.01.1996 को हुआ था तथा कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 248 के अंतर्गत इसका नाम कंपनी रजिस्टर से हटा दिया गया था। माननीय न्यायाधिकरण ने प्रकरण के तथ्यों एवं परिस्थितियों पर विचार करते हुए निर्देशित किया है कि कंपनी की स्थिति को "Struck Off" से परिवर्तित कर "Active" किया जाए तथा कंपनी को इस प्रकार माना जाए मानो उसका नाम कभी भी कंपनी रजिस्टर से हटाया ही न गया हो।

कंपनी की बहाली माननीय न्यायाधिकरण के उक्त आदेश में उल्लिखित शर्तों के अनुपालन के अधीन रहेगी, जिसमें लंबित वार्षिक रिटर्न, वित्तीय विवरण एवं अन्य वैधानिक अभिलेखों का दाखिला तथा कंपनी अधिनियम, 2013 के अंतर्गत लागू अन्य अनुपालनों का पालन शामिल है। यह प्रकाशन माननीय राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण, इंदौर पीठद्वारा पारित आदेश दिनांक 08 जुलाई, 2026 के पैरा 32(E) के अनुपालन में प्रकाशित किया जा रहा है।

स्थान: भोपाल, मध्य प्रदेश
दिनांक-05.08.2026

सुषमा जैन निदेशक
DIN: 00150850 याचिकाकर्ता

चिंतन

सरकार युवाओं की आवाज सुने

जब बड़ी संख्या में देश के युवा किसी मुद्दे को लेकर सड़कों पर उतरते हैं तो उनकी हर बात से सहमत होना सरकार के लिए जरूरी नहीं, लेकिन उनकी बात सुनना जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी कि युवाओं की बात सुनना सबसे ताकतवर हथियार है, मौजूदा दौर में सरकारों के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश है। विरोध को केवल कानून-व्यवस्था की समस्या मानकर बल प्रयोग से दबाने के बजाय उसके पीछे के असंतोष को समझना लोकतांत्रिक शासन की पहली कसौटी होनी चाहिए। अगर कुछ भटके हुए युवक पत्थरबाजी जैसे रास्ते पर चले भी जाएं तो उन्हें केवल बल प्रयोग से नहीं, समझाने और काउंसलिंग के जरिए शांत करने के प्रयास किए जाने चाहिए। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों से संयम बरतने की सलाह देते हुए कोर्ट ने सरकार को भी आक्रामक रवैये से बचने को कहा है। यह संदेश इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि विरोध व हिंसा के बीच एक स्पष्ट रेखा है। शांतिपूर्ण प्रदर्शन लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन सार्वजनिक संपत्ति पर हमला, पत्थरबाजी या कानून तोड़ना स्वीकार नहीं किया जा सकता। चुनौती यह है कि राज्य इस फर्क को समझते हुए ऐसी नीति बनाएं, जिसमें कानून का राज भी कायम रहे और युवाओं की नाराजगी को संवाद का रास्ता भी मिले। दमन से तत्काल शांति दिख सकती है, लेकिन संवाद ही स्थायी समाधान की नींव रखता है।

शांतिपूर्ण प्रदर्शन संविधान की भावना के अनुरूप है, लेकिन हिंसा किसी भी परिस्थिति में स्वीकार्य नहीं हो सकती। 20 जुलाई के संसद मार्च में पुलिसकर्मियों और प्रदर्शनकारियों के घायल होने की घटना इसी संतुलन की जरूरत को सामने लाती है। संसद लोकतंत्र का सर्वोच्च संस्थागत मंच है। उसकी सुरक्षा से समझौता नहीं किया जा सकता। यदि किसी प्रदर्शन के दौरान हिंसा होती है, सुरक्षा घेरे को तोड़ने का प्रयास होता है या पुलिस पर हमला किया जाता है तो जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। कानून सबके लिए समान है और आंदोलन की आड़ में हिंसा को वैध नहीं बनाया जा सकता, लेकिन दूसरी तरफ यह भी देखना होगा कि किसी आंदोलन की शुरुआत किन परिस्थितियों में हुई। सरकार यदि पहले ही संवाद का रास्ता खोल दे तो कई बार वह स्थिति पैदा ही नहीं होती जिसमें पुलिस और प्रदर्शनकारियों का आमना-सामना हो। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी का सबसे महत्वपूर्ण संदेश यही है कि राज्य को संयम और संवाद दोनों को अपनी रणनीति का हिस्सा बनाना चाहिए। पुलिस की भूमिका कानून-व्यवस्था बनाए रखने की है, लेकिन बल प्रयोग अंतिम विकल्प होना चाहिए। प्रदर्शनकारियों की भी जिम्मेदारी कम नहीं है। उन्हें शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांगें रखने, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करने और सुरक्षा व्यवस्था का सम्मान करने की जिम्मेदारी निभानी होगी। सरकार को भी दोहरी नीति से बचना होगा। एक ओर हिंसा करने वालों पर कानून के मुताबिक कार्रवाई हो और दूसरी ओर शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के साथ बातचीत का रास्ता खुला रहे। आज जरूरत युवाओं को डराने की नहीं, उन्हें भरोसा देने की है। उनकी बात सुनी जाए, असहमति को लोकतंत्र की स्वाभाविक प्रक्रिया माना जाए और जहां शिकायत जायज हो, वहां समाधान की पहल हो। सरकार अगर युवाओं की आवाज सुनेगी तो उसे सड़कों पर टकराव कम और लोकतंत्र में भरोसा ज्यादा मिलेगा। यही मजबूत लोकतंत्र की पहचान है।

अभियान
राजकुमार सिंह

सख्ती से ही संभव नशामुक्त भारत

> 'नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत' अभियान का स्वागत किया जाना चाहिए, लेकिन नशे जैसी गहरी सामाजिक और आपराधिक समस्या का इलाज केवल जागरूकता से संभव नहीं। युवाओं को खेल, कला और संस्कृति से जोड़कर नशे से दूर रखने की कोशिश जरूरी है, मगर इसके साथ नशे की आपूर्ति करने वाले संगठित तंत्र पर कठोर प्रहार भी उतना ही अनिवार्य है। सीमावर्ती क्षेत्रों से लेकर देश के महानगरों और छोटे कस्बों तक ड्रग्स की उपलब्धता बताती है कि तस्करी का नेटवर्क अभी भी मजबूत है। इसलिए नशामुक्ति का संकल्प तभी सफल होगा, जब सरकार जागरूकता के साथ तस्करों, भ्रष्ट संरक्षण तंत्र और नशे के कारोबार की पूरी शृंखला पर निर्णायक कार्रवाई करे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत' संकल्प अभियान का स्वागत किया जाना चाहिए, पर तेजी से नासूर बनती जा रही इस समस्या का समाधान मात्र संदेश नहीं, सख्ती से ही संभव होगा। इस अभियान के अंतर्गत 100 सप्ताह तक हर रविवार को खेल, कला और संस्कृति आदि गतिविधियों के माध्यम से देश भर में युवाओं को नशा मुक्ति का संदेश दिया जाएगा। स्कूल, कॉलेज, यूनिवर्सिटी, सामाजिक संस्थाओं और औद्योगिक संगठनों के अलावा 100 से भी ज्यादा आध्यात्मिक संगठनों के सहयोग से यह अभियान चलाया जायेगा। जागरूकता की दृष्टि से यह निश्चय ही एक बड़ा अभियान होगा। तेजी से युवाओं को अपनी गिरफ्त में ले रही नशे की लत के विरुद्ध जागरूकता अभियान की जरूरत से इनकार नहीं किया जा सकता, पर स्वयं प्रधानमंत्री ने भी कहा है कि भारत में ड्रग्स की सप्लाई दुश्मन देशों की आतंकी साजिश का हिस्सा है। ऐसे में 100 रविवार जागरूकता अभियान मात्र चला कर नशामुक्त भारत का सपना आशावाद का ज्यादा नजर आता है। बेशक नशे की समस्या भारत में हाल-फिलहाल पैदा नहीं हुई। कभी पूर्वोत्तर से शुरू यह लत सीमावर्ती पंजाब और पड़ोसी हरियाणा तक पहुंच चुकी है। इससे अछूता रहने का दावा तो शायद ही कोई राज्य कर पाये, क्योंकि गुजरात के बंदरगाहों तक पर बड़ी-बड़ी खेप जब्त हुई हैं।

प्रधानमंत्री का दावा है कि ड्रग्स तस्करी के विरुद्ध कार्रवाई पहले की तुलना में कई गुणा बढ़ी है, लेकिन तरह-तरह के ड्रग्स की देश के दूरदराज क्षेत्रों में भी सहज उपलब्धता सरकारी कार्रवाई को नाकाफी ही साबित करती है। यह तो खुला रहस्य है कि तमाम तरह का नशा सीमा पार से तस्करी हो कर ही भारत आता है। भारत की भौगोलिक स्थिति के मद्देनजर यह काम दशकों से चल रहा है। सच यह भी है कि ड्रग्स तस्करी अब आतंकवादियों की फंडिंग का भी बड़ा स्रोत बन चुकी है। नापाक पड़ोसी पाकिस्तान हमारे देश में नशा तस्करी का एकमात्र स्रोत तो नहीं है, लेकिन शायद सबसे बड़ा स्रोत वही है। दरअसल विभाजन के जरिये अस्तित्व में आने के बाद से ही पाकिस्तान ने भारत के विरुद्ध बहुआयामी छद्म युद्ध छेड़ रखा है। कश्मीर से पंजाब तक पाकिस्तान न सिर्फ आतंकवाद का पालन-पोषण कर रहा है, बल्कि उसके लिए धन भी नशा तस्करी और जाली करंसी के जरिये भारत से ही जुटा रहा है। कहना नहीं होगा कि नशा तस्करी जहां भारतीय युवाओं को शारीरिक और मानसिक रूप से बीमार बना रही है, वहीं जाली करंसी अर्थव्यवस्था को खोखला कर रही है। बेशक भारत इस सबसे अनभिज्ञ नहीं है और हरसंभव कदम भी उठा रहा है, लेकिन पाकिस्तानी दुष्चक्र को पूरी तरह तोड़ा नहीं जा सका है। सीमावर्ती पंजाब में युवाओं को नशे ने इस कदर खोखला कर दिया है कि उस पर 'उड़ता पंजाब' फिल्म भी बन चुकी है। पिछले कई चुनाव से पंजाब में नशा बड़ा चुनावी मुद्दा रहा है और पुलिस से ले कर राजनेताओं तक पर तस्करी में संलिप्तता के आरोप भी

लगते रहे हैं, पर उससे मुक्ति का वायदा अभी तक कोई भी सरकार वफा नहीं कर पाई है। युवा किसी भी देश का भविष्य होते हैं। फिर भारत तो है ही युवा आबादी बहुल देश। ऐसे में युवाओं के नशे के दलदल में फंसने का दुष्प्रभाव देश के वर्तमान ही नहीं, भविष्य पर भी दूरगामी होगा। तमाम तरह के नशे जिस तेजी से भारतीय युवाओं को अपनी गिरफ्त में ले रहे हैं, उसके आंकड़े डरावने हैं, पर उस पर अपेक्षित चिंता सरकारों और उनकी एजेंसियों में नजर आती नहीं। भारत का संविधान 'मद्य निषेध' की सोच रखता है, पर देश में 15 करोड़ से भी ज्यादा लोग शराब पीते हैं, जिसकी जायज बिक्री के एवज में सरकारें मोटा राजस्व वसूलती हैं और शराब की बोतल एवं दुकानों पर चेतावनी लिखवा कर अपने कर्तव्य की इतिश्री समझ लेती हैं। देश में लगभग तीन करोड़ लोग गांजे का सेवन करते हैं, जबकि दो करोड़ के आसपास हेरोइन आदि ड्रग्स का नशा करते हैं। आंकड़े तब और भी डरावने हो जाते हैं, जब पता चले कि इन नशाखोरों में किशोर और युवा भी बड़ी संख्या में शामिल हैं। जाहिर है, नशा तस्करी जहां कानूनी चुनौती है, वहीं नशाखोरी एक बड़ी सामाजिक समस्या बन गयी है, जिससे परिवार तबाह हो रहे हैं। इस समस्या से लड़ने और उबरने में मदद के लंबे-चौड़े दावे भी किये जाते हैं, लेकिन कड़वा सच यह है कि नशे की लत के शिकार 80-90 प्रतिशत लोगों को तो इलाज ही नहीं मिल पाता। ज्यादातर नशा मुक्ति केंद्र भी यातना केंद्र बन गए हैं। भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं आधिकारिता मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक ही लगभग पौने छह करोड़ लोग शराब पीने से होनेवाली समस्याओं से जूझ रहे हैं। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2020 में भारत में प्रति व्यक्ति शराब की खपत 3.1 लीटर थी, जो 2023 में 3.2 लीटर हो गई और 2028 में 3.4 लीटर हो जाने की संभावना है। भारत में 60 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया शराब का बाजार बताता है कि कारोबारी मोटा मुनाफा कमा रहे हैं और सरकारें भरपूर राजस्व वसूल रही हैं। अन्य ड्रग्स का कारोबार गैर कानूनी है, इसलिए उसकी बाबत ऐसे ठोस आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन सभी जानते हैं कि चोरी छिपे बिकनेवाली चीज मुंह मांगी कीमत पर ही मिलती है और उसके कारोबार से होनेवाला मुनाफा भी अकूत होता है। तभी तो लोग ऐसे जोखिमभरे कारोबार में दांव लगाते हैं और पुलिस-प्रशासन से ले कर खरीददारों तक अपना नेटवर्क बनाते हैं। ऐसे में नशाखोरी का मर्ज तेजी से नासूर ही बनता जा रहा है। वैसे तो इलाज की कोई ईमानदार कोशिश नजर आती नहीं, फिर भी सरकारी दावों पर भरोसा करें तो कहना पड़ेगा: 'मर्ज बढ़ता गया ज्यों-ज्यों दवा की', पर अब तो मर्ज इलाज की हद से गुजर चुका है। अब इसकी शल्य चिकित्सा ही हो सकती है, जिसके लिए सबसे पहले व्यवस्था की शल्य चिकित्सा करनी होगी, क्योंकि बिना व्यवस्था के संरक्षण के ड्रग्स तस्करी सरीखा संगठित आपराधिक कारोबार भारत में फल-फूल ही नहीं सकता था। पूर्वोत्तर से ले कर पंजाब तक राजनेताओं और पुलिस-प्रशासन की संलिप्तता की चर्चाएं आम रही हैं, लेकिन इन खास लोगों की लगाम कसने का साहस अभी तक तो किसी ने नहीं दिखाया। अगर प्रधानमंत्री मोदी नशे के विरुद्ध जागरूकता अभियान चलाने के साथ ही भ्रष्ट व्यवस्था की शल्य चिकित्सा भी कर पाये, तो अवश्य नशा मुक्त भारत का सपना साकार हो सकता है। कोई भी देश अपने नागरिकों से ही विकसित बनता है। जब देश के नागरिक स्वस्थ्य, सभ्य तथा सामाजिक –आर्थिक रूप से खुशहाल होंगे, तभी सही मायने में विकसित भारत का सपना साकार हो पाएगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं राजनीतिक विश्लेषक हैं)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

दिवस विशेष
डॉ.रमेश ठाकुर

'हिरोशिमा त्रासदी' की विभीषिका का दर्द

मानव इतिहास में '6 अगस्त 1945' की मनहूस तारीख को शायद ही कोई भूल पाए। 'हिरोशिमा दिवस' के रूप में मनाई जाती है ये तारीख। इस तारीख में सिर्फ तबाही लिखी थी। तारीख में ऐसा मुकर्रर वक्त था, जिसने मात्र 16 मिनट के भीतर 1,30,000 लोगों की सांसें एक साथ रोकी थी। हताहतों का आकंड़ा फिलहाल सरकारी है, पर वास्तिवक संख्या इससे कहीं अधिक बताई जाती है। हिरोशिमा पर किए परमाणु हमले में मरने वालों में बूढ़े, बच्चे, नौजवान, औरतें भी थीं। सुबह करीब 8:15 बजे अमेरिका ने हिरोशिमा पर अपने 'बी-29 'एनाला गे' विमान द्वारा आसमान से परिमाणु बमों की बारिश करके पूरा शहर जिंदा जला दिया था। घटना के वक्त ज्यादातर लोग सोए हुए थे, परमाणु बम ने उन्हें सोता ही मार दिया। हिरोशिमा में जब परमाणु बम फोड़ा गया, तो जापानियों को लगा कि सूरज फटा है। जबकि, वह सूरज नहीं, बल्कि तथाकथित विकसित, सभ्य और मुट्ठी भर लोगों का निर्णय तथा एक महाशक्ति द्वारा निर्मित कृत्रिम सूरज था, जिसकी आग में लाखों निर्दोष लोग भाप बनकर चंद मिनटों में उड़ गए। घटना का सामूहिक हत्यारा अमेरिका था। अगस्त माह की जब 6 तारीख आती है या फिर परमाणु हथियारों की बढ़ती तादात पर वैश्विक मंचों पर विमर्श होता है, तो जापान की दिल दहला देने वाली यह घटना आंखों के सामने अनायास उमड़ पड़ती हैं। घटना को श्रद्धांजलि के तौर पर ही सालाना 6 अगस्त को 'हिरोशिमा दिवस' के रूप में विश्व मनाता है। यह दिन उन मुल्कों को संकल्पित होने को आहवान भी करवाता है, जो परमाणु बम फोड़ने की अनावश्यक धमकी दिया करते हैं। साथ ही अहिंसा, त्रासदी, को छोड़कर भाईचारा अपनाने और शांति के पथ पर चलने को जागरूश्क भी करता है। 1945 में अमेरिका द्वारा जापान के दो शहरों पर गिराए गए अलग-अलग तारीखों पर परमाणु बम की यह कहानी काले अध्याय के रूप में तबतक दर्ज रहेगी, जबतक दुनिया इस धरती पर वास करेगी। 6 अगस्त को गिराए पहले बम का नाम 'एनाला गे' था। वहीं, 9 अगस्त वाले बम का नाम 'लिटिल बॉय' यानी यूरेनियम-आधारित परमाणु बम था। जापान का जब तक अस्तित्व रहेगा, उनके लोग अमेरिका को माफ नहीं करेंगे। पाकिस्तान, अमरिका जैसे मुल्क आज भी परमाणु बमों को फोड़ने की धमकी देते हैं। इसलिए हिरोशिमा दिवस उनके लिए चेतावनी के अलावा सीख जैसा भी है। हिरोशिमा की घटना को आज 81 वर्ष हो गए, लेकिन दुर्भाग्य संसार आज भी युद्ध-हिंसा में संलग्न है। यूं कहें कि परमाणु हथियारों के ढेर पर बैठा है। हाल में, अमेरिका द्वारा ईराक पर परमाणु हमले की धमकी देना, दुनिया भर में बढ़ती हिंसा की घटनाएं और हथियारों को इकट्ठा करने की होड़ के बीच हमारे सामने यह प्रश्न खड़ा होता है कि हम हिरोशिमा और नागासाकी की घटनाओं से क्या कुछ सबक सीख पाए या नहीं? 81 साल पहले 2,50,000 हजार लोगों को मारकर भी अमेरिका को शांति नहीं मिली? अमेरिका की दादागिरी को जवाब देने का वक्त आ चुका है इसके लिए वैश्विक स्तर पर सभी मुल्कों को एकजुट होना होगा। साथ ही परमाणु हथियारों के निर्माणों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाए जाने की दिशा में सभी देशों को सामूहिक पहल करने की जरूरत है। गौरतलब है कि हिरोशिमा त्रासदी की ये तारीख निरस्त्रीकरण और आदर्शवादी की वह अवधारणा है जो पूरी तरीके से हथियारों की समाप्ति का समर्थन करती है। हालांकि, निरस्त्रीकरण या शस्त्र नियंत्रण कोई नई घटना नहीं है। इसको सर्वव्यापी मान्यता भले ही द्वितीय विश्व युद्ध के बाद मिली हो। पर, इसका मौजूदा वक्त में नियंत्रण खुराफाती मुल्कों ने खत्म कर दिया है। जबकि, 19वीं शताब्दी में राष्ट्रों के मध्य निरस्त्रीकरण के लिए बकायदा समझौते भी हुए थे। हथियारों की मात्रा को घटाने में बहुत कुछ करने की जरूरत है। एकाध देश कुछ नहीं कर सकते। सभी को आगे आना होगा। भारत ने संयुक्त राष्ट्र संघ के नियमों का कभी भी उल्लंघन नहीं किया। पोखरण परमाणु परीक्षण के बाद कभी कोई प्रयोग नहीं किया। भारत सदैव इस बात का पक्षधर रहा है कि परमाणु हथियारों का बेजा इस्तेमाल कभी ना किया जाए। इस मसले पर 26 जनवरी 1946 को संयुक्त राष्ट्र ने अणु ऊर्जा आयोग की स्थापना की। उसके एक साल बाद फरवरी 1947 को संयुक्त राष्ट्र महासभा में सुरक्षा परिषद द्वारा परंपरागत हथियार आयोग की स्थापना भी की गई। सन 1952 में महासभा ने उपर्युक्त दोनों आयोगों को संयुक्त करके निरस्त्रीकरण आयोग के नाम से एक नया आयोग भी बनाया। आयोग को परंपरागत और परमाणु दोनों प्रकार के हथियारों के नियमन के संदर्भ में संधि के प्रारूप तैयार करने का दायित्व सौंपा गया। इतना सब कुछ होने के बाद भी मकसद सफल नहीं हुआ।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

गलतियों को खुले मन से स्वीकार करें

संकलित
दर्शन

कार्य संपन्न होने की प्रक्रिया में कदाचित त्रुटियां रह सकती हैं, भले ही कार्य निष्ठा से किया जाए। अगर कोई आपके किए-कराए में चूक निकाले, उस पर टिप्पणी करे तो नाराज होने के बजाय उसे खुलेमन से स्वीकार करें। वैसे आप गलतियां करने से तभी बच पाएंगे, जब कुछ नहीं करेंगे। अपने अवगुण या खोट को स्वीकार करना श्रेष्ठ मानवीय गुण है। औसत सोच का व्यक्ति ऐसा करने में असमर्थ होता है। अवांछनीय या अनुचित कार्य की अनदेखी का अर्थ है संशोधन के द्वार बंद कर देना। सर्वगुणसंपन्न व्यक्ति तो साक्षात देवता है। भूल-चूक की स्वीकारोक्ति प्रगति की राह में पहला चरण है। इस प्रक्रिया में आप अनेक व्यक्तियों का विश्वास जीतते हैं। जिस सत्य का सामना करने के लिए तैयार नहीं, उसे बदलेंगे कैसे? जिसे अपनी अपूर्णताओं का आभास नहीं वह मूर्ख नहीं, बल्कि दयनीय है, क्योंकि ऐसा व्यक्ति अपने अवगुणों को दूर नहीं कर सकेगा। जिस सीमा तक हम अपनी अपूर्णताओं और अवांछनीय व्यवहार के प्रति सजग रहेंगे और समाधान की ओर अग्रसर रहेंगे, उसी अनुपात में हम नैतिक रूप से समृद्ध होंगे। व्यावहारिक जीवन में संयमी, संयत व्यक्ति से भी भूल-चूक हो जाती है। उन्नत सोच का व्यक्ति अपनी भूल को तुरंत स्वीकार कर लेगा। मध्यम सोच वाले को गलती का अहसास तो होगा, वह मन में कुढ़ेगा भी, किंतु लज्जित होने की आशंका से वह गलती को खुलेआम नहीं मानेगा। अपनी छवि के प्रति अत्यंत चौकस अधिसंख्य व्यक्ति अपने गलत कार्य या कथन की वैसी संरक्षा करेंगे जैसे सद्गुण या शील दांव पर हो।

जीवन में गुरु की आवश्यकता क्यों?

संकलित
प्रेरणा

एक गाय घास चरने के लिए एक जंगल में चली गई। शाम ढलने के करीब थी। उसने देखा कि एक बाघ उसकी तरफ दबे पांव बढ़ रहा है। वह डर के मारे इधर-उधर भागने लगी। दौड़ते हुए गाय को सामने एक तालाब दिखाई दिया। घबराई हुई गाय उस तालाब के अंदर घुस गई। वह बाघ भी उसका पीछा करते हुए तालाब के अंदर घुस गया। उसमें पानी कम था और वह कीचड़ से भरा हुआ था। उन दोनों के बीच की दूरी काफी कम हुई थी। लेकिन अब वह कुछ नहीं कर पा रहे थे। वह गाय उस कीचड़ के अंदर धीरे-धीरे धंसने लगी। बाघ भीधीरे-धीरे कीचड़ के अंदर धंसने लगा। दोनों भी करीब करीब गले तक उस कीचड़ के अंदर फस गए। दोनों हिल भी नहीं पा रहे थे। गाय के करीब होने के बावजूद वह बाघ उसे पकड़ नहीं पा रहा था। थोड़ी देर बाद गाय ने उस बाघ से पूछा, क्या तुम्हारा कोई गुरु या मालिक है? बाघ ने गुर्राते हुए कहा, मैं तो जंगल का राजा हूं। मेरा कोई मालिक नहीं। मैं खुद ही जंगल का मालिक हूं। गाय ने कहा, लेकिन तुम्हारे उस शक्ति का यहां पर क्या उपयोग है? उस बाघ ने कहा, तुम भी तो फस गई हो और मरने के करीब हो। तुम्हारी भी तो हालत मेरे जैसी है। गाय ने मुस्कुराते हुए कहा, बिलकुल नहीं। मेरा मालिक जब शाम को घर आएगा और मुझे वहां पर नहीं पाएगा तो वह ढूंढते हुए यहां जरूर आएगा और मुझे इस कीचड़ से निकाल कर अपने घर ले जाएगा। तुम्हें कौन ले जाएगा? थोड़ी ही देर में सच में ही एक आदमी वहां पर आया और गाय को कीचड़ से निकालकर अपने घर ले गया।

सटाका

आज की पाती

सरकारी धन का उचित प्रयोग करें सरकारें

देश में बहुत से राज्यों के लोग मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं, जैसे कि कहीं सरकारी स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं हैं अर्थात सरकारी अस्पतालों में मरीजों के लिए इलाज की सुविधाएं नहीं, कहीं स्ट्रीट लाइट, कहीं सफाई व्यवस्था, कहीं पीने वाले पानी की समस्या, कहीं टूटी सड़के, लेकिन इनमें से कुछ राज्य बेवजह ही सरकारी पैसे को मुफ्त में लोगों को बांट रहे हैं। अगर इस सरकारी पैसे को ज्यादा से ज्यादा आम लोगों को मूलभूत सुविधाओं को उपलब्ध कराने के लिए खर्च किया जाए तो लोगों को सुविधाएं मिलेंगी, जो लोगों की साफ-सफाई, गरीबों को बीमारियों और अन्य बहुत सी समस्याओं को हल करेंगी। इसी तरह बुजुर्गों के लिए बुढ़ापा पेंशन कम से कम 5000 रुपये प्रति माह होनी चाहिए। *- विजय शार्मा, रोहतक*

ट्रेंड

व्यापक बदलाव

सात वर्ष पहले आज ही के दिन अनुच्छेद 370 और 35ए इतिहास बन गए, जिससे जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के विकास की नई शुरुआत हुई। दोनों क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे, कनेक्टिविटी व लोगों के जीवन में व्यापक बदलाव देखने को मिला। **-नरेंद्र मोदी,** पीएम

शीर्ष कोर्ट में 38 जज होंगे

न्यायपालिका के बढ़ते कार्यभार, संवैधानिक एवं कानूनी व्याख्या के उभरते नए सवालों को ध्यान में रखकर उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाना समय की मांग है। अब शीर्ष अदालत में प्रधान न्यायायाधीश को मिलाकर कुल 38 न्यायाधीश हो जाएंगे। **-अर्जुन राम मेघवाल,** केंद्रीय मंत्री

गृहमंत्री जिम्मेदार

छात्रों के खिलाफ हुई हिंसा के लिए भारत के गृह मंत्री जिम्मेदार हैं। उनमें न तो संसद में आकर इस मुद्दे पर बोलने का शिष्टाचार है और न ही यह बताने का साहस कि आखिर क्या हुआ। मुझे युवाओं और उन नौजवानों पर गर्व है, जिन्होंने संविधान, भारत की अवधारणा व देश के भविष्य की रक्षा के लिए आवाज उठाई। **-राहुल गांधी,** नेता विपक्ष

बुनियादी ढांचे का निर्माण

जेन-जेड को यह जानना चाहिए। महज 12 वर्षों में भाजपा-नीत सरकार ने भारत के आधुनिक बुनियादी ढांचे का 60-70 प्रतिशत से अधिक निर्माण किया है। शेष 30-40 प्रतिशत का निर्माण कांग्रेस-नीत सरकारों के करीब 60 वर्षों के शासन के दौरान हुआ। **-पेमा खांडू,** मुख्यमंत्री अरुणाचल प्रदेश

करंट अफेयर

मैसाचुसेट्स ने 15 अगस्त को 'इंडिया डे' किया घोषित

मैसाचुसेट्स की गवर्नर मॉरा हेली ने राज्य के विकास में भारतीय समुदाय के योगदान को मान्यता देते हुए 15 अगस्त को 'इंडिया डे' घोषित किया है और राज्य के निवासियों से इस अवसर के आयोजन में उत्साहपूर्वक भाग लेने का आह्वान किया। एक अगस्त को जारी सरकारी आदेश में गवर्नर ने यह भी कहा कि सामुदायिक संगठनों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने अपने वार्षिक स्वतंत्रता दिवस समारोहों तथा सामुदायिक सेवा गतिविधियों के माध्यम से नागरिक भागीदारी, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और आपसी समझ को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसी तरह की घोषणा बोस्टन की मेयर मिशेल वू ने भी की है। उन्होंने भी 15 अगस्त को 'इंडिया डे' घोषित किया है। उन्होंने बोस्टन में भारतीय वाणिज्य दूतावास के नए कार्यालय के उद्घाटन का स्वागत किया और 'सेलबोस्टन-250' कार्यक्रम में भारतीय नौसैनिक पोत आईएनएस सुदर्शिनी के आगमन पर भी प्रसन्नता व्यक्त की। मैसाचुसेट्स की गवर्नर द्वारा जारी सरकारी आदेश में कहा गया है कि 15 अगस्त 2026 को भारत की ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन से 1947 में मिली आजादी की 79वीं वर्षगांठ होगी।

ऑफ बीट

जानें कुछ ब्लैक होल दूसरों से बड़े क्यों?

ब्लैक होल घने खगोलीय पिंड होते हैं, जिनका गुरुत्वाकर्षण इतना मजबूत होता है कि कुछ भी खुद में समेट लेते हैं, यहां तक कि प्रकाश भी, इससे बच नहीं सकता है। जो कुछ भी ब्लैक होल के गुरुत्वाकर्षण प्रभाव की सीमा को पार करेगा, वह ब्लैक होल में गिर जाएगा। इस गहरे, घने गड्ढे के अंदर, इसे फिर कभी नहीं देखा जा सकेगा। ब्लैक होल ब्रह्मांड में यहां-वहां फैले रहते हैं। हमारी आकाशगंगा जैसी आकाशगंगाओं में कुछ छोटे ब्लैक होल बेतरतीब ढंग से बिखरे हुए हैं। अन्य विशाल ब्लैक होल, जिन्हें 'सुपरमैसिव' ब्लैक होल कहा जाता है, आकाशगंगाओं के केंद्र में स्थित हैं। इनका वजन हमारे सूर्य के द्रव्यमान से दस लाख से एक अरब गुना तक हो सकता है। तो आप सोच रहे होंगे: खगोलशास्त्री संभवत: इतनी अंधेरी और इतनी बड़ी चीज़ कैसे देख सकते हैं? मैं एक खगोलशास्त्री हूं जो हमारे ब्रह्मांड में बने पहले सुपरमैसिव ब्लैक होल का अध्ययन करता है। मैं यह समझना चाहता हूं कि ब्लैक होल कैसे बनते हैं और वे किस प्रकार के खगोलीय माहौल में विकसित होते हैं। दो प्रसिद्ध वैज्ञानिकों, अल्बर्ट आइंस्टीन और कार्ल श्वार्ज़चाइल्ड ने सबसे पहले ब्लैक होल का विचार प्रस्तुत किया था।

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय
पीबी-2, चतुर्थ तल, मानसरोवर कॉम्पलैक्स, वार्ड नं. 50, शिवाजी नगर, निकट रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, होशंगाबाद रोड, भोपाल, (म.प्र.) 462016
aapkepatra.haribhoomi@gmail.com
पर भेज सकते हैं।

विपक्ष ने शाह की गैरमौजूदगी पर उठाए सवाल खरगे ने कहा

चर्चा से क्यों भाग रहे, प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री! संसद में आकर बयान दें, हम चर्चा के लिए तैयार, इससे ही समाधान का रास्ता निकलेगा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि गृह मंत्री अमित शाह संसद नहीं आ रहे हैं, क्योंकि वह छात्रों के खिलाफ हुई बर्बरता के दोषी हैं। राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा, देश के गृह मंत्री मुंह छुपा रहे हैं क्योंकि वो छात्रों के गुनहगार हैं। इस दौरान उनके हाथ में कथित तौर पर पैलेट गन से घायल हुए एक शख्स की तस्वीर है।विपक्ष लगातार सीजेपी के 'संसद चलो' मार्च के दौरान दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों के खिलाफ दिल्ली पुलिस की कथित कार्रवाई का मुद्दा उठा रहा है।

हंगामा की भेंट चढ़ी संसद की कार्यवाही

अन्य नेताओं से सीख लें राहुल : सिंह

राहुल गांधी के बयान पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि राहुल गांधी दूसरों पर ज्ञान ना बांटे। राहुल गांधी जैसा दुर्भाग्यपूर्ण विपक्ष का नेता भगवान ना करें कभी हो, इस देश ने महान विपक्ष के नेता देखें हैं मैं कहूंगा कि उनसे कुछ शिक्षा लें।

प्रश्नकाल में रुकावट डाल रहा विपक्ष

भाजपा के प्रवक्ता सस्मित पात्रा ने पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि सत्र पर करोड़ों खर्च होने के बावजूद, प्रश्नकाल और शून्यकाल में रुकावट डाली जा रही है, जिससे सांसदों को अपने चुनाव क्षेत्र से जुड़े मुद्दे उठाने का मौका नहीं मिल पा रहा है।

संसद में हंगामा सभापति बोले | वेल में आने और प्लेकार्ड दिखाने पर होगी कार्रवाई

राज्यसभा व लोकसभा दोनों ही सदनों में बुधवार को भी हंगामा जारी रहा। सदन की कार्यवाही प्रारंभ होने के कुछ ही देर बाद सदन में हंगामा शुरू हो गया। लोकसभा में विपक्षी सांसदों की नारेबाजी को देखते हुए कार्यवाही शुरू होने के कुछ देर बाद ही सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी गई। राज्यसभा में हंगामे व नारेबाजी के बीच कुछ देर के लिए सदन की कार्यवाही संचालित रही, कुछ ही देर बाद स्थगित कर दिया गया। सभापति सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि मैं सभी सदस्यों से आग्रह करता हूं कि वे सहयोग करें। सदन के वेल में कभी न आएं। तख्तियां कभी न दिखाएं। यदि कोई पालन नहीं करता है, तो कार्रवाई होगी।

सदन में होती रही नारेबाजी

सभापति के इस निर्देश के बावजूद सदन में लगातार नारेबाजी होती रही। राज्यसभा में दिन की शुरुआती कार्यवाही शुरू होने पर भी सदन में गतिरोध दिखाई दिया। सबसे पहले राज्यसभा की कार्यवाही की शुरुआत में विभिन्न मंत्रालयों से संबंधित आवश्यक विधायी दस्तावेज सदन के पटल पर रखे गए। हंगामा बढ़ गया और शून्यकाल की कार्यवाही पूरी नहीं हो सकी। विपक्षी सांसद अपनी सीटों से उठकर आगे गए और नारेबाजी करने लगे। इस पर राधाकृष्णन ने सभी सदस्यों को अपनी सीटों पर वापस जाने के लिए कहा, लेकिन नारेबाजी जारी रही। विपक्षी प्लेकार्ड लिए रहे।

खबर संक्षेप

दिग्गज अभिनेता प्रदीप पंचतत्व में विलीन

मुंबई। गजनी' और 'लगान' जैसी फिल्मों में बेहतरीन अदाकारी के लिए मशहूर दिग्गज अभिनेता प्रदीप रावत का 74 वर्ष की उम्र में मंगलवार को निधन हो गया था। बुधवा को उनके बेटे विक्रम रावत ने नम आंखों से उन्हें मुखाग्नि दी।आमिर खान और रजा मुराद समेत कई हस्तियां अंतिम यात्रा में शामिल हुईं।

एनएचआरसी ने दिल्ली पीसी को किया तलब

नई दिल्ली। इंस्टाग्राम पर बच्चों के यौन शोषण से जुड़े विज्ञापनों के मामले में लापरवाही पर एनएचआरसी ने दिल्ली पुलिस कमिश्नर को तलब किया है। उन्हें 7 सितंबर को पेश होने को कहा है। यह मामला बीबीसी वर्ल्ड सर्विस की एक रिपोर्ट से जुड़ा है। इंस्टाग्राम पर गलत एड दिखाए जा रहे थे।

कक्षा-1 की किताब में फिर छपी बड़ी गलती

भुवनेश्वर। ओडिशा में नई स्कूली किताबों में गलतियों का मामला थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब कक्षा-1 की एक और नई किताब में कई गंभीर गलतियां सामने आई हैं। यह गलती 'झूलना-1' नाम की किताब में मिली है। इन नई गलतियों के सामने आने के बाद शिक्षक और पालकों में चिंता है।

अभिषेक को विदेश जाने की अनुमति नहीं मिली

कोलकाता। कलकत्ता हाईकोर्ट ने बुधवार को टीएमसी राष्ट्रीय महासचिव और डायमंड हार्बर से सांसद अभिषेक बेनर्जी को आंख के इलाज के लिए विदेश जाने की अनुमति देने से इनकार कर दिया। अदालत ने याचिका खारिज कर दी।न्यायमूर्ति सौगत भट्टाचार्य ने आदेश दिया।

विपक्षी सांसदों ने संसद के मकर द्वार पर किया प्रदर्शन

राहुल ने केंद्र सरकार पर साधा निशाना

जंतर मंतर में छात्रों ने हिंसा नहीं की प्रदर्शनकारियों के घर गुंडे भेजे गए

छात्रों के खिलाफ दिल्ली पुलिस की कथित कार्रवाई और चढ़ावा चोरी का मुद्दा उठाया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने छात्र आंदोलन को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग करने वाले छात्रों के साथ मारपीट की गई, उन्हें धमकाया गया और उनके घरों तक लोगों को भेजा गया। राहुल ने कहा कि छात्रों ने कोई हिंसा नहीं की, बल्कि वे बेहतर शिक्षा व्यवस्था और परीक्षा पेपर लीक रोकने की मांग कर रहे थे।उन्होंने छात्र आंदोलन में शामिल कई युवाओं से खुलकर बातचीत की। छात्रों ने उन्हें बताया कि प्रदर्शन के दौरान उनके साथ मारपीट की गई और उन्हें डराया-धमकाया गया। राहुल ने कहा कि खराब होती शिक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाना कोई अपराध नहीं है। अगर छात्र व्यवस्था में बदलाव चाहते हैं तो उन्हें अपनी बात रखने का पूरा अधिकार है। उन्होंने कहा कि देश को ऐसी शिक्षा व्यवस्था चाहिए जो युवाओं का भविष्य सुरक्षित करे और परीक्षा पेपर लीक जैसी घटनाएं बंद हों। उन्होंने 20 जुलाई को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों के खिलाफ दिल्ली पुलिस की कथित कार्रवाई और बिहार में छात्र आंदोलन के दौरान कथित रूप से एके-47 के इस्तेमाल के मुद्दे पर गृह मंत्री अमित शाह से जवाब मांगा। राहुल , प्रियंका गांधी वाड्रा और अन्य विपक्षी सांसदों ने संसद परिसर में प्रेरणा स्थल स्थित गांधी प्रतिमा से मकर द्वार तक मार्च निकाला।

धमकाने की भी बात कही

अन्य मुद्दों को भी उठाया

रिया ने बताया- उन्हें परेशान किया जा रहा

प्रेस वार्ता में छात्र आंदोलन से जुड़े कुछ युवा भी मौजूद थे। रिया अहीर ने कहा कि वह वही लड़की हैं, जो मुंबई पुलिस की गाड़ी के सामने खड़ी हुई थीं। उन्होंने दावा किया कि उन्होंने 20 निर्दोष लड़कों को बचाने की कोशिश की थी। रिया ने आरोप लगाया कि अब उन्हें लगातार परेशान किया जा रहा है। कार्यक्रम में वह युवती भी मौजूद थी, जिसे प्रदर्शन के दौरान पैलेट गन लगी थी। इन छात्रों ने पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाए। राहुल ने आरोप लगाया कि प्रदर्शन के बाद छात्रों के घरों तक गुंडे भेजे गए और एक 15 साल की लड़की से जबरन माफी मंगवाई गई। उन्होंने कहा कि किसी छात्र को इस तरह डराकर माफी मंगवाना पूरी तरह गलत है। कांग्रेस कार्रवाई को स्वीकार नहीं करती।

सरकार को छात्रों की मांग सुननी चाहिए

राहुल ने कहा कि हजारों युवाओं ने संविधान, भारत की अवधारणा और देश के भविष्य की रक्षा के लिए आवाज उठाई है। उन्होंने कहा कि सरकार को छात्रों की मांग सुननी चाहिए, न कि उन्हें डराना चाहिए। गृह मंत्री और प्रधानमंत्री सामने आकर सवालों का जवाब नहीं दे रहे हैं। उन्होंने दोहराया कि छात्रों की मांग केवल बेहतर शिक्षा व्यवस्था, पेपर लीक पर रोक और सुरक्षित भविष्य की है। राहुल ने कहा कि विपक्ष छात्रों की आवाज उठाता रहेगा। उन्होंने सरकार से शिक्षा व्यवस्था में सुधार, परीक्षा प्रणाली को पारदर्शी बनाने और छात्रों के खिलाफ कथित कार्रवाई रोकने की मांग की। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में अपनी बात रखना हर नागरिक का अधिकार है और सरकार को छात्रों की शिकायतों का समाधान करना चाहिए, न कि उन्हें दबाने की कोशिश करनी चाहिए।

भाजपा का पलटवार-बोले भाटिया

राहुल 'गैर जिम्मेदार', वे सदन में आकर मुद्दे उठाएं

कांग्रेस के विरोध पर भाजपा ने पलटवार किया है। प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष का काम सदन में आकर मुद्दे उठाना है, लेकिन राहुल गांधी सदन से दूर रहते हैं। उन्होंने राहुल को अपरिपक्व, पार्ट-टाइम और गैर-जिम्मेदार नेता प्रतिपक्ष बताया। नेता प्रतिपक्ष का काम सदन में मुद्दा उठाना है पर दुर्भाग्य है कि यहां मुद्दे उठाने की जगह भाग जाते हैं।

सीजेपी की अहम बैठक, दीपके बोले

पार्टी नहीं बनाएंगे, दबाव समूह के तौर पर करेंगे काम

सीजेपी की कोर कमेटी की अहम बैठक महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में हुई। पार्टी नेताओं ने आंदोलन को जमीनी स्तर तक ले जाने और युवाओं से जुड़े मुद्दों पर अभियान जारी रखने की बात कही। अभिजीत दीपके ने कहा कि फिलहाल उनकी पार्टी एक दबाव समूह (प्रेशर ग्रुप) के रूप में काम करेगी।

छात्रों पर केस वापस लेने पर वकील ने कहा

कल जेन अल्फा, बीटा आ जाएगी सदन में घुसेंगे, गलत मिसाल बनेगी

सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को एक याचिकाकर्ता ने कहा कि अगर छात्र प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामलों को किसी राजनीतिक फैसले के आधार पर वापस लिया गया, तो यह भविष्य के आंदोलनों के लिए खतरनाक मिसाल बन जाएगी। उन्होंने आगाह करते हुए कहा, कल जेनरेशन अल्फा, बीटा, डेल्टा भी आएगी। याचिका में सुप्रीम कोर्ट से केंद्र सरकार और राज्य सरकारों को यह निर्देश देने की मांग की गई है कि हाल के छात्र प्रदर्शनों में हिंसा से जुड़े मामलों को केवल किसी राजनीतिक समझौते के आधार पर वापस न लिया जाए।चीफ जस्टिस (सीजेआई) सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी मोहन की बेंच ने इस मामले को छात्र प्रदर्शनों से जुड़े अन्य मामलों के साथ जोड़ दिया। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया था कि प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज एफआईआर वापस ली जा सकती हैं। मनीष कुमार सोलंकी की ओर से दायर याचिका में प्रदर्शन के आयोजकों की जिम्मेदारी तय करने की मांग की गई है।

याचिकाकर्ता के वकील: भड़काऊ बयान दे रहे

याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील रिजवान अहमद ने कहा, यह प्रदर्शन मंत्री और पुलिस की जवाबदेही को लेकर था। हम इसे स्वीकार करते हैं। 15 दिन बीत चुके हैं। लेकिन आयोजकों की जवाबदेही का क्या? वे एक चैनल से दूसरे चैनल पर जाकर भड़काऊ बयान दे रहे हैं और आग को शांत करने से इनकार कर रहे हैं। उन्होंने कहा, इन तथाकथित आयोजकों की जवाबदेही कहां है? मैं उन्हें तथाकथित आयोजक इसलिए कह रहा हूं क्योंकि यह कोई पंजीकृत संगठन नहीं है। उनका इशारा 'सीजेपी' की ओर था, जिसने नीट 2026 पेपर लीक के विरोध में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के खिलाफ प्रदर्शन का आह्वान किया था। रिजवान ने कहा कि कानून के मुताबिक किसी भी सभा या प्रदर्शन के दौरान अगर कोई अप्रिय घटना होती है तो उसके लिए आयोजक भी जिम्मेदार होते हैं।

सीजेआई ने सावधानी रखने की बात कही

सीजेआई ने कहा कि इस स्थिति को बहुत सावधानी से संभालने की जरूरत है। युवाओं को भरोसा दिलाना होगा कि उनकी बात सुनी जा रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस को भी बहुत संयम बरतना चाहिए, ताकि अगर कोई घटना हो भी जाए तो हालात नियंत्रण से बाहर न जाएं। उन्होंने कहा, हमें बहुत सावधानी से आगे बढ़ना होगा, ताकि युवा हिंसा का रास्ता न अपनाएं। बेहतर तरीका यही है कि उन्हें समझाया जाए और शांत किया जाए कि सबसे ताकतवर व्यवस्था उनकी बात सुन रही है। इसके बाद बेंच ने इस मामले को पहले से लंबित दूसरे मामलों के साथ जोड़ दिया।

गडकरी के खिलाफ ऑनलाइन पोस्ट पर हाईकोर्ट बोला

ई-20 पर विवाद | मेटा, एक्स कॉर्प और गूगल एलएलसी 'आपत्तिजनक' कंटेंट को तुरंत हटाएं

एजेंसी ▶▶ मुंबई

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के खिलाफ ऑनलाइन पोस्ट को लेकर बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा कि उनके खिलाफ की गई ऑनलाइन पोस्ट घिनौने, अश्लील, अपमानजनक और मानहानि करने वाले हैं। कोर्ट ने ऐसे सभी पोस्ट हटाने का आदेश दिया है। ई20 फ्यूल विवाद के बीच कोर्ट ने यह टिप्पणी की है। जस्टिस आरिफ डॉक्टर की सिंगल बेंच ने गडकरी को अंतरिम राहत दी।

मदरसों में वंदे मातरम पर हाईकोर्ट ने कहा

पूरे 6 छंद गाइए, आसमान नहीं टूट पड़ेगा

कोलकाता। मदरसों में वंदे मातरम गाने को लेकर चल रही कानूनी लड़ाई पर कलकत्ता हाईकोर्ट ने कई अहम मौखिक टिप्पणियां की। कोर्ट ने कहा कि अगर मदरसों में वंदे मातरम गाया जाए तो आसमान नहीं टूट पड़ेगा। ईसाई स्कूलों में होने वाली प्रार्थना का भी जिक्र हुआ। इसके साथ ही कोर्ट ने राज्य सरकार से रिपोर्ट मांगी है।

नड्डा ने पूर्वोत्तर में लिया बाढ़ का जायजा

बहुत ज्यादा नुकसान हुआ है, पुनर्निर्माण में समय लगेगा, भारत सरकार कोई कमी नहीं छोड़ेगी

बाढ़ प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर भरोसा दिलाया

एजेंसी ▶▶ गुवाहाटी

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने असम के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया और कहा कि नुकसान इतना अधिक है कि पुनर्निर्माण में समय लगेगा। नड्डा ने बाढ़ पीड़ितों से कहा कि केंद्र आपके साथ है, राहत और पुनर्वास उपलब्ध कराने में कोई कमी नहीं होगी। नड्डा ने सीएम के साथ शिवसागर के नेपालीखुंटी इलाके का दौरा किया। यह बाढ़ की वजह से सबसे ज्यादा प्रभावित है।

40 फीसदी भूमि बाढ़ के खतरे में

असम में लगभग 40 प्रतिशत भूमि बाढ़ के खतरे में है। भौगोलिक स्थिति, भारी मानसूनी बारिश, गाद से भरी नदियां, वनों की कटाई और नदी-किनारों के कटाव के कारण यह राज्य विशेष रूप से बाढ़ के प्रति संवेदनशील हो गया है।

असम में बाढ़ से स्थिति गंभीर

असम में बाढ़ की स्थिति बुधवार को भी गंभीर बनी हुई है। निचले इलाकों में एक बार फिर जलभराव का खतरा है। इस बीच बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 89 हो गई है जबकि 3 जिलों में 1.22 लाख लोग अब भी प्रभावित हैं। राज्य में 1,22,100 से अधिक लोग अब भी बाढ़ से प्रभावित हैं। इनमें शिवसागर सबसे अधिक प्रभावित जिला है जहां करीब 60,000 लोग बाढ़ की चपेट में हैं।

झारखंड में जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षाओं में अनियमितता पर सड़क पर उतरे छात्र

वांगचुक के आग्रह पर महतो ने पीया जल, भूख हड़ताल जारी रहेगी

एजेंसी ▶▶ रांची

झारखंड में जेपीएससी और जेएसएससी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के विरोध में छात्रों का बेमियादी आंदोलन बुधवार को 12वें दिन भी जारी रहा। रांची के धरना स्थल पर छात्रों के समर्थन में पिछले 4 दिन से अनशन पर बैठे जेएलकेएम के वरीय उपाध्यक्ष देवेंद्र महतो की बुधवार को पर्यावरणविद् और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक से बातचीत हुई।वांगचुक ने महतो से अनशन समाप्त करने का आग्रह किया। इसके बाद उन्होंने पानी पीया। आंदोलन जारी रहेगा।

देश के 4 राज्यों में छात्रों ने किया आंदोलन, राजनीतिक रूप भी लिया

सोरेन ने छात्रों को बातचीत के लिए बुलाया, प्रस्ताव लेकर पहुंचे अधिकारी

सीएम हेमंत सोरेन की पहल पर दो अधिकारी सरकार की तरफ से बातचीत का प्रस्ताव लेकर आंदोलनकारी छात्रों के पास पहुंचे। सोरेन ने सीएम हाउस आने का न्योता दिया है।

हम छात्रों के संघर्ष के साथ खड़े: कांग्रेस

भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ ने बताया कि राहुल गांधी के नेतृत्व में हम हर संघर्षरत छात्र-छात्रा के साथ मजबूती से खड़े हैं। शिक्षा में पारदर्शिता जरूरी है।

शिमला में भाजपा का हल्ला

जयराम और बिंदल के नेतृत्व में विशाल प्रदर्शन

शिमला। हिमाचल प्रदेश के मानसून सत्र से पहले भाजपा ने कांग्रेस सरकार के खिलाफ बड़ा विरोध प्रदर्शन करते हुए सचिवालय की ओर मार्च निकाला। प्रदर्शन में नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल, पार्टी के विधायक, पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए।

पेपर लीक पर चंडीगढ़ में प्रदर्शन

पुलिस ने किया लाठीचार्ज, वाटर कैनन का भी इस्तेमाल किया

चंडीगढ़। पंजाब में फार्मेसी परीक्षा का विवाद सड़कों तक पहुंच गया। एबीवीपी और पंजाब यूथ कांग्रेस ने विधानसभा की ओर मार्च निकालने का प्रयास किया। पुलिस ने लाठीचार्ज किया। वाटर कैनन भी था।

राजस्थान में मूक-बधिर छात्रों का धरना

6 सूत्री मांगों को लेकर सड़क पर उतरे

जयपुर। यहां राजकीय सेठ आनंदीलाल पोद्दार सीनियर सेकंडरी स्कूल फॉर द डेफ में मूक-बधिर छात्र 6 मांगों को लेकर स्कूल के बाहर धरने पर हैं।

संभल हिंसा पर बोला जांच आयोग

सपा सांसद व विधायक भी थे इस साजिश का हिस्सा

एजेंसी ▶▶ संभल

नवंबर 2024 में हुई हिंसा को लेकर न्यायिक आयोग की रिपोर्ट सामने आने के बाद सियासी और प्रशासनिक हलकों में चर्चा तेज है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि हिंसा अचानक नहीं हुई थी बल्कि पहले से तैयार साजिश काम कर रही थी। आयोग ने कहा है कि हालात बिगड़ने से पहले माहौल को प्रभावित करने वाली गतिविधियां लगातार चल रही थीं। सपा सांसद जिया-उर-रहमान बर्क, विधायक इकबाल महमूद के बेटे सुहेल इकबाल समेत कई लोगों की भूमिका का जिक्र किया गया है।

सर्वे को लेकर फैलाई गलत जानकारी

शाही जामा मस्जिद से जुड़े सर्वे को लेकर मुस्लिम समुदाय के बीच कई तरह की गलत जानकारियां फैलाई गईं। इससे लोगों में भ्रम और नाराजगी बढ़ी। आयोग का कहना है कि इसी माहौल का फायदा उठाकर बड़ी संख्या में लोगों को एक जगह जुटाया गया।

शेख हसीना ने कहा कि उनकी वापसी सत्ता हासिल करने के लिए नहीं, बल्कि देश में सुरक्षा, विकास, समृद्धि और शांति बहाल करने के लिए होगी। इसी दौरान उन्होंने कहा कि वो दिसंबर में बांग्लादेश जा सकती हैं

बांग्लादेश की पूर्व अपदस्थ पीएम हसीना का ऐलान

अपनी जनता के लिए अपने वतन लौटूंगी फिर चाहे मुझे जेल भेजें या मेरी जान ले लें

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

बांग्लादेश की पूर्व अपदस्थ पीएम और अवामी लीग की अध्यक्ष शेख हसीना ने सत्ता से हटाए जाने के बाद पहली बार सार्वजनिक रूप से बड़ा राजनीतिक संदेश दिया। नई दिल्ली में आयोजित एक वर्चुअल कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि उन्हें अपने देश से दूर रहने के लिए मजबूर किया गया, लेकिन वह कभी भी बांग्लादेश की जनता से अलग नहीं हुईं। उन्होंने साफ कहा कि वह हर हाल में अपने देश लौटेंगी। उन्होंने कहा कि उन्हें जेल भेजा जाए या उनकी जान चली जाए, लेकिन जनता के प्रति अपना कर्तव्य निभाने के लिए वह बांग्लादेश जरूर लौटेंगी। हसीना ने अपने संबोधन में बांग्लादेश की मौजूदा सरकार पर कई गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने दावा किया कि जुलाई-अगस्त 2024 का आंदोलन शुरू से शांतिपूर्ण छात्र आंदोलन नहीं था, बल्कि इसे योजनाबद्ध तरीके से उनकी सरकार को हटाने के अभियान में बदल दिया गया।

■ छात्र आंदोलन योजनाबद्ध ढंग से सरकार को हटाने की साजिश थी

आंदोलन की आड़ में संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था पर हमला किया गया। उनके अनुसार, उनकी सरकार ने हिंसा की जांच के लिए न्यायिक आयोग बनाया था, लेकिन सत्ता बदलने के बाद अंतरिम सरकार ने जांच रोक दी।

देश में कानून व्यवस्था कमजोर हुई

हसीना ने दावा किया कि अंतरिम सरकार ने हिंसा में शामिल लोगों को कानूनी सुरक्षा देकर न्याय प्रक्रिया को कमजोर किया। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिसकर्मियों की हत्या करने वालों तक को संरक्षण मिला। उन्होंने यह भी कहा कि अगर सरकार सच सामने लाना चाहती तो उनकी सरकार द्वारा गठित जांच आयोग को काम करने देती। हसीना ने कहा कि अल्पसंख्यकों, न्यायाधीशों, पत्रकारों, सांस्कृतिक हस्तियों और आम नागरिकों पर लगातार हमले हो रहे हैं। उनका आरोप था कि देश में कानून व्यवस्था कमजोर हुई है और लोकतांत्रिक संस्थाओं पर दबाव बढ़ा है।

दिसंबर में लौटूंगी बांग्लादेश

शेख हसीना ने कहा कि वर्ष 1981 में भी तत्कालीन राष्ट्रपति जियाउर रहमान ने उन्हें बांग्लादेश लौटने से रोकने की कोशिश की थी, लेकिन वह तब भी लौटी थीं। उन्होंने कहा कि इस बार भी कोई उन्हें नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा कि वे मुझे जेल भेज सकते हैं, मेरी हत्या भी कर सकते हैं, लेकिन मुझे अपने लोगों के बीच वापस जाना ही होगा। उन्होंने कहा कि उनकी वापसी सत्ता हासिल करने के लिए नहीं, बल्कि देश में सुरक्षा, विकास, समृद्धि और शांति बहाल करने के लिए होगी। इसी दौरान उन्होंने कहा कि वो दिसंबर में बांग्लादेश जा सकती हैं।

सरकार मौत के आंकड़ें कम बता रही: वाजेद

शेख हसीना के बेटे और पूर्व आईसीटी सलाहकार सजीब वाजेद ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र ने 1,400 मौतों का आंकड़ा दिया, जबकि सरकारी आंकड़ा करीब 800 का है।

उन्होंने पूछा कि बाकी 600 लोगों के नाम कहां हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अंतरिम सरकार ने एक कानून बनाकर आंदोलन में शामिल लोगों को व्यापक कानूनी संरक्षण दे दिया।

कार्यक्रम में शामिल हुए तो घर पर फिके बम

पीसी में शामिल होने के कुछ ही घंटों बाद पूर्व क्रिकेट कप्तान और पूर्व अवामी लीग सांसद शाकिब अल हसन के मागुरा स्थित घर पर हमले का दावा किया गया है।

उपद्रवियों ने घर पर ईंट-पत्थर फेंककर खिड़कियों के शीशे तोड़े और आग लगाने का प्रयास किया। घटना के बाद अवामी लीग ने आरोप लगाया कि राजनीतिक रंजिश के तहत घर पर पेट्रोल बम से हमला किया गया है। मामले की जांच जारी है।

पीएम मोदी का जताया आभार

सजीब वाजेद ने भारत सरकार का आभार जताते हुए कहा कि शेख हसीना के बांग्लादेश छोड़ने के बाद भारत ने उनके साथ एक राष्ट्राध्यक्ष जैसा व्यवहार किया। उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी की सरकार का धन्यवाद करते हुए कहा कि भारत ने उनकी मां को सम्मान, सुरक्षा और सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराईं। उन्होंने इसे दोनों देशों के संबंधों का सकारात्मक संकेत बताया।

खबर संक्षेप

घर से मिले कबाड़ के 45 गोले, जांच शुरू

सोपोर। सुरक्षा बलों ने जम्मू-कश्मीर के सोपोर इलाके में एक संयुक्त तलाशी अभियान के दौरान एक रिहायशी मकान से कबाड़ के 45 गोले बरामद किए हैं।

यह तलाशी अमलगढ़ पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आने वाले घाट निंगली और शीर कॉलोनी क्षेत्रों में की गई। तलाशी के दौरान शीर कॉलोनी निवासी शाहबाज अजीज डार के घर से कबाड़ प्रकृति के 45 गोले मिले। सुरक्षा बलों ने सभी गोलों को अपने कब्जे में ले लिया है और मामले की गहराई से जांच की जा रही है, ताकि इसके पीछे के सभी तथ्यों का पता लगाया जा सके।

डीआरआई ने जब्त किया 3 करोड़ का बैन खजूर

नई दिल्ली। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने एक ऐसे मामले का खुलासा किया है जिसमें पाकिस्तान से आयातित वस्तुओं को तीसरे देशों के माध्यम से गुप्त रूप से भेज कर

उनके बारे में गलत जानकारी दी जा रही थी। इस अभियान के दौरान 3 करोड़ रुपए मूल्य की 364 मिलियन टन सूखा खजूर जब्त किया गया, जो पाकिस्तान से आयात किया गया था। वित्त मंत्रालय ने डीआरआई के अधिकारियों ने कांडला बंदरगाह पर आयातित 364 मिलियन टन सूखे खजूर से भरे 13 कंटेनरों को जब्त किया।

रूस का कीव पर हमला 17 लोगों की मौत

कीव। यूक्रेन की राजधानी कीव और उसके आसपास के क्षेत्रों में मंगलवार रातभर किए गए रूस के मिसाइल और ड्रोन हमलों में 17 लोगों की मौत हो गई तथा 44 अन्य लोग घायल हो गए।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने बताया कि रूस यूक्रेन के खिलाफ बड़े पैमाने पर लगातार बैलिस्टिक मिसाइल हमले कर रहा है। इस साल गर्मियों से ऐसे हमले लगभग नियमित हो गए हैं। यूक्रेन के पास अमेरिका निर्मित 'पैट्रियट' प्रणालियों की मिसाइलों का सीमित भंडार है।

'यौम-ए-इस्तेहसाल' मनाने पर भारत का सख्त रूख

पाक को आंतरिक मामलों पर बोलने का नैतिक अधिकार नहीं

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

पाकिस्तान है कि अपनी नापाक हरकतों से बाज आने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा मामले में 5 अगस्त (भारत के लिए जम्मू-कश्मीर से हटाई गई धारा-370, 35ए की 7वीं वर्षगांठ का दिन) को तथाकथित 'यौम-ए-इस्तेहसाल' के रूप में मनाने और इसे लेकर की गई पाकिस्तान के डिप्टी पीएम व विदेश मंत्री इशाक डार की टिप्पणियों को भारत ने सिरे से खारिज कर दिया है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक बयान जारी कर कहा कि पाकिस्तान की यह हरकत और कुछ नहीं बल्कि हमारे देश के खिलाफ दुर्भावना के साथ किए जाने वाले दुष्प्रचार और राजनीतिक रूप से की जा रही बेतुकी और निरर्थक कोशिशों का हिस्सा मात्र है। जिसे भारत कतई स्वीकार नहीं करता है और हम इसे सिरे से खारिज करते हैं। जहां तक लद्दाख केंद्रशासित प्रदेश के साथ-साथ समूचे जम्मू-कश्मीर का मसला है। तो यह पूरा क्षेत्र भारत का अभिन्न और अविभाज्य अंग था, है और हमेशा बना रहेगा।

पीओके में जारी रक्तपात रोके पाक

जायसवाल ने पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री की टिप्पणी को एक पूर्वानुमानित नाटक करार देते हुए कहा कि भारत के आंतरिक मामलों पर ध्यान केंद्रित करने के बजाए पाकिस्तान को अपने अवैध कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में चल रहे रक्तपात को रोकना चाहिए। इसके अलावा उसे अपनी खुद की जमीन से चलने वाले आतंकवादी नेटवर्क के खिलाफ विश्वसनीय और प्रामाणिक कार्रवाई करनी चाहिए। पीओके भारत का इलाका है, पाकिस्तान ने इस पर बलपूर्वक अवैध कब्जा किया हुआ है। जिसे उसे खाली करना चाहिए। पूरी दुनिया हमारे निकट शत्रु राष्ट्र के विरोध में क्षेत्र में हो रहे सुनियोजित प्रदर्शनों से कहीं से भी भ्रमित नहीं होने वाली है।

जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को मिला फायदा

विदेश मंत्रालय ने कहा कि 5 अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर से की गई धारा-370 की समाप्ति और अनुच्छेद 35(ए) के प्रावधानों को हटाकर खत्म किया गया राज्य का विशेष दर्जा एक संवैधानिक परिवर्तन है। जो पूरी तरह से भारत का आंतरिक मामला है। यह हमारे देश के द्वारा लिए गए कुछ ऐसे फैसले हैं, जिनसे इलाके के लोगों को अभूतपूर्व रूप से फायदा हुआ है। उनका सामाजिक-आर्थिक विकास, सुशासन और लोकतांत्रिक सशक्तिकरण भी इसी बदलाव का नतीजा है। इस लिहाज से देखें तो भारत के अंदरूनी मसलों में पाकिस्तान को किसी भी प्रकार से दखल देने या टीका-टिप्पणी करने का कोई अधिकार नहीं है।

अनुच्छेद 370 हटने के 7 साल पूरा होने पर पीएम मोदी बोले

जम्मू-कश्मीर और लद्दाख ने विकास का नया दौर देखा, लोगों के जीवन में आया बड़ा बदलाव

पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा कि पिछले सात वर्षों में दोनों क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे का विस्तार हुआ है और शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्यमिता तथा खेल जैसे क्षेत्रों में नए अवसर बढ़े हैं

भारतीय संविधान को पूरी तरह से सशक्त बनाया गया

दशकों तक संवैधानिक अधिकारों से रखा गया वंचित

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 और 35(ए) हटाए जाने के सात साल बुधवार, 5 अगस्त को पूरे हो गए। इस मौके पर पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि 5 अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के इतिहास में एक नए अध्याय की शुरुआत हुई थी। उन्होंने कहा कि तब से दोनों क्षेत्रों में लोगों के जीवन में व्यापक बदलाव आए हैं।

पीएम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि आज ही के दिन सात वर्ष पहले अनुच्छेद 370 और 35(ए) इतिहास बन गए थे। इससे जम्मू-कश्मीर और लद्दाख की विकास यात्रा में एक निर्णायक नए अध्याय की शुरुआत हुई। उन्होंने कहा कि पिछले सात वर्षों में दोनों क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे का विस्तार हुआ है और शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्यमिता तथा खेल जैसे क्षेत्रों में नए अवसर बढ़े हैं। पीएम मोदी ने कहा कि चाहे महिलाएं हों या वंचित समुदाय, जिन लोगों को दशकों तक अपने मूल संवैधानिक अधिकारों से वंचित रखा गया, उन्हें भारतीय संविधान के पूर्ण रूप से लागू होने के कारण सशक्त बनाया गया है।

एलजी मनोज सिन्हा ने वितरित किए प्रमाण पत्र

आतंकवाद पीड़ित परिवारों के परिजनों को मिली सरकारी नौकरी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बुधवार को कहा कि आतंकवादी हमलों में मारे गए नागरिकों के परिजनों को सरकारी नौकरी देना केंद्रशासित प्रदेश में न्याय, पुनर्वास और सम्मानजनक आजीविका सुनिश्चित करने की दिशा में एक नया अध्याय है।

श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में आतंकवादी हिंसा में मारे गए नागरिकों के परिजनों को नियुक्ति पत्र सौंपे गए। एलजी ने कहा कि आतंकवादी हिंसा में मारे गए नागरिकों के परिजनों को सरकारी नौकरी देने का फैसला प्रभावित परिवारों को न्याय, पुनर्वास और सम्मानजनक आजीविका उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। आतंकवादी हिंसा से तबाह हुए परिवारों के साथ मजबूती से खड़ा होना सरकार की संवैधानिक, नैतिक और मानवीय जिम्मेदारी है।

हर पात्र परिवार को अवसर मिलेगा

एलजी ने कहा कि हमारी प्रतिबद्धता अटूट है। आतंकवाद से प्रभावित हर पात्र परिवार को न्याय, पुनर्वास और सम्मान के साथ अपना जीवन फिर से शुरू करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि नागरिक प्रशासन के समन्वित प्रयासों से आतंकवाद के तंत्र को खत्म करने और केंद्रशासित प्रदेश में स्थायी शांति स्थापित करने का काम जारी है। हाल के वर्षों में जम्मू-कश्मीर में सड़क कनेक्टिविटी, सुरंग इंफ्रास्ट्रक्चर, हवाई अड्डों, शिक्षण संस्थानों और स्वास्थ्य सुविधाओं का अभूतपूर्व विस्तार हुआ है।

डॉ. मुखर्जी का स्वप्न साकार हुआ

पीएम ने कहा कि इस वर्ष 5 अगस्त का महत्व इसलिए भी अधिक है, क्योंकि देश डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती मना रहा है। राष्ट्रीय एकता के प्रति उनका आजीवन समर्पण आज भी पीढ़ियों को प्रेरित करता है। उन्होंने दशकों पहले जो सपना देखा था, वह 5 अगस्त 2019 को ऐतिहासिक रूप से साकार हुआ। पीएम मोदी ने कहा कि सरकार जम्मू-कश्मीर और लद्दाख की प्रगति के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराती है और यह सुनिश्चित करने के लिए संकल्पित है कि हर नागरिक बड़े सपने देख सके, उन्हें पूरा कर सके और विकसित भारत के निर्माण में योगदान दे सके।

लद्दाख के एलजी सक्सेना बोले विकास और शांति की राह पर तेजी से बढ़ रहा केंद्र शासित

लेह। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के स्थापना दिवस के मौके पर उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने बुधवार को प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लद्दाख ने शांति, विकास और मजबूत स्थानीय शासन की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की है। 5 अगस्त 2019 को केंद्र सरकार ने आर्टिकल 370 के प्रावधानों में बदलाव करते हुए तत्कालीन जम्मू-कश्मीर राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में विभाजित किया था। इसी दिन लद्दाख को अलग केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा मिला था।

शांति व्यवस्था मजबूत

उपराज्यपाल सक्सेना ने कहा कि केंद्र सरकार ने लद्दाख के लोगों की लंबे समय से चली आ रही आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए लगातार काम किया है। केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद लद्दाख में विकास की गति तेज हुई है, शांति व्यवस्था मजबूत हुई है और स्थानीय स्तर पर शासन व्यवस्था को भी मजबूती मिली है।

श्रीलंका के राष्ट्रपति दिसानायके से मिले विदेश सचिव मिसरी

तूफान दितवाह के बाद पुनर्निर्माण के लिए 350 मिलियन डॉलर का एमओयू साइन

एजेंसी ▶▶ कोलंबो

विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने अपने एक दिवसीय श्रीलंका दौरे के दौरान कोलंबो में श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा दिसानायके से मुलाकात की। बातचीत आपसी हित के मुद्दों और प्रमुख द्विपक्षीय परियोजनाओं की समीक्षा पर केंद्रित रही, जिसमें श्रीलंका में भारत की मदद से चल रही विकास परियोजनाएं भी शामिल हैं।

बैठक के बाद, दोनों पक्षों ने 350 मिलियन अमेरिकी डॉलर की भारतीय रुपए में तय 'लाइन ऑफ क्रेडिट' (एलओसी) से जुड़े समझौतों का

एओयू का आदान-प्रदान करते अधिकारी

आदान-प्रदान किया। यह राशि भारत द्वारा चक्रवात दितवाह के बाद दिए गए 450 मिलियन अमेरिकी डॉलर के पुनर्निर्माण पैकेज का हिस्सा है। ये एलओसी चक्रवात के बाद ज़रूरी पुनर्निर्माण, बुनियादी ढांचे के विकास और खरीद की जरूरतों को पूरा करने में मदद करेंगी।

पीएम अमरसूर्या से की मुलाकात

विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने श्रीलंका की पीएम डॉ. हरिनी अमरासूर्या से मुलाकात की। उन्होंने भारत और श्रीलंका के बीच करीबी रिश्तों की मज़बूत और जन-केंद्रित नींव को फिर से दोहराया। उन्होंने प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच और सहयोग के तरीकों पर भी चर्चा की। मिसरी ने भारत की 'नेबरहुड फर्स्ट' नीति और 'विजन महासागर' को आगे बढ़ाने में श्रीलंका की महत्वपूर्ण भूमिका को दोहराया।

थलसेना प्रमुख जनरल सेठ ने की अपील

भविष्य की चुनौतियों के लिए हर परिस्थितियों में तैयार रहें सैनिक

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

थलसेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने लखनऊ स्थित मध्य कमान मुख्यालय में सेना प्रमुख को कमान की परिचालन स्थिति, आधारभूत ढांचे के विकास, आधुनिकीकरण और युद्धक तैयारियों को मजबूत करने के लिए उठाए जा रहे कदमों की जानकारी दी गई। इसके बाद उन्होंने उत्तर भारत एरिया मुख्यालय का दौरा किया। यहां उन्होंने सैन्य कमांडरों और सैनिकों से मुलाकात की। उन्होंने मौजूदा सुरक्षा परिदृश्य, परिचालन तैयारियों और जारी क्षमता संवर्धन पहलों की समीक्षा

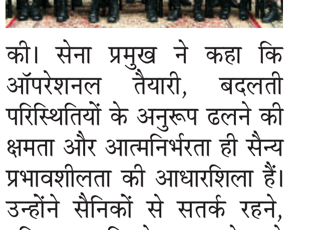

की। सेना प्रमुख ने कहा कि ऑपरेशनल तैयारी, बदलती परिस्थितियों के अनुरूप ढलने की क्षमता और आत्मनिर्भरता ही सैन्य प्रभावशीलता की आधारशिला हैं। उन्होंने सैनिकों से सतर्क रहने, परिचालन दृष्टि से चुस्त बने रहने और भविष्य की चुनौतियों के लिए हमेशा तैयार रहने का आह्वान किया।

निवेश धोखाधड़ी: सीबीआई की बड़ी कार्रवाई

यूएई से भारत लाई गई 88 करोड़ की ठगी करने वाली वॉन्टेड राठौड़

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) ने विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय के समन्वय से 88 करोड़ रुपए के निवेश फ्रॉड केस में वॉन्टेड भगोड़ी विशाखा राठौड़ को संयुक्त अरब अमीरात से भारत वापस लाने में कामयाबी हासिल की है।

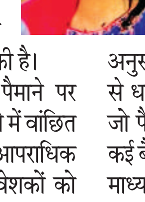

विशाखा राठौड़ बड़े पैमाने पर वित्तीय धोखाधड़ी के मामले में वांछित थी। अन्य लोगों के साथ आपराधिक साजिश रचकर, उसने निवेशकों को निश्चित मासिक रिटर्न का झूठा वादा करके कई योजनाओं में निवेश करने के लिए प्रेरित किया। इंटरपोल के माध्यम से उसके खिलाफ रेड नोटिस जारी किया गया था। विशाखा राठौड़ 3 अगस्त 2026 को पुणे पहुंची और महाराष्ट्र पुलिस की टीम ने उसे हिरासत में ले लिया। सीबीआई के अनुसार, विशाखा राठौड़ ने बेईमानी से धन का गबन किया। निवेशकों से जो पैसा एकत्रित किया गया था, उसे कई बैंक अकाउंट और डीमैट खातों के माध्यम से स्थानांतरित कर दिया।

इस साल की अंतिम तिमाही में होगा यह महत्वपूर्ण समझौता

करीब 4 से 5 साल में सेना को मिलनी शुरू होगी मिसाइल

10 हजार करोड़ रुपए की लागत संग 150 ब्रह्मोस मिसाइलों की खरीद करेगी सेना!

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय सेना के जंगी बेड़े की युद्धक क्षमता में जल्द ही कई गुना की बढ़ोतरी होगी। आगामी कुछ महीनों में बल द्वारा 150 ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइलों (विस्तारित रेंज) की खरीद से जुड़ा एक बेहद महत्वपूर्ण समझौता होगा। जिस पर मौजूदा साल की अंतिम तिमाही के नवंबर महीने में हस्ताक्षर किए जा सकते हैं। सूत्रों ने बताया कि समझौते पर आने वाली कुल अनुमानित लागत 10 हजार करोड़ रुपए तक हो सकती है। जिसके चार से पांच साल के अंदर ये मिसाइलें सेना को मिलनी शुरू हो

जाएंगी। बहुत संभावना है कि इस करार से स्वदेश में स्थित भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईल) और भारत डायनामिक्स लिमिटेड (बीडीएल) जैसे रक्षा क्षेत्र के दो सार्वजनिक उपक्रमों को फायदा हो सकता है।

आत्मनिर्भर भारत को मिलेगा बढ़ावा

ब्रह्मोस भारत का एक अति विध्वंसक सैन्य हथियार है। ऐसे में थलसेना में इसकी बढ़ी हुई रेंज के साथ मिसाइलों की संख्या बढ़ने से कहीं न कहीं केंद्र सरकार के आत्मनिर्भर भारत अभियान को भी मजबूती मिलेगी। गौरतलब है कि वर्तमान समय में ब्रह्मोस मिसाइल का सेना के अलावा वायुसेना और नौसेना भी काफी बड़े पैमाने पर इस्तेमाल कर रही हैं। विस्तारित रेंज की आवश्यकता भी समय-समय पर सशस्त्र सेनाओं के तीनों अंगों द्वारा प्रदर्शित की गई है।

बढ़ेगी लंबी दूर तक मार करने की क्षमता

सेना के पास वर्तमान समय में जो ब्रह्मोस मिसाइल है। उसकी मारक क्षमता लगभग 290 किमी तक है। अब विस्तारित रेंज (450 किमी तक हो सकती है) के साथ इसमें और अधिक इजाफा किया जाएगा। जिसका सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि इससे न केवल सेना की रणनीतिक रूप से लक्ष्य साधने की क्षमता बढ़ेगी। बल्कि दुश्मन के इलाके में मौजूद लंबी दूरी के लक्ष्यों को भी सटीकता के साथ नेस्तनाबूद करना आसान हो जाएगा।

भारत-रूस जेवी के जरिए हुआ विकास

बता दें, ब्रह्मोस मिसाइल भारत और रूस ने संयुक्त उपक्रम (जेवी) के तहत विकसित किया है। इसका नाम भारत की ब्रह्मपुत्र और रूस की मोस्कवा नदी के नाम पर ब्रह्मोस रखा गया है। मिसाइल ध्वनि की गति से भी तीन गुना अधिक तेजी के साथ मार करने की क्षमता रखती है। इसकी एक खासियत यह भी है कि यह दागो और भूल जाओ के सिद्धांत यानी 'फायर एंड फॉरगेट' के तहत काम करती है। बेहद कम ऊंचाई पर उड़ान भरकर दुश्मन के रडार को चकमा देकर ब्रह्मोस अपने निर्धारित लक्ष्यों को तहस नहस कर सकती है।

वायुसेना प्रमुख एपी सिंह का वियतनाम दौरा

रक्षा सहयोग, क्षमता निर्माण को मजबूत बनाने पर ध्यान

एजेंसी ▶▶ हनोई

भारत और वियतनाम ने उच्चस्तरीय रक्षा वार्ता के दौरान दोनों देशों के बीच उन्नत व्यापक रणनीतिक साझेदारी के तहत रक्षा सहयोग को और मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। दोनों पक्षों ने क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े साझा मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया।

यह बैठक भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह और वियतनाम पीपुल्स आर्मी के चीफ ऑफ जनरल स्टाफ एवं उप रक्षा मंत्री जनरल गुयेन तान कुओंग

एपी सिंह और जनरल गुयेन तान कुओंग

के बीच हुई। हनोई स्थित भारतीय दूतावास ने बताया कि दोनों नेताओं ने भारत-वियतनाम रक्षा सहयोग में हुई सकारात्मक प्रगति की समीक्षा की।

वायुसेना की रेजीमेंट का दौरा किया

इससे पहले एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने हनोई स्थित हो ची मिन्ह समाधि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद उन्होंने वियतनाम वायुसेना की 371 एयर डिवीजन की रेजिमेंट-927 का दौरा किया और वहां के वरिष्ठ अधिकारियों तथा लड़ाकू विमान चालकों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने रेजिमेंट की परिचालन क्षमता और प्रशिक्षण व्यवस्था की जानकारी भी ली। एयर चीफ मार्शल एपी सिंह सोमवार से तीन दिवसीय आधिकारिक वियतनाम दौरे पर हैं। हनोई पहुंचने पर भारत के राजदूत शेरिंग डब्ल्यू. शेरपा ने उनका स्वागत किया और दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की। दौरे के दौरान एयर चीफ मार्शल एपी सिंह का औपचारिक स्वागत वियतनाम पीपुल्स आर्मी की एयर डिफेंस-एयर फोर्स सर्विस ने किया।

परिचित के भांजे ने निवेश के नाम पर लिया पैसा, शुरुआत में दिया लाभांश, बाद में घाटे का बहाना

शेयर मार्केट में मोटे मुनाफे का झांसा देकर 78 वर्षीय महिला से 38 लाख रुपए की ठगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

पिपलानी थाना क्षेत्र में 78 साल की बुजुर्ग महिला को परिचित के भांजे ने 38 लाख रुपए की चपत लगा दी। आरोपी ने उन्हें शेयर मार्केट में निवेश करने का कहा था। इसके बाद अलग अलग किश्तों में रुपए ले लिए। कुछ दिन उसे लाभ भी दिया, लेकिन धीरे-धीरे उसने लाभ देना बंद कर दिया और कहने लगा कि मार्केट गिर गया है और नुकसान हो गया। बुजुर्ग महिला ने पति के साथ थाने पहुंचकर आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार मधुलता जायसवाल (78) एलआईजी-111, रत्नागिरी में रहती हैं।

गारंटी के तौर पर मयंक ने बुजुर्ग मिहला से जितने रुपए लिए उतनी ही राशि के पोस्ट-डेटेड चेक भी दिए थे...

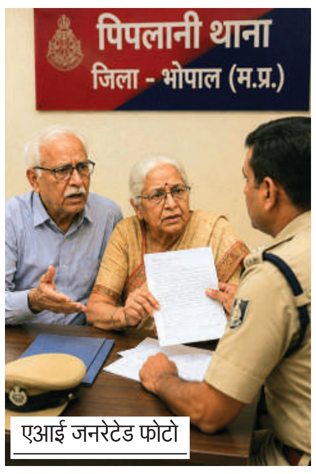

एआई जनरेटेड फोटो

उन्होंने पुलिस को शिकायत में बताया कि दोनों बेटे बाहर नौकरी करते हैं। वह वर्ष 2022 से पति प्रकाश जायसवाल के साथ अकेली रहती हैं। उनकी परिचित महिला का भांजा मयंक शर्मा निवासी पूर्वांचल फेस-वन, बीडीए रोड अवधपुरी में रहता है। मयंक शर्मा ने शेयर मार्केट से होने वाले लाभ के बारे में मधुलता को बताया था। उसके कहने पर मधुलता ने पार्ट-पार्ट 38 लाख रुपए दे दिए। कुछ नगदी तो कुछ चेक के माध्यम से दिया गया। इसके विपरित मयंक शर्मा ने उन्हें प्रत्येक महीने एक निश्चित राशि लाभ के रूप में देने की बात कही और अनुबंध भी बना लिया। परिचित का भांजा होने के कारण वह मयंक पर विश्वास करने लगी। गारंटी के तौर पर मयंक ने उनसे जितने रुपए लिए उतनी ही राशि के पोस्ट-डेटेड चेक भी दिए थे। इसके अलावा अपनी स्कोड रेपिड कार का रजिस्ट्रेशन कार्ड भी गारंटी के तौर पर उन्हें दे दिया।

धीरे-धीरे राशि कम हुई, लाभ देना कर दिया बंद

मयंक शर्मा ने मधुलता को कुछ दिन लाभांश स्वरूप तय राशि का भुगतान किया। बाद में वह बहुत कम रुपए का भुगतान करने लगा। वह कहने लगा कि व्यापार में घाटा हो गया है। बाद में उसने रुपए देने बंद कर दिए। साथ ही मधुलता का कॉल रिसीव करना भी बंद कर दिया। मधुलता ने अपनी जमा पूंजी विश्वास में आकर मयंक को दे दी। उससे पूछने का प्रयास किया कि किस व्यापार में घाटा हुआ तो वह कोई न कोई नई कहानी बताने लगता था।

कजलीखेड़ा के वाल्मीकि मोहल्ले का मामला

पत्नी के मायके जाने से दुखी पति ने घर में ही लगाई फांसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

कजलीखेड़ा थाना क्षेत्र के वाल्मीकि मोहल्ला में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वह पढ़ा लिखा नहीं था और उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। प्राथमिक जांच में यह बात सामने आई कि उसकी शादी दस महीने पहले ही हुई थी। करीब एक सप्ताह पहले उसकी पत्नी गोंडीपुरा मायके चली गई। पत्नी के मायके जाने से वह दुखी था।

पुलिस के अनुसार गोलू नदानिया पिता श्रीलाल (24) सफाईकर्मी था। सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात उसने अपने कमरे में पाइप पर दुपट्टे का फंदा बनाकर फांसी लगा ली। परिजन ने सुबह उसकी लाश फांसी के फंदे पर लटकी देख पुलिस को सूचना दी थी। पुलिस ने एफएसएल की मदद से घटनास्थल का निरीक्षण कराया। पुलिस ने परिजन से पूछताछ की तो पता चला कि सात दिन पहले उसकी पत्नी मायके चली गई। पत्नी के मायके जाने के बाद से वह दुखी था। अनुमान है कि पत्नी के मायके जाने से दुखी होकर उसने यह कदम उठाया है।

एक्टिवा सवार युवक को रोककर नुकीले हथियार से किया हमला

भोपाल। कजलीखेड़ा थाना क्षेत्र स्थित गांव बोरदा में स्कूटर सवार युवक को रोककर बदमाशों ने नुकेले हथियार से हमला कर दिया। बदमाशों ने युवक के सिर और पेट पर दो वार किए थे। इससे युवक को गंभीर चोट आई है। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों पर प्रकरण दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार सोनू करोसिया टीलाजमालपुरा में रहता है। उसने पुलिस को बताया कि गत रविवार 2 अगस्त की शाम वह अपने साथियों के साथ बोरदा गांव के झरने में पिकनिक मनाने गया था। उनके साथ दोस्त मनीष पवार (27) जहांगीराबाद भी था। तीनों दोस्त पीछे अलग बाइक पर थे, जबकि मनीष पवार एक्टिवा से आगे था। शाम करीब सात बजे मनीष अपनी एक्टिवा से बोरदा गांव पहुंचा ही था कि दो पैदल युवकों ने उसे रोक लिया। वह कहने लगे कि साइड में गाड़ी लगा। मनीष ने साइड में गाड़ी लगाने से मना किया तो वह भड़क गए। इस दौरान गालीगलौज करते हुए एक युवक ने अपने पास रखा नुकीला हथियार निकाला और मनीष पर हमला कर दिया।

बुजुर्ग प्रोफेसर ने कोहेफिजा पुलिस में दर्ज कराई शिकायत, आरोपी की तलाशा जारी

फर्जी फिजियोथैरेपिस्ट ने इलाज के नाम प्रोफेसर को लगाया 4 लाख का चूना

घुटने से 'जहरीला तरल' निकालने का दिया था झांसा

6 लाख के चेक पर समय रहते रुकवाया भुगतान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

कोहेफिजा पुलिस ने प्रोफेसर की शिकायत पर फर्जी फिजियोथैरेपिस्ट पर धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। इलाज के नाम पर जालसाज ने चार लाख रुपए ले लिए। आरोपी ने घुटने में चीरा लगाकर विषैले तत्व निकालने का कहा और विषैले तत्व की हर बूंद के आरोपी ने सात हजार रुपए लिए। चार लाख रुपए की नगदी और छह लाख रुपए का चेक लेकर आरोपी जालसाज फरार हो गया। धोखाधड़ी का आभास होने पर प्रोफेसर ने छह लाख के चेक पर स्टॉप पैमेंट करा दिया।

एआई जनरेटेड फोटो

पुलिस के अनुसार लोटस सुप्रीम, सनसिटी एयरपोर्ट रोड निवासी दीपरत्न सक्सेना (64) सीहोर के कृषि महाविद्यालय में प्रोफेसर हैं। कुछ वर्षों से वह घुटनों के दर्द से परेशान हैं। कुछ दिन पहले बिट्टन मार्केट की सब्जी मंडी में चलने में परेशानी होती देख एक लड़के ने उन्हें एक मोबाइल नंबर दिया और कहा कि मेरे पिताजी को भी यही समस्या थी। अब वह ठीक हो गए हैं। लिहाजा इलाज कराने के लिए दीपरत्न सक्सेना ने उस नंबर पर कॉल किया। ट्रू-कॉलर पर उस व्यक्ति का नाम आशीष आचार्य आ रहा था। उसने खुद को दिल्ली का फिजियोथेरेपिस्ट बताया। दीपरत्न के कहने पर वह 29 जुलाई 2026 को एयरपोर्ट रोड स्थित उनके घर पहुंचा। दीपरत्न का कहना है कि आशीष आचार्य ने घर पहुंचकर थैरेपी के नाम पर उनके घुटने पर ब्लेड जैसी धारदार वस्तु से छोटा सा चीरा लगाया। आशीष ने एक बूंद तरल निकालने के सात हजार रुपए मांगे। कुल मिलाकर उसने इलाज के नाम पर दस लाख रुपए की मांग की।

अखबार पढ़ने पर पता चला हो गई है ठगी

दीपरत्न सक्सेना ने अंग्रेजी के अखबार में प्रकाशित समाचार पढ़ा तो पता चला कि अहमदाबाद में फर्जी फिजियोथैरेपिस्ट गिरोह बुजुर्गों को झांसे में लेकर इसी प्रकार इलाज करता था और उनसे भारी रकम वसूलता था। इससे उन्हें अपने साथ हुई ठगी का अहसास हो गया। उन्होंने अपने छह लाख रुपए वाले चेक पर सटॉप लगाया और पुलिस को शिकायत की। दीपरत्न ने आरोपी जालसाज के फोटो व वीडियो पुलिस को उन्हें सौंपे हैं। हुलिए के आधार पर उसकी खोजबीन शुरू कर दी गई है।

चोरों ने गांधीनगर के झूलेलाल मार्केट स्थित दुकान को बनाया निशाना

ज्वेलरी शॉप में सेंध लाकर घुसे बदमाश, आधा किलो चांदी और बीस हजार की नगदी चोरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

गांधी नगर थाना क्षेत्र स्थित झूलेलाल मार्केट में ज्वेलरी शॉप में सेंध लगाकर बदमाश आधा किलो चांदी और बीस हजार रुपए की नगदी चुराकर ले गए। ज्वेलर्स ने दुकान में रखे अन्य जेवर का मिलान नहीं किया है। स्टॉक देखने पर ही पता चल सकेगा कि बदमाश दुकान से कुल कितने जेवर लेकर गए हैं। ज्वेलर्स की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

फाइल फोटो।

पुलिस घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज चेक कर रही है। पुलिस के अनुसार नरेन्द्र हासवानी पिता मनोहर हासवानी (21) आर्चर्ड मैजेस्टी गांधीनगर में रहते हैं और झूलेलाल मार्केट गांधी नगर में महालक्ष्मी ज्वेलर्स शॉप का संचालन करते हैं। मंगलवार रात करीब आठ बजे उन्होंने ज्वेलरी शॉप बंद की और अपने मैनेजर सूरज मालवीय के साथ घर चले गए। बुधवार दोपहर करीब 12 बजे मैनेजर सूरज मालवीय दुकान खोलने पहुंचा। दुकान खोली तो उसने देखा की दुकान का सामान बिखरा पड़ा था। उसने तत्काल मालिक नरेंद्र हसवानी को कॉल कर बताया। वह दुकान पहुंचे तो पता चला कि बदमाश दुकान की पीछे वाली दीवार में बड़ा सा छेद बनाकर घुसे थे। बदमाशों ने पीछे वाले रूम का लॉक तोड़ा और शोकेश पर रखी 6 चांदी की छोटी मूर्तियां, दो पैकेट चांदी कि बिछिया जिसमें 60 नग थे। साथ ही कमरबंद 200-200 ग्राम की 3 नग, भगवान को सजाने वाला चांदी सामान, बांसुरी, मुकुट और अन्य सहित अन्य चांदी का सामान लेकर गए हैं। बदमाशों ने ड्रॉवर का लॉक तोड़कर उसमें रखे चार जोड़ी चांदी के कंगन और 20 हजार की नगदी भी चुराई है। मालिक नरेंद्र हसवानी के हिसाब से उनकी ज्वेलरी शॉप से आधा किलो चांदी और बीस हजार रुपए की नगदी चोरी हुई है।

पार्षदों, व्यापारियों और समाजसेवियों में नाराजगी की चर्चा

अध्यक्ष प्रतिनिधि के व्यवहार पर सवाल अब विधायक से शिकायत की तैयारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ ओबेदुल्लागंज

नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि के व्यवहार को लेकर नगर की राजनीतिक और सामाजिक हलकों में चर्चाएं तेज हो गई हैं। पार्षदों, व्यापारियों, समाजसेवियों और वरिष्ठ नागरिकों का आरोप है कि अध्यक्ष प्रतिनिधि नगर पंचायत कार्यालय आने वाले जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों से अपेक्षित संवाद नहीं करते तथा उनकी समस्याओं के निराकरण पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा है। आरोप लगाने वालों का कहना है कि अध्यक्ष प्रतिनिधि का ध्यान नगर के सीमित क्षेत्र तक केंद्रित दिखाई देता है, जबकि सभी वार्डों की समस्याओं का समान रूप से समाधान होना चाहिए। सूत्रों के अनुसार नगर के कुछ व्यापारी, समाजसेवी और आठ पार्षद जल्द ही विधायक सुरेंद्र पटवा से मुलाकात कर अपनी नाराजगी और शिकायत से अवगत कराने की तैयारी में हैं। उनका कहना है कि यदि समय रहते स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो इसका असर आगामी नगर पंचायत और विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी की छवि पर पड़ सकता है। नगर पंचायत में विभिन्न मुद्दों को लेकर समय-समय पर आरोप लगते रहे हैं।

प्रॉपर्टी डीलर ने पड़ोसी युवती का अपहरण कर किया दुष्कर्म

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

निशातपुरा थाना क्षेत्र में शादीशुदा एक बच्चे के बाप द्वारा पड़ोस में रहने वाली युवती का अपहरण कर उससे कटरा, जम्मू में दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोपी ने युवती के साथ उसके घर मे बर्थ-डे मनाया और फिर उसे अपने साथ कटरा लेकर पहुंचा था। वहां उससे शारीरिक संबंध बना रहा था। एक साथ लापता होने के कारण परिजन ने पुलिस को शिकायत की थी। जब आरोपी को भनक लगी कि थाने में शिकायत हो गई है तो वह युवती को लेकर भोपाल लौट आया। पुलिस ने युवती के बयान दर्ज किए। युवती ने बयान में दुष्कर्म की बात कही और पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के अनुसार 19 साल की युवती थाना क्षेत्र की एक कॉलोनी में रहती है। वह दसवीं कक्षा तक पढ़ी है और घरेलू कामकाज करती है। युवती के पड़ोस में 35 साल का प्रॉपर्टी डीलर रहता है।

चालीहा साहिब के 21वें दिन विशेष धार्मिक आयोजन

झूलेलाल दरबार में गूंजी महाआरती, अच्छी बारिश के लिए वरुण देव से की प्रार्थना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ संतनगर

जय श्री झूलेलाल मंदिर एवं राजावीर मंदिर, इसरानी मार्केट भोपाल में बुधवार को चालीहा साहिब के 21वें दिन श्रद्धा और भक्ति के साथ महाआरती का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन राजा वीर मंदिर के अध्यक्ष लक्खू भाई एवं मंदिर समिति के पदाधिकारियों के नेतृत्व में हुआ,

जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। महाआरती में सिंधी मेला समिति के अध्यक्ष मनीष दरयानी, सुनील मंगरानी और मनोहर लालवानी विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर मनीष दरयानी ने राजावीर एवं झूलेलाल मंदिर समिति को शुभकामनाएं देते हुए भगवान झूलेलाल एवं वरुण देव से प्रदेश में अच्छी बारिश होने और जनकल्याण की प्रार्थना की। महाआरती के समापन पर श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया।

मप्र पुलिस ने लाल परेड ग्राउंड में रोपे 300 पौधे

भोपाल। पर्यावरण संरक्षण, हरित परिसर के विकास एवं स्वच्छ वातावरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मप्र पुलिस की 7वीं वाहिनी, विशेष सशस्त्र बल (विसबल), भोपाल द्वारा सेनानी हितेश चौधरी के नेतृत्व में लाल परेड ग्राउंड, में वृहद पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान लगभग 200 अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा 300 पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम में आगामी 15 अगस्त को आयोजित होने वाली स्वतंत्रता दिवस परेड में भाग लेने वाले परेड कमांडर एसडीओपी आदित्य सिंघारिया, एसडीओपी जैडेन लिंगजेरपा, परेड सेकंड-इन-कमांड (2आईसी) डीएसपी हेमंत कुमार, डीएसपी प्रतिमा जैन आदि मौजूद थे।

योजनाओं को हर परिवार तक पहुंचाने का आह्वान

भाजपा की संयुक्त कार्यकारिणी बैठक में संगठन विस्तार, बूथ सशक्तिकरण का लिया संकल्प

हरिभूमि न्यूज ▶▶ ओबेदुल्लागंज

भारतीय जनता पार्टी ओबेदुल्लागंज मंडल में बुधवार को महिला मोर्चा एवं अनुसूचित जाति मोर्चा की संयुक्त मंडल कार्यकारिणी बैठक आयोजित की गई। बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा मंडल अध्यक्ष डॉ. भूपेंद्र नागर ने कहा कि संगठन की सबसे बड़ी ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं। उन्होंने पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर तक संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रत्येक परिवार तक पहुंचाने का आह्वान किया। बैठक में महिला मोर्चा प्रभारी पूजा मिश्रा, महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष सीमा चौहान और अनुसूचित जाति मोर्चा मंडल अध्यक्ष रणधीर चौधरी सहित नेपाल उपाध्यक्ष, नमीता अग्रवाल, सुलेखा चौहान, आरती यादव, पूजा लोधी, माया राय, सपना रैकवार, हेमलता, मनोज चौरसिया, माधव यादव सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भाजपा मंडल बैठक में एल्डरमैन आरती यादव का किया स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ ओबेदुल्लागंज

भारतीय जनता पार्टी मंडल की बैठक में बुधवार को सभी पदाधिकारियों, महिला कार्यकर्ताओं एवं पार्टी कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में एल्डरमैन आरती यादव का स्वागत किया गया। उपस्थित पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने आरती यादव का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत करते हुए उनके दायित्वों के सफल निर्वहन की शुभकामनाएं दीं।

प्रदेश अध्यक्ष खंडेलवाल की सहमति से सूची जारी

भाजपा जिला कार्यकारिणी घोषित कई नेताओं को मिली जिम्मेदारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ ओबेदुल्लागंज

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की सहमति से जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा ने जिला कार्यकारिणी एवं विशेष आमंत्रित सदस्यों की घोषणा कर दी है। विधायक सुरेंद्र पटवा की अनुशंसा पर वरिष्ठ नेता कन्हैया नंदवंशी, नरेंद्र शर्मा, देवेंद्र सिंह राजू, नगर परिषद उपाध्यक्ष नमीता अग्रवाल, महिला मंडल अध्यक्ष विद्या अग्रवाल, जनपद उपाध्यक्ष साधना बरकरे, सर्वोदय आनंद अहिरवार एवं पूर्व महामंत्री एवं पूर्व मंडल अध्यक्ष को जिला कार्यकारिणी में शामिल किया गया है। नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए संगठन नेतृत्व ने विश्वास जताया कि सभी पदाधिकारी अपने समर्पण, निष्ठा और संगठनात्मक कौशल से पार्टी को और अधिक मजबूत एवं गतिशील बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। संगठन के वरिष्ठ नेताओं ने कहा कि संगठन की शक्ति ही भाजपा की सबसे बड़ी ताकत है और सभी कार्यकर्ता जनसेवा के संकल्प के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करेंगे।

राजधानी के वार्ड-4 के रहवासी और दुकानदार हो रहे परेशान

जर्जर सड़क से रोजाना आवागमन मुश्किल, जल्द निर्माण शुरू कराने की मांग

दो-दो बार भूमि हुआ पूजन, फिर भी नहीं बनी सड़क, 50 लाख की योजना फाइलों में अटकी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ संतनगर

संत हिरदाराम नगर के वार्ड क्रमांक-4 में करीब 50 लाख रुपए की लागत से बनने वाली पंजाब नेशनल बैंक रोड का निर्माण दो बार भूमि पूजन के बावजूद अब तक शुरू नहीं हो सका है। महीनों से लंबित यह परियोजना अब क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गई है। सड़क की बदहाल स्थिति के कारण स्थानीय रहवासियों, दुकानदारों और राहगीरों को रोजाना परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

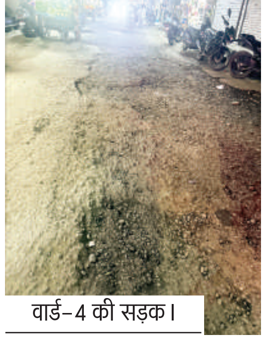
वार्ड-4 की सड़क।

निर्माण कार्य की गंभीरता पर उठे सवाल

सड़क निर्माण का पहला भूमि पूजन 13 मई 2026 को किया गया था। इसके बाद 25 जुलाई को दोबारा भूमि पूजन कर जल्द निर्माण शुरू करने का दावा किया गया, लेकिन दोनों आयोजनों के बाद भी निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सका। सड़क पर गड्ढे, धूल और उबड़-खाबड़ रास्ते के कारण लोगों का निकलना मुश्किल हो गया है। लोगों का कहना है कि दो-दो बार भूमि पूजन के बाद भी निर्माण कार्य शुरू नहीं होना विकास कार्यों की गंभीरता पर सवाल खड़े करता है। आरोप है कि जिम्मेदार विभाग और जनप्रतिनिधि केवल घोषणाएं कर रहे हैं, जबकि जमीन पर काम दिखाई नहीं दे रहा। नागरिकों ने तत्काल निर्माण कार्य शुरू कराने की मांग करते हुए कहा कि बरसात के मौसम में खराब सड़क से दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ गया है। यदि जल्द काम शुरू नहीं हुआ तो क्षेत्रवासी आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

फैक्ट फाइल

- **परियोजना लागत** : 50 लाख रुपए
- **स्थान** : वार्ड क्रमांक-4, संत हिरदाराम नगर
- **पहला भूमि पूजन**: 13 मई 2026
- **दूसरा भूमि पूजन**: 25 जुलाई 2026
- **वर्तमान स्थिति**: निर्माण कार्य अब तक शुरू नहीं
- **स्थानीय मांग**: शीघ्र सड़क निर्माण शुरू कराया जाए।

आज होने वाली बैठक से पहले उठ रहे सवाल

नगर परिषद के एजेंडे पर भाजपा पार्षदों का हंगामा, वार्डों की अनदेखी से बढ़ा असंतोष

हरिभूमि न्यूज ▶▶ ओबेदुल्लागंज

नगर परिषद ओबेदुल्लागंज की 6 अगस्त (आज) को प्रस्तावित परिषद बैठक के एजेंडे को लेकर भाजपा के पार्षदों और नेताओं ने नाराजगी जताई है। उनका आरोप है कि एजेंडे में नगर के अन्य वार्डों की अनदेखी की गई है, जिससे व्यापारियों और नगर के गणमान्य नागरिकों में भी रोष व्याप्त है। भाजपा पार्षद दीपू परमार, हेमलता, मनोज चौरसिया तथा नगर परिषद उपाध्यक्ष नमीता बागीश अग्रवाल ने कहा कि परिषद के एजेंडे में सभी वार्डों को समान महत्व नहीं दिया गया। उनका कहना है कि विकास कार्यों के चयन में संतुलन होना चाहिए, ताकि प्रत्येक वार्ड के नागरिकों को समान लाभ मिल सके।

ओबेदुल्लागंज नगर परिषद।

वहीं भाजपा नेता पुरुषोत्तम शर्मा ने आरोप लगाया कि वार्ड क्रमांक-13 और 14 की स्थिति पिछले चार वर्षों में बेहद खराब हो गई है। उन्होंने कहा कि इन वार्डों के नागरिक विकास कार्यों के बजाय गंदगी और अव्यवस्थाओं का सामना कर रहे हैं।

ब्रिक्स संस्कृति सम्मेलन में तीन विशेष प्रदर्शनियां बनीं आकर्षण का केंद्र

प्रोजेक्ट मौसम, बृहत्तर भारत और ज्ञान भारतम के माध्यम से भारत की सांस्कृतिक विरासत का हो रहा प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मानसूनी हवाओं से आकार लेने वाली साझा समुद्री विरासत और हिंद महासागर क्षेत्र में दो सहस्राब्दियों से अधिक समय से विकसित सांस्कृतिक संबंधों की ऐतिहासिक यात्रा से परिचित कराती 'प्रोजेक्ट मौसम', भारत और विश्व के बीच हजारों वर्षों से चले आ रहे सांस्कृतिक, आध्यात्मिक, बौद्धिक और कलात्मक संबंधों को रेखांकित करती 'बृहत्तर भारत' सहित प्राचीन पांडुलिपियों का सर्वेक्षण, वैज्ञानिक संरक्षण, एआई आधारित डिजिटलीकरण तथा वैश्विक स्तर पर उनके अध्ययन और प्रसार को बढ़ावा देती 'ज्ञान भारतम' प्रदर्शनी से सजी दीर्घाओं ने दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। ब्रिक्स संस्कृति सम्मेलन के अंतर्गत कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में आयोजित यह तीन विशेष प्रदर्शनियां 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' और 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भारतीय अवधारणा को साकार करते हुए ब्रिक्स देशों के बीच सांस्कृतिक सहयोग और आपसी समझ को नई मजबूती प्रदान कर रही हैं।

व्यापारियों, बौद्ध भिक्षुओं, विद्वानों, कलाकारों से जुड़ा भारत दर्शाती 'बृहत्तर भारत'

'बृहत्तर भारत' प्रदर्शनी बताती है कि आधुनिक राजनीतिक सीमाओं के बनने से बहुत पहले भारत व्यापारियों, बौद्ध भिक्षुओं, विद्वानों, कलाकारों और यात्रियों के माध्यम से एशिया, अफ्रीका और विश्व के अनेक देशों से जुड़ा हुआ था।

हिंद महासागर क्षेत्र से जुड़े देशों के बीच प्राचीन संबंधों को पुनर्जीवित करता 'प्रोजेक्ट मौसम'

'प्रोजेक्ट मौसम' संस्कृति मंत्रालय की एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसका उद्देश्य साझा सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और समुद्री विरासत से हिंद महासागर क्षेत्र से जुड़े देशों के बीच प्राचीन संबंधों को पुनर्जीवित करना है।

डिजिटल डिस्प्ले और इंटरैक्टिव माध्यमों से दर्शाई भारतीय ज्ञान परम्परा

वहीं 'ज्ञान भारतम' प्रदर्शनी में डिजिटल डिस्प्ले और इंटरैक्टिव माध्यमों से भारतीय ज्ञान परंपरा, पांडुलिपियों के संरक्षण और आधुनिक तकनीक के उपयोग की जानकारी दी जा रही है। आगंतुक यहां गणित, दर्शन, साहित्य, अध्यात्म और वैदिक ज्ञान से जुड़ी दुर्लभ पांडुलिपियों का अवलोकन कर रहे हैं।

भोपाल के फिल्ममेकर मयंक हार्ले-डेविडसन इंडिया के 'फ्रीडम क्रू' में टॉप-5 में शामिल

भोपाल। भोपाल के 22 वर्षीय फिल्ममेकर एवं सिनेमैटोग्राफर मयंक कुशवाह ने हार्ले-डेविडसन इंडिया द्वारा आयोजित देशव्यापी 'फ्रीडम क्रू' कंटेंट क्रिएटर प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए पूरे भारत के टॉप-5 क्रिएटर्स में अपनी जगह बनाई है। करीब दो महीने पहले हार्ले-डेविडसन इंडिया ने कंटेंट क्रिएटर्स के लिए एक राष्ट्रीय प्रतियोगिता आयोजित की थी। पहले राउंड में मयंक ने अपनी कहानी कहने की शैली से पूरे देश के टॉप-62 प्रतिभागियों में स्थान बनाया। इसके बाद द साउंड ऑफ हार्ले थीम पर बनाई गई उनकी रील, जिसमें उन्होंने हार्ले की आवाज़ की तुलना गरजते बादलों से की, उन्हें प्रतियोगिता के अंतिम 13 प्रतिभागियों तक ले गई। फाइनल राउंड के लिए हार्ले-डेविडसन इंडिया ने मयंक को दिल्ली आमंत्रित किया, जहाँ कंटेंट क्रिएशन चैलेंज, इंजन असेंबली टास्क और व्यक्तिगत व ग्रुप इंटरव्यू के बाद उन्हें देश के टॉप-5 फ्रीडम क्रू क्रिएटर्स में चुना गया।

भारतीय सांस्कृतिक विविधता, लोक परंपराओं से हुए अवगत

ब्रिक्स देशों के प्रतिनिधियों ने देखा मानव संग्रहालय तो कर उठे वाह...

केरल के आल-विलक्कु-1001 दीपकों को प्रज्वलित करते प्रतिनिधि।

मानव संग्रहालय परिसर का ई कार्ट से भ्रमण करता दल।

भ्रमण के दौरान मानव संग्रहालय की प्रशंसा करते प्रतिनिधि।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

तृतीय ब्रिक्स सांस्कृतिक कार्य समूह की बैठक के अंतर्गत ब्रिक्स सदस्य देशों ब्राज़ील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, इथोपिया ईरान, इंडोनेशिया तथा संयुक्त अरब अमीरात के सांस्कृतिक प्रतिनिधियों ने मानव संग्रहालय परिसर का भ्रमण कर भारत की समृद्ध सांस्कृतिक एवं लोक विरासत का निकट से अवलोकन किया। इस अवसर पर जहां प्रतिनिधिमंडल ने संग्रहालय की मुक्ताकाश प्रदर्शनी के अंतर्गत कुम्हार पारा, पारंपरिक तकनीकी उद्यान तथा हिमालयन विलेज प्रदर्शनी का भ्रमण किया। तो वहीं केरल की पारंपरिक धरोहर आल-विलक्कु-1001 दीपकों वाले भव्य अनुष्ठानिक दीप के प्रज्वलन का भी अवलोकन किया।

श्रीकृष्ण के जीवन प्रसंगों को दर्शाती कथक नृत्य प्रस्तुति

शाम की बेला में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम में गुरु क्षमा मालवीय के निर्देशन मनभावन कथक नृत्य प्रस्तुति में भगवान श्रीकृष्ण के जीवन प्रसंगों के माध्यम से भारतीय शास्त्रीय सौंदर्यशास्त्र के नौ रसों का सजीव चित्रण किया तो वहीं काली स्तवन में देवी काली के शक्ति, साहस, निर्भीकता एवं करुणा स्वरूप को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया।

टाटी लोकगीत गाते नागा कलाकार

सांस्कृतिक संध्या का एक प्रमुख आकर्षण नागालैंड के फेक जिले के चकेसांग नागा समुदाय के कलाकारो द्वारा प्रस्तुत पारंपरिक टाटी लोकगीत रहे।

एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियों ने खींचा विदेशी मेहमानों का ध्यान

29 स्टूडेंट्स ने फैशन शो में दिखाई क्रिएटिविटी

इसकी अगली कड़ी में एन आई डी के 29 स्टूडेंट्स ने शिखर से तट तक थीम पर फैशन शो विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। जिसमें हिमालय से लेकर समुद्री तटों तक भारत की भौगोलिक एवं सांस्कृतिक यात्रा को पारंपरिक एवं समकालीन परिधानों के माध्यम से साकार किया गया। इस फैशन शो में मॉडल, डिज़ाइनर, कॉन्सेप्ट डेवलपर, ड्रेपर, मेकअप एवं हेयर स्टाइलिस्ट सभी स्टूडेंट्स ही थे।

स्त्री जीवन, उसके त्याग, उसकी छोटी सी आजादी की मार्मिक कहानी 'उड़ान'

द राइजिंग सोसायटी ऑफ आर्ट के नाटक का मंचन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

द राइजिंग सोसायटी ऑफ आर्ट की प्रस्तुति 'उड़ान' पांच साधारण लेकिन साहसी महिलाओं शीला, बंटी, रानी, कुंती और वीरा के संघर्ष, सपनों की मार्मिक कहानी है। आर्थिक तंगी, जिम्मेदारियों, घरेलू हिंसा, उपेक्षा, और सामाजिक बंधनों के बीच जी रही ये महिलाएं एक दिन अपने लिए जीने का निर्णय लेती हैं और कनॉट प्लेस घूमने निकल पड़ती हैं। यह छोटा-सा सफर उन्हें जीवनभर याद रहने वाली खुशी देता है, लेकिन घर लौटने पर समाज उनके चरित्र पर सवाल खड़े कर देता है। नाटक स्त्री के जीवन, उसके त्याग और उसकी छोटी-सी आजादी की बड़ी कीमत को बेहद संवेदनशील ढंग से प्रस्तुत करता है।

संवाद ही बने संगीत और ताल

इस प्रस्तुति की विशेषता यह है कि इसमें बाहरी संगीत का प्रयोग नहीं किया गया है। संवाद ही संगीत और ताल का काम करते हैं। अभिनय प्रधान इस नाटक में न्यूनतम सेट एवं प्रॉपर्टी का उपयोग किया गया है, जबकि प्रभावशाली प्रकाश संयोजन इसकी प्रस्तुति को और आकर्षक बनाता है।

फिटब्लिस फिटनेस कार्निवल के 5वें दिन बिंदिया शेट्टी की स्पिनिंग मास्टरक्लास

इंटरवल-बेस्ड साइकिलिंग वर्कआउट्स, परफॉर्मेंस आधारित ट्रेनिंग मेथड्स से कराया परिचित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

हृदय स्वास्थ्य को बढ़ावा देने और निवारक स्वास्थ्य देखभाल में नियमित शारीरिक गतिविधि के महत्व को रेखांकित करते हुए, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध फिटनेस एजुकेटर और मास्टर ट्रेनर बिंदिया शेट्टी ने फिटब्लिस बाय श्रुति कपूर द्वारा आयोजित फिटब्लिस फिटनेस कार्निवल 2026 के पांचवें दिन एक विशेष स्पिनिंग मास्टरक्लास ली। बिंदिया शेट्टी ने दैनिक जीवन में नियमित शारीरिक गतिविधि को शामिल करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने एंड्योरेंस ट्रेनिंग, व्यायाम में निरंतरता और सक्रिय जीवनशैली के महत्व के बारे में बताया।

इंडोर साइक्लिंग तकनीकों पर किया ध्यान केंद्रित

इस मास्टरक्लास में वैज्ञानिक रूप से तैयार की गई इंडोर साइक्लिंग तकनीकों पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसका उद्देश्य प्रतिभागियों की हृदय संबंधी क्षमता, मांसपेशियों की ताकत, स्टैमिना और संपूर्ण शारीरिक फिटनेस को बेहतर बनाना था। प्रतिभागियों को इंटरवल-बेस्ड साइकिलिंग वर्कआउट्स, परफॉर्मेंस आधारित ट्रेनिंग मेथड्स और रिकवरी तकनीकों से परिचित कराया गया।

एमएलबी कॉलेज में नैतिक मूल्यों के संरक्षण पर ज्ञान संवाद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

एमएलबी कॉलेज में नैतिक मूल्यों के संरक्षण पर ज्ञान संवाद श्रृंखला का आयोजन आईटी सेल द्वारा किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्या डॉ वंदना श्रीवास्तव द्वारा ढेर सारे प्रश्नों से घिरे चित्र को अनावरित करके किया गया। प्राचार्या ने कहा की सभी समस्याओं का समाधान है, नैतिक मूल्यों को जीवन में सर्वोपरि रखना चाहिए। इस अवसर पर विशेषज्ञ के रूप में डॉ सीमा रायजादा, डॉ अनीता पुरी सिंह, डॉ स्वाति खरे, डॉ तैयबा खातून सहित बड़ी संख्या में विशेषज्ञ शामिल थे। जिन्होंने नैतिक मूल्य को सर्वोपरि रखते हुए सही रास्ता बताया गया।

छात्राओं से कई प्रश्न पूछे

पूर्णतया संवादात्मक कार्यक्रम में छात्राओं से कई प्रश्न पूछे गए, इनमें मोबाइल का अधिकतम उपयोग क्यों करते हैं, जोर से क्यों बोलते हैं, आपके बायोलॉजिकल गलत क्यों हैं, मनी मैनेजमेंट का फंडा क्या है आदि।

मृगनयनी जीटीबी में शुरू हुआ चंदेरी-कोसा साड़ी उत्सव

सौसर टसर सिल्क और चंदेरी की बेजोड़ कारीगरी का दिखा संगम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्यप्रदेश हस्तशिल्प एवं हाथकरघा विकास निगम द्वारा संचालित मृगनयनी जीटीबी में चंदेरी एवं कोसा साड़ी उत्सव का शुभारंभ हुआ। 17 अगस्त तक चलने वाले इस उत्सव में मध्यप्रदेश की पारंपरिक बुनाई, हस्तशिल्प और प्राकृतिक रंगों से तैयार किए गए उत्कृष्ट उत्पाद एक ही स्थान पर प्रदर्शित किये गये हैं। इस प्रदर्शनी में विशेष रूप से शिल्पी नवीन शर्मा द्वारा प्रस्तुत टसर सिल्क (सौसर सिल्क) प्रदर्शित किया गया है। यह सिल्क अपनी प्राकृतिक सुनहरी आभा, मजबूत रेशों, हल्के वजन और लंबे समय तक टिकाऊ रहने की विशेषता के कारण देशभर में पसंद किया जाता है।

इसलिए विशेष होता है टसर सिल्क

शिल्पी नवीन ने बताया कि टसर सिल्क पूरी तरह प्राकृतिक रेशम है, जिसे जंगलों में पाए जाने वाले रेशम की कीड़े के कोकून से प्राप्त किया जाता है। इन कीड़े का पालन मुख्य रूप से अर्जुन, आसन, साल एवं अन्य वन वृक्षों पर किया जाता है। कोकून से निकाले गए प्राकृतिक रेशमी धागे को सूत के रूप में तैयार कर पारंपरिक करघों पर बुना जाता है। प्राकृतिक बनावट के कारण इस धागे में हल्की सुनहरी चमक होती है, जो बिना अधिक रासायनिक प्रसंस्करण के भी आकर्षक दिखाई देती है। यही कारण है कि सौसर टसर सिल्क की साड़ियां गर्मियों में अपेक्षाकृत ठंडी तथा सर्दियों में आरामदायक महसूस होती हैं और उनकी बनावट वर्षों तक बनी रहती है।

संयमित, संस्कारित युवा ही राष्ट्र की शक्ति

चयनित अधिकारी पद का नहीं, अपने संस्कारों का परिचय दें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि भारत युवाओं का देश है संयमित, अनुशासित जीवन मूल्यों से संस्कारित युवा ही समाज और राष्ट्र के विकास की असली ताकत होते हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से प्रारंभ किए गए नशा मुक्त भारत अभियान के संदर्भ में नशे के दुष्प्रभावों की चिंता व्यक्त करते हुए परिवार और समाज को नशा मुक्त बनाने में सहयोग की अपील की है। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित सिविल सेवा के चयनित प्रतियोगियों को बधाई देते हुए कहा कि उनका सम्मान उनके ज्ञान, संस्कार, उत्तरदायित्व और नेतृत्व के साथ देश के भविष्य निर्माण की पहल है। राज्यपाल पटेल बुधवार को सिविल सेवा चयनित प्रतिभागियों के अभिनंदन एवं मार्गदर्शक सम्मान समारोह को नर्मदा क्लब भोपाल में संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने कहा कि अधिकारी के रूप में चयनित प्रतिभागी जहां भी जाएं अथवा जिससे भी मिले उसमें पद का अभिमान नहीं होना चाहिए। उनके संघर्ष के संस्कार होने चाहिए। उन्होंने दृष्टांतों के माध्यम से प्रतिभागियों को वाणी में विनम्रता, व्यवहार में धैर्य, संवेदनशीलता और वंचितों के प्रति समानुभूति होने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि जीवन में सफलता के लिए आत्म चिंतन जरूरी है।

रात में सोने से पहले आत्म चिंतन करें, सोचे दिन भर में क्या सही और क्या गलत किया है। नए दिन का प्रारंभ गलतियों को नहीं दोहराने के संकल्प के साथ करेंगे तो देखेंगे की हर रोज आप बेहतर इंसान बन रहे हैं।

सिविल सेवा चयनित प्रतिभागियों का अभिनंदन; मार्गदर्शकों का हुआ सम्मान

गलतियों को नहीं दोहराने के संकल्प के साथ नए दिन की शुरुआत करने से मिलेगा लाभ

चयनित प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते राज्यपाल पटेल।

सफलता कठोर परिश्रम, अनुशासन और मार्गदर्शकों का परिणाम

महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने कहा कि सफलता कठोर परिश्रम, अनुशासन और मार्गदर्शकों के मार्गदर्शन का परिणाम होती है। उन्होंने चयनित प्रतिभागियों से उत्कृष्टता, विश्वसनीयता और संवेदनशीलता को जीवन का आधार बनाने के लिए कहा। सफल प्रतियोगियों को उनके अनुभव और संघर्ष को भावी पीढ़ी के साथ साझा करने तथा भविष्य में महत्वपूर्ण दायित्व निभाते समय महिलाओं, बच्चों और समाज के अंतिम व्यक्ति के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आह्वान किया है।

अधिकारी और जनप्रतिनिधि का उद्देश्य जनसेवा

विधायक रामेश्वर शर्मा ने चयनित प्रतियोगियों को बधाई देते हुए कहा कि अधिकारी और जनप्रतिनिधि का उद्देश्य जनसेवा है, इसलिए दोनों के बीच समन्वय और सामंजस्य आवश्यक है। उन्होंने कहा कि चयन व्यक्तिगत संकल्प की सफलता है, लेकिन अधिकारी के रूप में लक्ष्य राष्ट्र निर्माण होना चाहिए। आपकी प्रगति तभी सार्थक होगी, जब वह देश और समाज की उन्नति में योगदान दे।

पद सरकार देती है, लेकिन प्रतिष्ठा समाज देता है

मप्र राज्य निर्वाचन आयोग के अध्यक्ष मनोज श्रीवास्तव ने कहा कि सपने संकल्प, निरंतर प्रयास और संघर्ष से साकार होते हैं। भारतीय परंपरा में उसका उत्सव बनता है जो दूसरों को आगे बढ़ाने में सक्षम होता है। पद सरकार देती है, लेकिन प्रतिष्ठा समाज देता है। संकल्प फाउंडेशन प्रतिभाओं में राष्ट्रप्रेम, भाषा प्रेम और संस्कार विकसित करने का सराहनीय कार्य कर रहा है। लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष अशोक पाण्डे ने संविधान सम्मत जनसेवा, समानुभूति और सच्ची राष्ट्रभक्ति का संदेश दिया।

सहकारिता का मूल मंत्र 'मैं नहीं हम', जनहित को दें प्राथमिकता

भोपाल। मप्र विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने अधिकारियों से नवाचार, पारदर्शिता और जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आह्वान करते हुए कहा कि लोकतंत्र की वास्तविक ताकत योजनाओं को जनता तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने वाले अधिकारियों के कार्यों में दिखाई देती है। बुधवार को विधानसभा परिसर में आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी के आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत आए करीब 60 प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित करते हुए तोमर ने कहा कि सहकारिता का मूल मंत्र मैं नहीं, हम है। उन्होंने अमूल और गुजरात के सहकारिता मॉडल का उल्लेख करते हुए मध्यप्रदेश में भी ऐसे सफल प्रयोगों को अपनाने पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि श्रम अधिकारियों को श्रमिकों के हितों और औद्योगिक विकास के बीच संतुलन बनाकर काम करना चाहिए, जबकि पुलिस अधिकारियों की पहचान भय नहीं, बल्कि भरोसे की प्रतीक होनी चाहिए। श्री तोमर ने अधिकारियों से व्यवस्था को मजबूत करने, सही बात कहने का साहस रखने और जनता के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सुशासन में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

अखिल भारतीय सेवा के अधिकारियों के लिए मुख्य सचिव की ओर से सर्कुलर जारी

अफसरों को सेवानिवृत्ति के बाद भी मिल सकेगी सरकारी खर्च पर कानूनी सहायता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

अखिल भारतीय सेवाओं के अंतर्गत आने वाले आईएएस, आईपीएस और आईएफएस अधिकारियों को सेवानिवृत्ति के बाद भी सरकारी खर्च पर कानूनी सहायता मिल सकेगी। इस संबंध में मुख्य सचिव की ओर से एक सर्कुलर जारी किया है। इसमें कहा गया है कि यदि अखिल भारतीय सेवाओं के अधिकारियों के खिलाफ उनके सरकारी कर्तव्यों के निर्वहन के दौरान किए गए आधिकारिक कार्यों से जुड़े मामलों में राज्य सरकार के खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई शुरू होती है, तो सरकार ऐसे मामलों में अधिकारियों के बचाव के लिए कानूनी मदद उपलब्ध कराएगी।

सर्कुलर के अनुसार, यदि किसी अधिकारी पर उसके आधिकारिक कार्य से जुड़े मामले में निजी व्यक्ति की ओर से केस दर्ज कराया जाता है, तो राज्य सरकार पहले यह विचार करेगी कि संबंधित अधिकारी की ओर से अपने बचाव में किए गए खर्च का भुगतान राज्य सरकार को करना चाहिए या नहीं। यदि सरकार यह मानती है कि अधिकारी का कोई निजी स्वार्थ नहीं था और मामला पूरी तरह सरकारी कार्य से जुड़ा है, तो उसके बचाव में हुए कानूनी खर्च की प्रतिपूर्ति की जा सकेगी।

सरकार देखेगी अफसर का कोई निजी स्वार्थ तो नहीं था

मामला पूरी तरह सरकारी कार्य से जुड़ा होना चाहिए

फाइल फोटो।

भ्रष्टाचार, धोखाधड़ी कृत्य पर नहीं होगी मदद

यदि यह पाया जाता है कि संबंधित अधिकारी ने अपने पद का दुरुपयोग किया है, भ्रष्टाचार, धोखाधड़ी, निजी स्वार्थ या अन्य आपराधिक कृत्य में संलिप्तता रही है, या मामले में सरकार का पक्ष कमजोर है, तो ऐसे मामलों में राज्य सरकार कानूनी खर्च का भुगतान नहीं करेगी। यदि किसी अधिकारी के खिलाफ विभागीय या न्यायिक कार्रवाई में आरोप सिद्ध हो जाते हैं, तो उस पर किए गए कानूनी खर्च की वसूली भी की जा सकेगी।

पीडब्ल्यूडी में ट्रांसफर के डेढ़ माह बाद भी उपयंत्री ने नहीं किया ज्वाइन

मप्र लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) में तबादला आदेशों के पालन में सागर के एक मामले को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। विभाग के विद्युत-यांत्रिकी संभाग भोपाल में पदस्थ उपयंत्री जतन लाल अहिरवार का 15 जून को सागर स्थानांतरण किया गया था, लेकिन आदेश जारी होने के करीब डेढ़ माह बाद भी उन्होंने नई पदस्थापना पर कार्यभार ग्रहण नहीं किया है। अब सागर के कार्यपालन यंत्री ने मुख्य अभियंता को पत्र लिखकर संज्ञान लेने को कहा है। जानकारी के अनुसार 26 जून को भोपाल के कार्यपालन यंत्री ने उन्हें कार्यमुक्त कर तत्काल सागर में पदभार ग्रहण करने के निर्देश दिए थे।

इसके बावजूद उन्होंने सागर में जॉइनिंग नहीं की। इसमें निर्धारित अवधि बीतने के बाद सागर के कार्यपालन यंत्री ने 7 जुलाई को प्रमुख अभियंता को एक पत्र लिखकर मामले में आवश्यक कार्रवाई की मांग की। सूत्रों के अनुसार स्थानांतरण से बचने के लिए उपयंत्री ने उच्च न्यायालय में याचिका भी दायर की थी, लेकिन सरकार की ओर से कैविएट दायर किए जाने के कारण उन्हें कोई अंतरिम राहत नहीं मिल सकी। इसके बावजूद उन्होंने नई पदस्थापना पर कार्यभार ग्रहण नहीं किया।

नहीं उठाया गया ठोस कदम

मजे की बात यह है कि सागर के कार्यपालन यंत्री के कार्रवाई की मांग किए जाने के लगभग एक माह बाद भी विभागीय स्तर पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। सूत्रों का कहना है कि मामले को जानबूझकर लंबित रखा जा रहा है। पीडब्ल्यूडी में इस बात को लेकर सवाल भी उठ रहा है कि जब एक अधिकारी स्थानांतरण आदेश का पालन नहीं कर रहा है। संबंधित कार्यपालन यंत्री स्वयं कार्रवाई की अनुशंसा कर चुके हैं, तब भी विभागीय अधिकारियों की ओर से चुप्पी क्यों साधी गई है। यदि समय रहते कार्रवाई नहीं होती है, तो इससे स्थानांतरण व्यवस्था की विश्वसनीयता और विभागीय अनुशासन दोनों पर सवाल खड़े होना स्वाभाविक है।

शॉल-श्रीफल देकर किया सम्मानित

जल संसाधन कर्मियों ने प्रमोशन की खुशी में किया मंत्री का सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

जल संसाधन विभाग के सहायक ग्रेड 3 से सहायक ग्रेड 2 पर पदोन्नति पाने वाले कर्मचारियों ने शासकीय कर्मचारी परिसंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशील कुमार पाण्डेय ने नेतृत्व में जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट का आभार व्यक्त कर शाल और श्रीफल भेंट कर स्वागत किया। सुशील कुमार पाण्डेय ने बताया कि बुधवार को मुख्य अभियंता के स्वागत कक्ष में जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट का सहायक ग्रेड 3 से सहायक ग्रेड 2 पर पदोन्नति पाने वाले कर्मचारियों ने शाल और श्रीफल भेंट करके स्वागत किया गया। इस अवसर पर राकेश प्रधान, सुरेश रैकवार, आदि द्वारा मंत्री का पुष्पहार से स्वागत कर आभार माना।

जनसमस्याओं का तुरंत करें निराकरण

मंत्री सारंग और पटेल ने सुनी कार्यकर्ताओं की जनसमस्याएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्यप्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री विश्वास सारंग एवं मंत्री लखन पटेल ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए पार्टी कार्यकर्ताओं से आत्मीय मुलाकात कर उनकी जनसमस्याओं एवं सुझावों को गंभीरता से सुना।

मंत्रीद्वय ने कार्यकर्ताओं द्वारा उठाए गए विभिन्न विषयों पर संबंधित अधिकारियों से तत्काल चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए तथा जिन मामलों का मौके पर निराकरण संभव था, उनका तत्काल समाधान कराया। जिन प्रकरणों में विस्तृत प्रक्रिया अपेक्षित है, उन्हें संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई एवं शीघ्र निराकरण के लिए भेजा गया।

मप्र शासन के कैबिनेट मंत्री विश्वास सारंग एवं मंत्री लखन पटेल ने कार्यकर्ताओं को आश्वस्त किया कि उनकी ओर से प्राप्त जनसमस्याओं का गंभीरतापूर्वक परीक्षण कर प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। कार्यकर्ताओं के माध्यम से प्राप्त जनसमस्याओं का त्वरित, पारदर्शी और प्रभावी समाधान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

क्रेटा ने ऑटो को मारी टक्कर, रेस्टोरेंट का पिलर तोड़ दुकान में घुसी

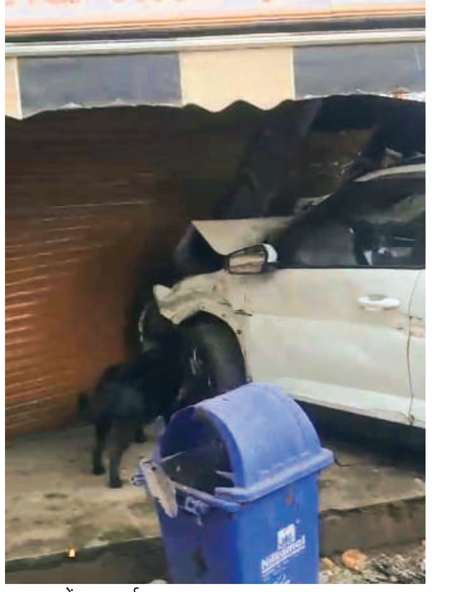
दुकान में घुसा दुर्घटनाग्रस्त वाहन।

देर रात होने के कारण ऑटो और रेस्टोरेंट में नहीं था कोई, बड़ा हादसा टला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

कोहेफिजा थाना क्षेत्र स्थित लालघाटी चौराहा पर मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात करीब ढाई बजे तेज रफ्तार क्रेटा कार ने आटो स्टैंड पर खड़े दो आटो में टक्कर मारी फिर अनियंत्रित होकर रेस्टोरेंट में जा घुसी। गनीमत रही कि हादसे के समय आटो और रेस्टोरेंट में कोई नहीं था। नहीं तो हादसा बड़ा हो सकता था और जान भी जा सकती थी। क्रेटा कार की रफ्तार का अंदाजा रेस्टोरेंट को देखकर लगाया जा सकता है।

दरअसल, कार की टक्कर से रेस्टोरेंट का पिल्लर क्षतिग्रस्त होकर टूट गया, जबकि शटर सहित अन्य सामान भी टूटा है। इस हादसे में रेस्टोरेंट संचालक का लाखों रुपए का नुकसान हुआ है। इधर हादसे के बाद क्रेटा कार में सवार युवक मौके से भाग निकले। पुलिस ने रेस्टोरेंट संचालक की शिकायत पर मामला दर्ज किया है। पुलिस कार के नंबर के आधार पर आरोपी चालक की तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार रघुवीर यादव (50) सिंगारचोली एयरपोर्ट रोड इलाके में रहते हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि वह लालघाटी चौराहा पर जय मातादी नाम से रेस्टोरेंट का संचालन करते हैं। मंगलवार रात वह रेस्टोरेंट बंद चुके थे।

रात करीब ढाई बजे के आसपास सफेद रंग की क्रेटा कार के चालक ने तेजी और लापरवाही गाड़ी चलाते हुए आटो स्टैंड पर खड़े दो आटो में टक्कर मार दी। टक्कर मारने के बाद कार रुकी नहीं बल्कि उनके रेस्टोरेंट में आकर घुस गई। इससे रेस्टोरेंट के सामने का हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। रेस्टोरेंट का मुख्य पिल्लर और उसमें लगा शटर भी टूट गया। दुकान के अंदर रखा सामान भी क्षतिग्रस्त हुआ है। पिल्लर टूटने के कारण वह दुकान के अंदर नहीं पहुंच सके। उन्हें डर है कि पिल्लर टूटने से छत कभी गिर सकती है।

गांधी नगर की तरफ से आ रही थी कार

पुलिस पड़ताल में पता चला कि गांधी नगर की तरफ से आ रही थी। कार रफ्तार में थी और कार चला रहे ड्राइवर ने कार से नियंत्रण खो दिया। अनुमान है कि नशे के कारण हादसा हुआ है। पुलिस ने इस मामले में जांच शुरू कर दी है कि आरोपी नशे में तो नहीं था।

मां को अपशब्द कहने पर उपजा था विवाद

पड़ोसी की हत्या के आरोपी को आजीवन कारावास की सजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मामूली विवाद पर पड़ोसी युवक की धारदार हथियारों से हत्या करने के मामले के मुख्य आरोपी कुणाल उर्फ हर्ष रैकवार को अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश अजय पेंदाम ने दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास और 5000 रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया है। मुख्य आरोपी की माता उमा भारती रैकवार एवं पिता जयशंकर रैकवार को न्यायालय ने मारपीट के आरोप में एक वर्ष के कारावास की सजा सुनाई हैं। न्यायालय ने मामले के सहआरोपी येशू रैकवार को साक्ष्य के अभाव में दोषमुक्त कर दिया है।

अभियोजन के अनुसार थाना शाहपुरा अंतर्गत दिनांक 4 जून 2022 को शाम 4:30 बजे डूडी इमली बावड़िया कलां क्षेत्र की बस्ती में शांताबाई नामक महिला अपने घर के सामने की सड़क के गड्ढे भरने के लिए सीमेंट-रेत का मसाला बना रही थी। शराब के नशे में सड़क से गुजर रहे जयशंकर रैकवार ने शांताबाई द्वारा बनाए गए सीमेंट-रेत के मसाले पर गंदा पानी बहा दिया। आरोपी की इस हरकत का शांताबाई द्वारा विरोध करने पर आरोपी ने मां-बहन की गंदी गालियां देते हुए डंडे ,फावड़े, लोहे के बका और चाकू से शांताबाई और उसके पुत्रों अजय बैरागी एवं सरवन बैरागी के ऊपर प्राणघातक हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया था। डॉक्टरों ने सरवन बैरागी को मृत घोषित कर दिया और घायल शांताबाई और तथा अजय बैरागी को इलाज के लिए भर्ती कर लिया था। थाना शाहपुरा ने फरियादी अजय बैरागी की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ हत्या का अपराध पंजीबद्ध कर अभियुक्त को गिरफ्तार कर प्रकरण की विवेचना के उपरान्त प्रकरण न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

हादसे में मृत व्यक्तियों के परिजनों को 96.88 लाख का मुआवजा

भोपाल। होशंगाबाद से भोपाल आते समय सड़क दुर्घटना में मारे गए व्यवसायी मुकेश साहू, उनकी पत्नी विनीता के परिजनों को मोटर एक्सीडेंट क्लेम ट्रिब्यूनल के पीठासीन अधिकारी जिला न्यायाधीश हिमांशु कौशल ने 96 लाख 55 हजार 896 रुपए का मुआवजे के आदेश दिए हैं।

ट्रिब्यूनल ने बाइक के चालक एवं स्वामी सहित मोटर साइकिल की बीमा कंपनी आईसीआईसीआई लोम्बार्ड जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड भोपाल को मृतकों के बच्चों एवं वृद्ध माता को 6 प्रतिशत वार्षिक ब्याज के 96 लाख 55 हजार 896 रुपए रुपए की मुआवजा पृथक अथवा संयुक्त रूप से प्रदान किए जाने के आदेश दिए हैं। ट्रिब्यूनल में मृतकों के परिवार वालों ने अधिवक्ता आरके हिंगोरानी और सनी हिंगोरानी के माध्यम से दुर्घटना दावा प्रकरण दायर कर मृतकों की आय के आधार पर मुआवजा की राशि दिलाए जाने के आदेश दिए जाने की मांग की थी।

स्विफ्ट डिजायर से गांजे की तस्करी

24 किलो गांजे के साथ पुलिस ने गिरफ्तार किए दो तस्कर

पुलिस गिरफ्तार में आरोपी एवं अपराध में प्रयुक्त कार एवं गांजा।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

क्राइम ब्रांच की टीम ने नेहरू नगर में दो गांजा तस्करों को गिरफ्तार कर उनके पास से 24.130 किलोग्राम गांजा जब्त किया है। आरोपी स्विफ्ट डिजायर कार से गांजे की तस्करी कर रहे थे। उनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में कार्रवाई करते हुए गांजे के बारे में पूछताछ की जा रही है।

पुलिस के अनुसार मुखबिर से सूचना मिली थी कि हिल्स व्यू गार्डन के पीछे खाली मैदान नेहरू नगर में एक स्विफ्ट डिजायर कार खड़ी है। कार में दो संदिग्ध बैठे हैं और उनके पास गांजा है। क्राइम ब्रांच की टीम बताए स्थान पर पहुंची और घेराबंदी कर कार में बैठे दो संदिग्धों को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम मुस्ताक अली पिता नूर अली वकील कॉलोनी करोंद बताया, जबकि ड्रायवर सीट के बगल में बैठे व्यक्ति ने अपना नाम आदिल अली पिता अय्युब अली मोतीलाल नगर करोंद बताया। मुस्ताक अली ने बताया कि वह गाड़ी उसकी है। कार की डिग्गी खुलवाई गई तो डिग्गी में सफेद रंग की बोरी में अवैध गांजा रखा मिला।

मध्यप्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल

योजना की विस्तृत जानकारी www.mphousing.in/www.mponline.gov.in पर उपलब्ध है।

सैफायर पार्क सिटी कटारा हिल्स भोपाल में विभिन्न श्रेणी के डुप्लेक्स भवन यथा स्थिति विक्रय हेतु उपलब्ध

MP Online Help Line 0755-6720200

क्र.	भवन का प्रकार	संख्या	भूखण्ड का अनुमानित क्षेत्र (व.मी.)	निर्मित क्षेत्रफल (व.मी.)	भवनों का अनुमानित मूल्य (रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)	आवेदन शुल्क (रुपये)
1.	HIG Villa-B (3 BHK)	B-49, B-50, B-51, B-52, B-57, B-58, B-59 (07 भवन)	93.75 व.मी.	135.71 व.मी.	71.67	10.75	1770/-
2.	HIG Villa-C (3 BHK)	C-106, C-107, C-109, C-111 (04 भवन)	81.25 व.मी.	118.91 व.मी.	62.65	9.39	1770/-

नोट :- (1) इच्छुक क्रेताओं से अनुरोध है कि ऑफर प्रस्तुत करने से पूर्व स्थल निरीक्षण अवश्य कर लें, मंडल तथा शासन के नियम मान्य होंगे। स्वयं के कारणों से ऑफर निरस्त कराने पर धरोहर राशि 50 प्रतिशत कटौती कर शेष राशि वापिस की जावेगी। मंडल द्वारा निर्धारित अन्य कर, शुल्क, लीजरेंट तथा कार्पस फण्ड इत्यादि पृथक से देय होंगे। (2) आवेदन करने की प्रारंभ तिथि 06.08.2026 एवं धरोहर राशि जमा करने की अंतिम तिथि 27.08.2026 सायं 5:00 बजे तक। (3) बिड डालने की **अंतिम तिथि 29.08.2026 सायं 5:00 बजे तक।** (4). ऑफर दिनांक 31.08.2026 सायं 03:00 बजे तक खोला जायेगा।

संपर्क : सुनील कुमार बंसोड़ (सहायक यंत्री) मो. 9981619135, संतोष कुमार चतुर्वेदी (सहायक यंत्री) मो. 9826045654, ललित कुमार डागौर (संपदा प्रबंधक) मो. 9406638144

एम.सी. घनघोरिया(कार्यपालन यंत्री) संभाग-02, भोपाल, मो. 9425148302

ऑनलाइन भुगतान में असुविधा होने पर Whatsapp Helpdesk Number 7974264023

पंजीकृत आवंटी अब अपनी समस्त देय राशि का भुगतान मंडल के मोबाइल एप (MPHIDB_GEO जो Google Play Store पर उपलब्ध है) के माध्यम से भी कर सकते हैं। दिये गये QR-Code को स्कैन कर भी एप डाउनलोड कर सकते हैं।

Follow us on /mphidb /mphidb

Visit us : www.mphousing.in

म.प्र. माध्यम/127392/2026

OFFICE OF THE MUNICIPAL CORPORATION, BHOPAL (M.P.)

ZONE No. 10

Notice Inviting e-Tenders

N.I.T. No.: 125/ES/BMC/2026 Dated : 04.08.2026

Online percentage / item rate bids for the following works are invited from registered contractors and firms of repute fulfilling registration criteria:

S. No.	Tender ID	Name of Work	Probable amount of Contract (Rs. in Lakh)	Earnest Money Deposit (EMD) (in Rs)	Cost of Bid Document (in Rs)	Period of Completion (in months)	SOR
1	2026_UAD_526698_1	Construction of ms gate at ankur complex phase 02, and ankur complex phase 01 construction of toilet block and paver block, painting of wall and ankur phase 03 providing and fixing of paver block and phase 04 accu pressure tiles and repairing of cow catcher ward 45 zone 10 (parshad nidhi 2026/27)	857790.00	8578.00	2000/-	03 months	MPUADD ISSR 2021
2	2026_UAD_526874_1	Providing and fixing of paver block at habibganj near by acp office and tawa complex and e446 arera colony fencing work at tawa complex ward 45 zone 10 and (parshad nidhi 202627)	816716.50	8167.00	2000/-	03 months	MPUADD ISSR 2021
3	2026_UAD_527001_1	Providing and fixing of paver block mp nagar meera complex and cc work and painting of wall ward 45 zone 10 (parshad nidhi 202627)	811706.00	8117.00	2000/-	03 months	MPUADD ISSR 2021
3	2026_UAD_527009_1	Providing and fixing of paver block and repairing of pathway construction of drain and repairing of shed and painting work at grp colony ward 45 zone 10(parshad nidhi 202627)	761453.00	7615.00	2000/-	03 months	MPUADD ISSR 2021

1. Interested bidders can view the NIT on website https://www.mptenders.gov.in/
2. Amendments to NIT, if any, would be published on website https://www.mptenders.gov.in/ only, and not in newspaper.

T.N. 558/026/027

Assistant Engineer
Municipal Corporation, Bhopal

हेल्थ क्वेस्ट

डॉ. आर. पी. सिंह सीनियर फिजिशियन, एनसीआर

जब गले में फील हो दर्द और खराश

मेरी उम्र 45 वर्ष है। पिछले कुछ दिनों से मेरे गले में दर्द बना हुआ है। इस वजह से कुछ भी खाने-पीने में तकलीफ होती है। कृपया बताएं कि ऐसा क्यों हो रहा है और यह कैसे ठीक होगा?

-अनिल, बिलासपुर

हालांकि इस समय मौसम में उतार-चढ़ाव है यानी, बारिश होने पर ठंडा हो जाना और धूप निकलने पर गर्म होना। ऐसे में ठंडा पानी या फ्रिज में रखी चीजें खाने से इस तरह की समस्या आती हैं। आप ठंडा पानी और फ्रिज में रखी ठंडी चीजें बिल्कुल ही ना खाएं। इसके अलावा सुबह-शाम गर्म पानी में नमक डालकर गरारा करें। इससे आराम मिल सकता है। अगर आराम न मिले तो जरूर आप एक बार डॉक्टर से संपर्क कर चेकअप करवा सकते हैं। कई बार टांसिल की समस्या भी हो जाती है, जिसके लिए मेडिसिन लेनी पड़ती है।

मेरी उम्र 29 वर्ष है। पिछले कुछ दिनों से मेरी आंखों से पानी रिसता रहता है। आंखों में कुछ चुभने जैसा भी महसूस होता रहता है। कृपया बताएं मुझे क्या करना चाहिए?

-मनीष, रायपुर

पिछले कुछ दिनों का मतलब दो-चार दिन या इससे अधिक दिन, क्योंकि कई बार आंख में कुछ चले जाने के बाद चार-पांच दिन इस तरह की समस्या बनी रहती है। आंखों में चुभन होती है और पानी आता है। लेकिन अगर ऐसा नहीं है और समस्या इससे अधिक दिन से है तो जरूर आपको एक बार आंखों के डॉक्टर से संपर्क कर लेना चाहिए। इस बात का ध्यान जरूर रखें कि किसी दूसरे सलाह पर कोई भी दवा मेडिकल स्टोर से लेकर आंख में ना डालें। इससे आपको नुकसान पहुंच सकता है। राहत के लिए दिन में आंखों को ठंडे पानी से धुलें।

मेरी उम्र 35 वर्ष है। मुझे खाना ठीक से हजम नहीं होता है। खाने के बाद मितली आने लगती है। पेट हमेशा भारी-भारी रहता है। इस वजह से सुस्ती भी छाई रहती है। कृपया मेरी इस प्रॉब्लम का कोई सॉल्यूशन बताएं।

-मुकेश, रायगढ़

आपकी समस्या सुनकर ऐसा लग रहा है कि आपका डाइजेशन सिस्टम ठीक नहीं है। इसके लिए सबसे पहले आपको अपना खान-पान और लाइफस्टाइल सुधारनी होगी। सुबह वॉक करें। ब्रेकफास्ट में ऑयली या तली-भुनी चीज बिल्कुल ना खाएं। लंच में सलाद और दही या छाछ जरूर लें। रात का खाना बिल्कुल ही हल्का करें और सोने से 3 घंटे पहले खाना खा लें। इस तरह डाइट हैबिट में चेंज करने से आपको आराम मिल सकता है।

मेरी उम्र 37 वर्ष है। मुझे यह जानना है कि बहुत से एक्सपर्ट्स बारिश के मौसम में हरी सब्जियां नहीं खाने की सलाह देते हैं। क्या यह सही है? क्या इन्हें खाना सेहत के लिए नुकसानदायक भी हो सकता है?

-सचिन, भोपाल

जी यह बात सही है। हालांकि हरी सब्जी नुकसानदेय नहीं है। लेकिन बारिश और उमस की वजह से इस मौसम में इन सब्जियों में जल्दी कीटाणु लग जाते हैं। इससे बचने के लिए इनमें पेस्टिसाइड का इस्तेमाल होता है या कई बार अगर पेस्टिसाइड का प्रयोग नहीं हुआ तो भी कीटाणु होने की संभावना अधिक रहती है। जो हमारे सेहत के लिए नुकसानदेय होते हैं। इसलिए इस मौसम में हरी सब्जी खाने से मना किया जाता है।

मेरी उम्र 59 वर्ष है। पिछले कुछ हफ्तों से मेरा मन बेवजह बेचैन रहता है। किसी भी काम में मन नहीं लगता। सुस्ती छाई रहती है। कृपया मेरी इस समस्या का कारण और निदान बताएं।

-युगल किशोर, रोहतक

सबसे पहले आप इस बात पर गौर करें कि पिछले कुछ दिनों में ऐसा क्या हुआ है या आपके जीवन में कोई असामान्य घटना घटी है क्या? क्योंकि ऐसे मामले में प्रायः देखा गया है कि समस्या शुरू होने के बाद बेचैनी शुरू हो जाती है। अगर ऐसा है तो पहले आप उस समस्या का समाधान करें। इसके साथ ही रुटीन लाइफ जरूर फॉलो करें। यानी सुबह समय पर उठना। और टाइम से नाश्ता, खाना-पीना। अगर इस तरह से भी आपको आराम नहीं मिलता है तो जरूर आपको एक बार डॉक्टर से संपर्क करना पड़ेगा। *

प्रस्तुतिः रिचा पांडे

पाठक अपनी हेल्थ प्रॉब्लम्स से संबंधित सवाल sehatharibhoomi@gmail.com पर ई-मेल कर सकते हैं।

मेंटल हेल्थ

रजनी अरोड़ा

तमाम तरह की जिम्मेदारियों का बोझ, अनियमित जीवनशैली, डिजिटल एडिक्शन, वर्क प्रेशर, फ्यूचर प्लानिंग्स जैसे कई कारणों से आज के दौर में तमाम लोग मेंटल क्लटर का सामना करते हैं। ध्यान न देने पर इससे गंभीर मेंटल इश्यूज पैदा हो सकते हैं। ऐसे में जरूरी है कि इसके कारणों को समझते हुए मेंटल क्लटर को रिमूव करने के उपाय किए जाएं। इस बारे में हम दे रहे हैं बहुत यूजफुल सजेशंस।

ऐसे रिमूव करें मेंटल क्लटर रहिए मेंटली फिट-एनर्जेटिक

आज के डिजिटल युग में हमारा मस्तिष्क पहले की तुलना में कहीं अधिक जानकारी ग्रहण कर रहा है। सुबह उठते ही मोबाइल नोटिफिकेशन, सोशल मीडिया, ई-मेल, समाचार, कार्यस्थल का दबाव, पारिवारिक जिम्मेदारियां और भविष्य की योजनाएं। ये सभी मिलकर दिमाग पर लगातार प्रेशर डालते रहते हैं।

क्या होता है मेंटल क्लटर

दिमागी दबाव के कारण तनाव हार्मोन कॉर्टिसोल बढ़ सकता है। रक्तचाप बढ़ने की संभावना भी रहती है। नींद की गुणवत्ता खराब हो सकती है। रोग प्रतिरोधक क्षमता प्रभावित हो सकती है। बार-बार सिरदर्द और थकान महसूस हो सकती है। लंबे समय तक ऐसा रहने पर स्ट्रेस, एंजाइटी और डिप्रेशन का जोखिम भी बढ़ सकता है। विशेषज्ञ इसे मेंटल क्लटर यानी मानसिक अव्यवस्था, दिमागी उलझन कहते हैं। यह कोई मानसिक रोग नहीं है, बल्कि हमारे मस्तिष्क पर बढ़ते संज्ञानात्मक और भावनात्मक बोझ का संकेत है। मेंटल क्लटर एक दिन में नहीं बनता और एक दिन में खत्म भी नहीं होता। यह धीरे-धीरे जमा हुई चिंताओं, जिम्मेदारियों, अधूरी भावनाओं और लगातार भागती हुई जिंदगी का परिणाम होता है। जब मन हर समय भरा हुआ रहता है, तो किसी काम में कंसंट्रेट कर पाना मुश्किल हो जाता है, इससे तनाव बढ़ जाता है।

कम हो सकता है मेंटल क्लटरः जीवनशैली में छोटे-छोटे बदलाव करके या छोटी-छोटी अच्छी आदतें अपनाकर इस मेंटल क्लटर को धीरे-धीरे कम किया जा सकता है। क्योंकि शांत मन ही सबसे बड़ी सफलता, सबसे बड़ी संपत्ति और सबसे बड़ी आजादी है। जब व्यक्ति अपने मन को व्यवस्थित करना शुरू करता है, तो तनाव कम होने लगता है और मन अनावश्यक बोझ से मुक्त होता है। व्यक्ति बेहतर निर्णय ले पाता है, अधिक रचनात्मक बनता है और जीवन का आनंद अधिक संतुलित ढंग से उठा पाता है। जीवन की सबसे बड़ी दौड़ बाहर नहीं, हमारे अपने मन के भीतर चलती है। यदि मन में अनावश्यक विचारों, डर, तुलना और पछतावे का शोर भरा रहेगा, तो बाहरी सफलता भी सच्ची खुशी नहीं दे पाएगी। इसलिए समय-समय पर अपने मन को भी व्यवस्थित करना जरूरी है। जो बातें व्यक्ति के नियंत्रण में नहीं हैं। उन्हें स्वीकार करना चाहिए। जो बदल सकती हैं, उनके लिए प्रयास करना चाहिए और जो बातें केवल मानसिक बोझ बढ़ाती हैं, उन्हें जाने देना चाहिए।

अपनाएं ब्रेन डंप तकनीकः यदि दिमाग में लगातार विचार घूम रहे हों, तो उन्हें बार-बार सोचने के बजाय कागज पर लिख दें। इसे ब्रेन डंप कहा जाता है। इसमें आप अधूरे काम की चिंताएं, आइडिया, अगले दिन की योजना, महत्वपूर्ण बातें एक डायरी में लिख देते हैं। मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि लिखने से मस्तिष्क को यह संदेश मिल जाता है कि जानकारी सुरक्षित है। इससे उसे हर समय याद रखने की आवश्यकता नहीं रहती और मानसिक दबाव कम होने लगता है।

डेली 10 मिनट नो वर्क टाइमः आज अधिकांश लोग हर खाली समय में मोबाइल उठा लेते हैं। लेकिन मस्तिष्क को भी आराम चाहिए। दिन में 10-15 मिनट बिना मोबाइल, बिना टीवी, बिना संगीत, बिना किसी काम के केवल शांत बैठें। यह समय मस्तिष्क को विचारों को व्यवस्थित करने का अवसर देता है।

करें माइंडफुलनेस का अभ्यासः मेंटल क्लटर का सबसे बड़ा कारण है दिमाग का हमेशा अतीत या भविष्य में रहना। माइंडफुलनेस हमें वर्तमान क्षण में लौटना सिखाती है। जैसे सांसों पर ध्यान देना, धीरे-धीरे भोजन करना, टहलते समय आस-पास की आवाजों को महसूस करना। शोध बताते हैं कि नियमित माइंडफुलनेस से तनाव कम होता है, ध्यान केंद्रित करने की क्षमता बढ़ती है।

डिजिटल डिटॉक्स करेंः हर नोटिफिकेशन मस्तिष्क का ध्यान भंग करता है। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि फोन से अनावश्यक एप्स हटाएं, नोटिफिकेशन सीमित रखें, सुबह उठते ही मोबाइल न देखें, रात में सोने से एक घंटा पहले स्क्रीन बंद कर दें। सप्ताह में एक दिन नो-स्क्रीन डे रखें। इससे मस्तिष्क को लगातार मिलने वाली सूचनाओं का दबाव कम होता है।

निर्णयों की संख्या कम करेंः दिन भर छोटे-छोटे निर्णय भी मानसिक ऊर्जा खर्च करते हैं। इसे डिसीजन फटीग कहा जाता है। इसे कम करने के लिए अगले दिन के कपड़े रात में ही निकाल लें। सप्ताह भर के भोजन की योजना पहले बना लें। कामों की सूची पहले से तैयार रखें। इससे दिमाग महत्वपूर्ण निर्णयों पर अधिक ऊर्जा लगा पाता है।

अधूरे काम पूरे करेंः मनोविज्ञान में जीगार्निक प्रभाव नामक सिद्धांत बताता है कि अधूरे काम दिमाग में बार-बार आते रहते हैं। इसलिए छोटे काम तुरंत पूरे करें, बड़े कामों को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटें, हर पूरा काम सूची से काट दें। इससे मानसिक संतुष्टि मिलती है और क्लटर कम होता है।

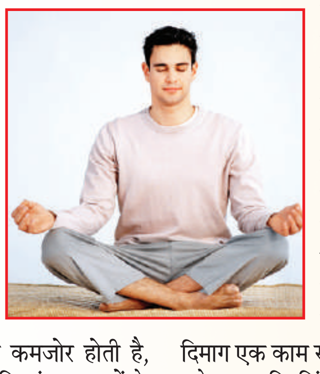

पर्याप्त नींद लेंः नींद के दौरान मस्तिष्क पूरे दिन की जानकारी को व्यवस्थित करता है। कम नींद लेने पर ध्यान कम होता है, याद्दाश्त कमजोर होती है, मानसिक क्लटर बढ़ता है। अधिकांश वयस्कों के लिए प्रतिदिन 7-9 घंटे की गुणवत्तापूर्ण नींद आवश्यक मानी जाती है।

शरीर को सक्रिय रखेंः नियमित व्यायाम केवल शरीर ही नहीं, मस्तिष्क के लिए भी लाभदायक है। रोज 30 मिनट तेज चलना, योग, साइकिल चलाना, तैराकी। डब्ल्यूएचओ भी सप्ताह में कम-से-कम 150 मिनट मध्यम तीव्रता वाले व्यायाम की सलाह देता है।

अपनी भावनाएं व्यक्त करेंः कई लोग अपनी परेशानियां मन में दबाकर रखते हैं। दबी हुई भावनाएं भी मानसिक क्लटर बन जाती हैं। इसलिए विश्वसनीय मित्र से बात करें, परिवार के साथ समय बिताएं, आवश्यकता हो तो साइको काउंसलर की सहायता भी ले सकते हैं।

मल्टीटास्किंग से बचेंः एक साथ कई काम करने से उत्पादकता बढ़ती नहीं, बल्कि दिमाग एक काम से दूसरे काम पर जाता रहता है, इसे टास्क स्विचिंग कहते हैं। इसके बजाय एक समय में एक ही काम करें, पूरा ध्यान उसी पर दें, फिर छोटा-सा ब्रेक लें।

मेंटल बाउंडरीज तय करेंः हर समस्या आपकी जिम्मेदारी नहीं होती। हर बहस में शामिल होना जरूरी नहीं। हर व्यक्ति को खुश रखना संभव नहीं। स्वस्थ मेंटल बाउंडरीज बनाना मानसिक शांति के लिए जरूरी है। *

(ब्रिटिश यूनिवर्सिटी, बहरीन में साइकोलॉजी की प्रोफेसर डॉ. कोमल चावला से बातचीत पर आधारित)

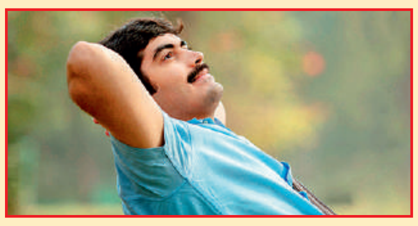

प्रकृति के साथ समय बिताएं

हरी घास, पेड़, पक्षियों की आवाज और खुला आसमान मस्तिष्क को शांत करते हैं। अध्ययनों में पाया गया है कि सप्ताह में कुछ समय प्राकृतिक वातावरण में बिताने से तनाव कम हो सकता है और मानसिक स्पष्टता बढ़ सकती है।

डॉक्टर्स एडवाइस

डॉ. नीरज संदूजा
डायरेक्टर-वियान आई एंड रेटिना सेंटर, गुरुग्राम

अगर आपको डायबिटिक रेटिनोपैथी की समस्या है तो इसके इलाज में लापरवाही बरतने या देरी करने से दृष्टि के कमजोर होने या फिर लॉस होने का रिस्क बढ़ जाता है। ऐसे में इस बारे में पूरी सावधानी बरतना जरूरी है।

आंखों के लिए हार्मफुल डायबिटिक रेटिनोपैथी

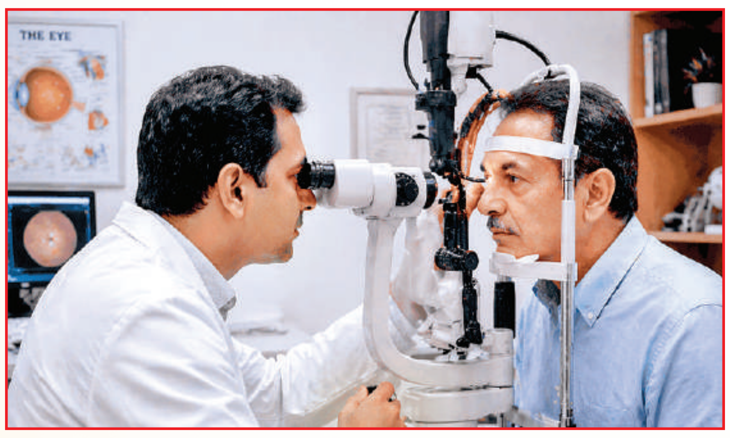

उच्च रक्त शर्करा (हाई ब्लड शुगर) का स्तर लंबे समय बाद आंखों की रेटिना को नुकसान पहुंचा सकता है। मधुमेह (डायबिटीज) के कारण रेटिना पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव को डायबिटिक रेटिनोपैथी कहा जाता है। रेटिनोपैथी के कारण आंखों की रेटिना में रक्त वाहिकाओं (ब्लड वेसल्स) को नुकसान पहुंचता है। रेटिनोपैथी के लक्षण आमतौर पर दोनों आंखों को प्रभावित करते हैं।

सचेत होना है जरूरीः मधुमेह से संबंधित रेटिनोपैथी की शुरुआती स्थिति में लक्षण सामने नहीं भी आ सकते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि यह समस्या तब तक दृष्टि में बदलाव लाना शुरू नहीं करती, जब तक कि क्षति अधिक गंभीर या आपकी रेटिना में व्यापक रूप से न फैल जाए। इसके बावजूद कुछ लक्षणों के सामने आने पर सचेत होना बेहतर रहेगा। इनमें शामिल हैं- आंखों के आगे काले धब्बे, जाल या धागे जैसे निशान घूमना। किसी व्यक्ति या वस्तु को स्पष्ट रूप से देखने में दिक्कत या धुंधला दिखना। रात में देखने की क्षमता का कमजोर होना। रंगों का फीका या धुंधला दिखना। दृष्टि धीरे-धीरे क्षीण होना।

कभी साफ तो कभी अचानक बहुत धुंधला दिखना। देखने के दायरे में खाली या काले घेरे महसूस होना।

कराएं डाइलेटेड आई एग्जामः डायबिटीज से पीड़ित सभी लोगों को नेत्र रोग विशेषज्ञ से परामर्श लेकर आंखों की पूरी जांच, खासकर 'डाइलेटेड आई एग्जाम' (आंख की पुतली फैलाकर की जाने वाली जांच) करवाना चाहिए। 'डाइलेटेड आई एग्जाम' से लक्षण दिखने से पहले ही रेटिना में होने वाले बदलावों का पता लगाने में मदद मिलती है और मरीजों की आंखों में हुए शुरुआती नुकसान का पता लगाया जा सकता है। स्पष्ट है, ऐसी स्थिति में नेत्र विशेषज्ञ मरीज की आंखों की रोशनी पर दुष्प्रभाव पड़ने से पहले ही इलाज शुरू कर सकते हैं, जिसके परिणामस्वरूप आंखों की रोशनी बचाने में बहुत मदद मिल सकती है।

बचाव के तरीकेः डायबिटिक रेटिनोपैथी से बचाव भी संभव है। इसके लिए डायबिटिक पेशेंट्स को कुछ बातों का ध्यान रखना होगा।

कंट्रोल रखें ब्लड शुगरः शुगर को सामान्य रखना बीमारी को और अधिक बिगड़ने से रोकने का सबसे पहला उपाय है। अपने ब्लड शुगर और एचबीए1सी के स्तर को डॉक्टर की सलाह के मुताबिक सही सीमा में रखें।

नियमित जांचः साल में कम से कम एक बार नेत्र विशेषज्ञ से चेकअप कराएं और डायलेटड आई एग्जाम जांच कराएं।

नॉर्मल ब्लड प्रेशरः हाई बीपी और कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित रखें क्योंकि ये आंखों की नसों को नुकसान पहुंचाते हैं।

स्वस्थ जीवनशैलीः रोजाना व्यायाम करें, वजन नियंत्रित रखें और पौष्टिक आहार लें। इस संदर्भ में अपने डॉक्टर या डाइटिशियन से परामर्श लेना बेहतर रहेगा।

धूम्रपान से दूरीः सिगरेट या तंबाकू का सेवन

पूरी तरह बंद कर दें, क्योंकि ये रक्त वाहिकाओं (ब्लड वेसल्स) पर तेजी से प्रतिकूल प्रभाव डालती हैं।

दवाएं समय पर लेंः डॉक्टर द्वारा दी गई डायबिटीज की दवा या इंसुलिन का सेवन बिना चूके सही समय पर करें।

इलाज के तरीकेः डायबिटिक रेटिनोपैथी के ट्रीटमेंट के लिए कुछ तरीके उपलब्ध हैं।

इंट्राविट्रियल इंजेक्शनः आंख के पर्दे में अगर सूजन आ जाए तो इसको रोकने के लिए नेत्र विशेषज्ञ के परामर्श से एंटी-वीईजीएफ इंजेक्शन दिए जाते हैं।

लेजर उपचार (फोटोकोएगुलेशन): लेजर किरणों की मदद से लीक हो रही या कमजोर खून की नसों को सुखाया जाता है ताकि वे आंख में और अधिक नुकसान न पहुंचा सकें।

विट्रेक्टॅमीः जब आंख के अंदर बहुत अधिक खून भर जाए या पर्दा अपनी जगह से उखड़ने लगे (जिसे मेडिकल भाषा में रेटिनल डिटैचमेंट कहते हैं) तब इस प्रकार की सर्जरी की जाती है।

सही डाइट का करें सेवनः डायबिटिक रेटिनोपैथी के पेशेंट का खान-पान ऐसा होना चाहिए, जो ब्लड शुगर को नियंत्रित रखे, आंखों की नसों को मजबूत बनाए और सूजन कम करे। जैसे-

- हरी पत्तेदार सब्जियां जैसे पालक और ब्रोकली आदि को खानपान में शामिल करना लाभप्रद है। हरी पत्तेदार सब्जियों को अच्छी तरह धोकर ही इस्तेमाल करें।
- ओमेगा-3 से भरपूर चीजें जैसे अखरोट, अलसी के बीज, चिया सीड और फैटी फिश (जैसे सैल्मन या टूना) आंखों की रक्त वाहिकाओं को स्वस्थ रखने में लाभप्रद हैं। इनका सेवन करें।
- जौ, बाजरा, रागी, ओट्स और मल्टीग्रेन आटे की रोटी का सेवन करें, जो शुगर को तेजी से नहीं बढ़ने देते।
- जामुन, संतरा, अमरूद और पपीता का सेवन करें, क्योंकि इन फलों में एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन सी होते हैं।

क्या न खाएंः अगर आप डायबिटिक रेटिनोपैथी के पेशेंट हैं तो कुछ फूड्स का सेवन करने से बचें।

- मिठाइयां, कोल्ड ड्रिंक, पैकेट वाले फ्रूट जूस और शहद से दूर रहें।
- मैदा, सफेद ब्रेड, पास्ता और सफेद चावल खाने से बचें।
- चिप्स, जंक फूड्स और ज्यादा नमक वाले डिब्बाबंद खाद्य पदार्थ ब्लड प्रेशर और शुगर दोनों बढ़ाते हैं। *

प्रस्तुतिः विवेक शुक्ला

भारत में प्रैक्टिस मैच नहीं खेलेगा ऑस्ट्रेलिया

21 जनवरी से नागपुर में शुरू होगी सीरीज

एजेंसी ▶▶| मेलबर्न

ऑस्ट्रेलिया टीम के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने कहा है कि उनकी टीम अगले वर्ष भारत के खिलाफ होने वाली बहुचर्चित बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी टेस्ट श्रृंखला से पहले कोई अभ्यास मैच नहीं खेलेगी। उनका मानना है कि उपमहाद्वीप जैसी परिस्थितियों में छोटा तैयारी शिविर टीम के लिए अधिक उपयोगी साबित होगा। पांच टेस्ट मैचों की यह बहुप्रतीक्षित श्रृंखला 21 जनवरी से नागपुर में शुरू होगी। ऑस्ट्रेलिया ने भारत में पिछली बार 2004-05 सत्र में टेस्ट श्रृंखला जीती थी। इसके बाद से वह भारतीय सरजमीं पर कोई टेस्ट श्रृंखला अपने नाम नहीं कर सका है।

कुहनेमैन मर्फी संभावित खिलाड़ियों में शामिल

रिपोर्ट के अनुसार मैथ्यू कुहनेमैन, टॉड मर्फी, कूपर कोनोली, पीटर हैंड्सकॉम्ब और मैथ्यू रेनशॉ भारत दौरे के लिए संभावित खिलाड़ियों में शामिल हैं। मैकडोनाल्ड ने कहा कि न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के बाद खिलाड़ियों के प्रदर्शन का आकलन किया जाएगा। भारत की परिस्थितियों के अनुरूप कुछ अलग कौशल वाले खिलाड़ियों को भी टीम में शामिल किया जा सकता है। इसलिए जरूरी नहीं कि न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला में शामिल टीम ही भारत दौरे पर जाए। उन्होंने कहा कि कुछ खिलाड़ियों को अतिरिक्त तैयारी की आवश्यकता होगी और इसकी शुरुआत ऑस्ट्रेलिया में ही कर दी जाएगी।

हम कोई अभ्यास मैच नहीं खेलेंगे : मैकडोनाल्ड

मैकडोनाल्ड ने कहा, 'हमें लगता है कि परिस्थितियों के अनुरूप खुद को ढालने के लिए पर्याप्त समय मिलेगा। इसलिए हम कोई अभ्यास मैच नहीं खेलेंगे। हमारा पूरा ध्यान ऐसी जगह तैयारी करने पर होगा, जहां भारत जैसी परिस्थितियां मिल सकें। उन्होंने बताया, ' टीम के सामने दो विकल्प हैं। ऑस्ट्रेलिया पहले संयुक्त अरब अमीरात में भी तैयारी कर चुका है और 2023 के भारत दौरे से पहले बेंगलुरु में शिविर लगाया था। फिलहाल टीम प्रबंधन इस बात पर विचार कर रहा है कि खिलाड़ियों की तैयारी के लिए कौन-सा विकल्प सबसे उपयुक्त रहेगा।'

विश्वकप 2027: क्वालीफायर की तारीखें आई सामने

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

आईसीसी ने अगले साल होने वाले वनडे वर्ल्ड कप की तैयारी शुरू कर दी है। क्वालिफाइंग टूर्नामेंट की तारीखों का ऐलान कर दिया गया है। आईसीसी ने ये मैच फरवरी और मार्च के बीच कराने का शेड्यूल बनाया है। टूर्नामेंट का फॉर्मेट पहले ही बताया जा चुका है और इसके रोमांचक होने की उम्मीद है, लेकिन क्वालिफायर के वेन्यू (जगहें) अभी तय नहीं हुए हैं। 2027 वनडे वर्ल्ड कप की तैयारी जोरों पर है। यह पक्का हो गया है कि क्वालिफाइंग मैच लगभग एक महीने तक, 22 फरवरी से 23 मार्च के बीच खेले जाएंगे। इन मैचों से तय होगा कि कौन सी टीमें वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई करेंगी। हालांकि वर्ल्ड कप की सही तारीखों का अभी आधिकारिक तौर पर ऐलान नहीं हुआ है, लेकिन उम्मीद है कि टूर्नामेंट 4 अक्टूबर से 11 नवंबर के बीच होगा। इस टूर्नामेंट की मेजबानी साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया मिलकर करेंगे और इन देशों के 12 स्टेडियम में मैच खेले जाएंगे।

ऐसा होगा क्वालिफाइंग फॉर्मेट

क्वालिफाइंग फॉर्मेट की बात करें तो इसमें कुल 10 टीमें हिस्सा लेंगी। जीतने वाली टीमों को वनडे वर्ल्ड कप में सीधे एंट्री मिलेगी, जिसमें 14 देश हिस्सा लेंगे। दूसरे, तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली टीमें सबसे पहले 'सुपर सीरीज' में हिस्सा लेंगी। इस सीरीज में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीम 12 टीमों की लाइनअप में शामिल होगी और वर्ल्ड कप के लिए आगे बढ़ेगी। असल में, सुपर सीरीज को ही वर्ल्ड कप इवेंट का हिस्सा माना जाएगा।

रैंकिंग में टॉप 8 में रहने वाली टीमों को फायदा

आईसीसी ने तय किया है कि 30 सितंबर 2026 तक आईसीसी वनडे रैंकिंग में टॉप 8 में रहने वाली टीमें सीधे क्वालिफाई करेंगी। सबसे कम रैंकिंग वाली दो टीमों को क्वालिफायर खेलना होगा। मेजबान के तौर पर साउथ अफ्रीका और जिम्बाब्वे ने पहले ही अपनी जगह पक्की कर ली है। इसका मतलब है कि कुल 10 टीमें मुकाबला करेंगी। सबसे कम रैंकिंग वाली दो टीमें, क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग 2 स्टैंडिंग की टॉप चार टीमें और वर्ल्ड कप क्वालिफायर प्ले-ऑफ से चार टीमें।

खबर संक्षेप

15 अक्टूबर से डीपी वर्ल्ड इंडिया चैंपियनशिप

नई दिल्ली। शुभंकर शर्मा और अनिर्बान लाहिड़ी 15 से 18 अक्टूबर तक दिल्ली गोल्फ क्लब में होने वाली डीपी वर्ल्ड इंडिया चैंपियनशिप में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे जबकि इसमें रोरी मैकलरॉय और गत चैंपियन टॉमी फ्लीटवुड जैसे दिग्गज भी भाग लेंगे। चार मिलियन डॉलर ईनामी राशि का यह टूर्नामेंट 'रेस टू दुबई' के 9 टूर्नामेंटों में आठवां है। डीपी वर्ल्ड टूर चैंपियनशिप दुबई में नवंबर में होगी। शर्मा और लाहिड़ी के साथ इसमें गत ओपन चैंपियन रियान फॉक्स, शेन लॉरी, जस्टिन रोस, यूरोपीय राइडर कप कप्तान ल्यूक डोनाल्ड और राइडर कप स्टार विक्टर होवलैंड भी नजर आएंगे।

पीआईएफ लंदन चैंपियनशिप में भाग लेंगी 4 भारतीय

लंदन। दीक्षा डागर और अदिति अशोक समेत 4 भारतीय गोल्फर 20 लाख डॉलर ईनामी राशि के लेडीज यूरोपीय टूर (एलईटी) की पीआईएफ लंदन चैंपियनशिप में भाग लेंगी। दीक्षा दो बार एलईटी खिताब जीत चुकी हैं । वह लगातार शीर्ष दस में रही हैं और फिलहाल 'आर्डर आफ मेरिट' में आठवें स्थान पर है। वह 2023 में शीर्ष तीन में रही थी। पांच बार की एलईटी विजेता अदिति अभी तक एलपीजीए टूर पर जीत दर्ज नहीं कर सकी हैं। उनके अलावा अवनि प्रशांत और प्रणवी उर्स भी इस टूर्नामेंट में भाग लेंगी, जिसमें 120 खिलाड़ी नजर आएंगे।

रैकेटलॉन विश्व चैंपियनशिप आज से

नई दिल्ली। विक्रमादित्य चौफला की अगुवाई में भारतीय टीम रॉटरडम में गुरुवार से शुरू हो रही रैकेटलॉन विश्व चैंपियनशिप में लगातार तीसरी बार खिताब जीतने उतरेगी। भारत की छह सदस्यीय टीम का ऐलान रैकेटलॉन भारत खेल संघ ने किया, जिसमें चौफला, प्रशांत सेन, मोनिश मशरुवाला, अक्षय गांधी, राघव जटिया और निधि तिवारी शामिल हैं। यह टीम चैलेंज कप में भाग लेगी, जिसमें भारत ने पिछले साल खिताब जीता था। रैकेटलॉन अनूठा खेल है, जो टेबल टेनिस, बैडमिंटन, स्क्वाश और टेनिस का मिश्रण है और चारों खेलों के कुल स्कोर मिलाकर विजेता का चयन होता है ।

भारतीय टीम ने 1932 में खेला था पहला टेस्ट

ऐतिहासिक मैच : 15 अगस्त को 600वां टेस्ट खेलेगी टीम इंडिया

गिल की कप्तानी में जुड़ेगा एक और नया अध्याय

एजेंसी ▶▶| कोलंबो

भारतीय टीम दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए श्रीलंका पहुंच चुकी है। जब 15 अगस्त को दोनों टीमें पहले टेस्ट के लिए आमने सामने होंगी तो वो एक ऐतिहासिक मैच बन जाएगा।

दुनिया की केवल दो ही टीमें ऐसी हैं, जो अब तक 600 टेस्ट मैच खेल पाई हैं, अब उसमें भारत का नाम भी शामिल हो जाएगा। ये एक बड़ी उपलब्धि होगी, जो भारत की आजादी की वर्षगांठ के दिन मिलेगी। इस बीच टीम इंडिया श्रीलंका पहुंच चुकी है और जल्द ही तैयारी भी शुरू हो जाएगी। भारतीय टीम अब तक 599 टेस्ट मैच खेल चुकी है और श्रीलंका के खिलाफ गॉल में होने वाला मुकाबला 600वां मैच होगा।

आजादी से पहले खेल लिया था पहला टेस्ट

भारत ने अपना पहला टेस्ट आजादी से पहले ही खेल लिया था। पहला मुकाबला 1932 में खेला गया था। तब भारत के कप्तान सीके नायडू हुआ करते थे, तब से लेकर अब तक इतना लंबा सफर तय किया गया है, जोकि अपने आप में ऐतिहासिक रहा है। इस बीच 1932 से लेकर अभी तक कई टेस्ट कप्तान रहे, लेकिन अब शुभमन गिल की कप्तानी में एक और अध्याय जुड़ने जा रहा है।

सारांश जैन

आकिब नबी

इंग्लैंड ने खेले सबसे ज्यादा टेस्ट, दूसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया

अब तक केवल दो ही टीमें ऐसी हैं, जो 600 टेस्ट का आंकड़ा पार कर चुकी हैं। सबसे ज्यादा टेस्ट तो इंग्लैंड ने ही खेले हैं। टीम अब तक 1097 टेस्ट खेल चुकी है। उसकी बराबरी करना किसी के लिए भी करीब करीब असंभव टाइप का है। इंग्लैंड ने अपना पहला टेस्ट 1877 में खेला था। इसके बाद दूसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया की टीम है। ऑस्ट्रेलिया ने भी अपना पहला टेस्ट साल 1877 में ही खेला था। तब से लेकर अब तक टीम 882 टेस्ट खेल चुकी है।

599 टेस्ट खेल चुकी है टीम इंडिया

भारत ने अपना पहला टेस्ट साल 1932 में खेला था। तब से लेकर अब तक टीम 599 टेस्ट खेल चुकी है। इस दौरान भारत ने 186 टेस्ट मैच जीते हैं और 188 में हार का सामना करना पड़ा है। 224 मुकाबले ड्रॉ पर समाप्त हुए हैं। केवल एक ही मैच ऐसा हुआ, जो टाई पर समाप्त हुआ है। 15 अगस्त को भारत और श्रीलंका की टीमें भिड़ेंगी तो रोमांच अपने चरम पर होगा। ये सीरीज विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के तहत खेली जाएगी।

श्रीलंका को 2-0 से हराने से भारत को होगा फायदा

श्रीलंका के खिलाफ शुरू हो रहे टेस्ट सीरीज से पहले टीम इंडिया वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 की अंकतालिका में 5वें स्थान पर है। भारत ने अब तक वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 साइकल में कुल 9 टेस्ट खेले हैं, जिसमें उसे 4 में जीत मिली है जबकि 4 मैचों में उसे हार मिली है और एक मैच ड्रॉ रहा है साथ ही भारत की जीत प्रतिशत 48.15 है। अब भारत अगर श्रीलंका को 2 मैचों की टेस्ट सीरीज में 2-0 से हरा देता है तो टीम इंडिया की जीत प्रतिशत 57.58 हो जाएगी और वो 5वें स्थान से चौथे स्थान पर पहुंच जाएगी।

आईसीसी रैंकिंग

शुभमन-इशान टॉप पर, बाबर आजम को फायदा, वैभव टॉप 50 में बरकरार

एजेंसी ▶▶| दुबई

आईसीसी ने अपनी पुरुष क्रिकेट की ताजा रैंकिंग जारी कर दी हैं। इन दिनों दुनियाभर में जारी इंटरनेशनल क्रिकेट के मुताबिक पाकिस्तान के टेस्ट कप्तान बाबर आजम को टेस्ट बैटर्स की रैंकिंग में चार स्थान का फायदा हुआ है। जबकि टी20 बल्लेबाजों में इशान किशन और वनडे बल्लेबाजों में शुभमन गिल टॉप पर हैं। वहीं टी20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में 15 साल के वैभव सूर्यवंशी 48वें स्थान पर टॉप 50 में बने हुए हैं।

नीदरलैंड्स के एडवर्ड्स ने लगाई चार स्थान की छलांग

जारी ताजा रैंकिंग में नीदरलैंड्स के विकेटकीपर बल्लेबाज और कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स ने वनडे के बल्लेबाजों की रैंकिंग में चार स्थान की छलांग से 38वें से 34वें स्थान पर जगह बनाई है। जबकि टेस्ट के बल्लेबाजों की रैंकिंग में बाबर आजम 19वें से 15वें स्थान पर आ गए हैं। दुनिया में इस वक्त टी20 इंटरनेशनल हो नहीं रहा है, इसी कारण उसमें बदलाव नहीं हुए हैं। इशान किशन नंबर 1 बल्लेबाज हैं और राशिद खान गेंदबाजों में नंबर 1 पर काबिज हैं।

ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में भारतीय अव्वल

वनडे गेंदबाजों की रैंकिंग में नीदरलैंड्स के ही रुलोफ वान डर मर्व 11 स्थान की छलांग के साथ 74वें से 63वें स्थान पर आ गए हैं। जबकि टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में जसप्रीत बुमराह टॉप पर हैं। वहीं कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज और रविंद्र जडेजा (14वें, 15वें, 16वें क्रमशः) को श्रीलंका सीरीज से पहले एक-एक स्थान का फायदा हुआ है। पाकिस्तान के मोहम्मद अब्बास 9 स्थान की छलांग के साथ 17वें स्थान पर आ गए हैं। टेस्ट ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में रविंद्र जडेजा टॉप पर हैं। अक्षर पटेल को दो स्थान का नुकसान हुआ और वह 10वें से 12वें पर खिसक गए।

द हंड्रेड

बीच टूर्नामेंट में मार्करम ने छोड़ा एमएसजी का साथ

बटलर बने कप्तान

एजेंसी ▶▶| मैनचेस्टर

'द हंड्रेड' के मौजूदा सीजन के बीच मैनचेस्टर सुपर जायंट्स (एमएसजी) को एक झटका लगा है। टीम के कप्तान एडेन मार्करम निजी कारणों से टूर्नामेंट को बीच में ही छोड़कर घर लौट गए हैं। उनके स्थान पर माइकल ब्रेसवेल को टीम में शामिल किया गया, जबकि कप्तानी का जिम्मा जोस बटलर को मिला है।

रिपोर्ट के अनुसार, एडेन मार्करम 'द हंड्रेड 2026' के शेष मैच नहीं खेल सकेंगे। मार्करम निजी कारणों के चलते इंग्लैंड में जारी टूर्नामेंट के बीच में ही साउथ अफ्रीका लौट गए हैं। फ्रेंचाइजी ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, मैनचेस्टर सुपर जायंट्स पुष्टि कर सकती है कि पुरुष टीम के कप्तान एडेन मार्करम निजी कारणों से साउथ अफ्रीका लौट गए हैं। एडेन मार्करम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल), एसए20 और द हंड्रेड में सुपर जायंट्स फ्रेंचाइजी की तीनों टीमों का हिस्सा हैं। मार्करम ने द हंड्रेड में अब तक कुल 5 मैच खेले हैं, जिसमें 23.40 की औसत के साथ 117 रन बनाए।

बटलर शानदार फॉर्म में

दूसरी ओर, बटलर मौजूदा सीजन में शानदार फॉर्म में दिख रहे हैं। विकेटकीपर-बल्लेबाज ने सिर्फ पांच मुकाबलों में 112 की शानदार औसत से 226 रन बनाए हैं। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के बाद पहली बार कप्तानी की भूमिका संभालते हुए वह अपनी लय को बरकरार रखना चाहेंगे। एमएसजी को 'द हंड्रेड 2026' में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने में संघर्ष करना पड़ रहा है। उन्होंने अब तक अपने शुरुआती पांच मुकाबलों में से सिर्फ दो जीते हैं। तीन मुकाबलों में इस टीम को हार का सामना करना पड़ा है। यह टीम फिलहाल प्वाइंट्स टेबल में छठे पायदान पर है, जिसे नॉकआउट में जगह बनाने की उम्मीद कायम रखने के लिए शेष मुकाबलों में जोरदार वापसी करनी होगी।

सिनसिनाटी ओपन नहीं खेलेंगे अल्काराज

सिनसिनाटी। दुनिया के दूसरे नंबर के टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज दाईं कलाई की चोट के कारण सिनसिनाटी ओपन से हट गए। यह चोट उन्हें अप्रैल से परेशान कर रही है। स्पेन के अल्काराज इस हार्ड कोर्ट टूर्नामेंट में अपने खिताब का बचाव करने की तैयारी कर रहे थे। यह प्रतियोगिता यूएस ओपन से पहले महत्वपूर्ण अभ्यास टूर्नामेंट मानी जाती है। टूर्नामेंट निदेशक बॉब मोरान ने कहा, 'हम जानते हैं कि कार्लोस जल्द से जल्द कोर्ट पर लौटने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहे हैं। हम उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हैं और भविष्य में सिनसिनाटी में उनका स्वागत करने की उम्मीद करते हैं। अल्काराज का पिछला टूर्नामेंट बार्सिलोना ओपन था। इसके बाद वह इस सत्र से बाहर चल रहे हैं। हाल की तस्वीरों और वीडियो में उन्हें अभ्यास करते हुए देखा गया था, जिससे उम्मीद थी कि वह 11 अगस्त से शुरू होने वाले सिनसिनाटी ओपन में वापसी कर लेंगे। यूएस ओपन में उनकी वापसी की उम्मीदें हालांकि बरकरार है।

एसए20 : सनराइजर्स से जुड़े मार्श, सुपर जाइंट्स में कुरेन

एजेंसी ▶▶| जोहानिसबर्ग

आस्ट्रेलिया के टी20 कप्तान मिचेल मार्श एसए20 में पदार्पण करके तीन बार की चैंपियन सनराइजर्स ईस्टर्न केप से जुड़ेंगे जबकि इंग्लैंड के हरफनमौला सैम कुरेन अब मुंबई इंडियंस केपटाउन की जगह डरबन सुपर जाइंट्स के लिए खेलेंगे।

सनराइजर्स ईस्टर्न केप के पास क्विंटोन डिकॉक, मैथ्यू ब्रीज्के, जोर्डन हरमान और कप्तान ट्रिस्टन स्टब्स जैसे बल्लेबाज हैं। वहीं कुरेन इंग्लैंड के अपने साथी जोस बटलर के साथ सुपर जाइंट्स टीम का हिस्सा होंगे। पिछली उपविजेता प्रिटोरिया कैपिटल्स को शीर्षक्रम में फिल साल्ट और आस्ट्रेलिया के मैट शॉर्ट जैसे बल्लेबाज मिल गए हैं। उनके पास डेवाल्ड ब्रेविस, शेरफान रदरफोर्ड, आंद्रे रसेल और कोनोर ईस्टरहुइजेन जैसे आक्रामक बल्लेबाज भी हैं।

विल जैक्स अब एमआई केपटाउन टीम में

इंग्लैंड के हरफनमौला विल जैक्स अब कैपिटल्स की जगह एमआई केपटाउन टीम में होंगे। वह आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लिए खेल चुके हैं और द हंड्रेड में एमआई लंदन टीम का हिस्सा हैं। डरबन सुपर जाइंट्स और पार्ल रॉयल्स ने नीलामी से पहले अपने 19 खिलाड़ियों की टीम पूरी कर ली है। बाकी चार टीमों के लिए 19 स्थान उपलब्ध हैं।

सेंट लुइस रैपिड एवं ब्लिट्ज शतरंज : रैपिड मुकाबलों में चली सटीक चालें

शीर्ष पर प्रज्ञानानंदा, हासिल किए 18 में से 12 अंक

एजेंसी ▶▶| सेंट लुइस

ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंदा ने सेंट लुइस रैपिड एवं ब्लिट्ज शतरंज प्रतियोगिता के रैपिड वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए 18 में से 12 अंक हासिल कर शीर्ष स्थान प्राप्त किया। उन्होंने इसके साथ ही वर्ष के अंत में होने वाले 'ग्रैंड शतरंज टूर (जीसीटी)' फाइनल में जगह बनाने की अपनी उम्मीदें भी कायम रखी हैं।

प्रज्ञानानंदा ने सिंदारोव को छोड़ा पीछे

विश्व चैंपियनशिप 2026 की दौड़ से बाहर हो चुके प्रज्ञानानंदा ने 9 दौर के रैपिड मुकाबलों में बेहतरीन तकनीक, सटीक चालों और जीत के जज्बे का परिचय दिया। उन्हें हालांकि के नौवें और अंतिम दौर में नीदरलैंड के ग्रैंडमास्टर जॉर्डन वान फोरेस्ट से हार का सामना करना पड़ा, फिर भी वह एक अंक की बढ़त के साथ शीर्ष पर बने रहे। उन्होंने उजबेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव (11 अंक) को पीछे छोड़ा, जो इस वर्ष विश्व चैंपियनशिप मुकाबले में डी. गुकेश को चुनौती देंगे।

पुरस्कार राशि 2 लाख अमेरिकी डॉलर

प्रतियोगिता का परिणाम केवल रैपिड वर्ग से तय नहीं होगा। अब 18 ब्लिट्ज मुकाबले खेले जाएंगे, जिनके बाद कुल विजेता का फैसला होगा। प्रतियोगिता की कुल पुरस्कार राशि दो लाख अमेरिकी डॉलर है, जिसमें विजेता को 50 हजार अमेरिकी डॉलर मिलेंगे। प्रज्ञानानंदा ने रैपिड वर्ग में चार जीत (प्रत्येक जीत पर दो अंक), चार ड्रॉ और एक हार के साथ कुल 12 अंक जुटाए। अब उनका पूरा ध्यान 18 दौर के ब्लिट्ज मुकाबलों पर होगा, जहां प्रत्येक जीत के लिए एक अंक मिलेगा।

सिंदारोव 11 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर

सिंदारोव 11 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं, जबकि अमेरिका के वेस्ली सो 10 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। इनके बाद अमेरिका के लेवोन अरोनियन, नीदरलैंड के अनीश गिरी, क्यूबा मूल के अमेरिकी लेनियर डोमिंगेज पेरेज और जर्मनी के विन्सेंट कीमर नौ-नौ अंकों के साथ संयुक्त रूप से अगले स्थान पर हैं। दस खिलाड़ियों की राउंड-रॉबिन प्रतियोगिता के बाद प्रतिष्ठित सिंकफील्ड कप खेला जाएगा, जो क्लासिकल प्रारुप में आयोजित होगा।

ग्लेडियेटर्स- इन परसूट ऑफ चैलेंज का सामने आया पहला पोस्टर...

मुंबई। अजित कुमार की रेसिंग जर्नी पर बन रही डॉक्यूमेंट्री का टाइटल 'ग्लेडियेटर्स- इन परसूट ऑफ चैलेंज' है। मेकर्स ने डॉक्यूमेंट्री का पहला पोस्टर सोशल मीडिया पर जारी कर दिया है। इस डॉक्यूमेंट्री को विजय ने डायरेक्ट किया है, जो 'दैवथिरुमगल' और 'मद्रासपट्टिनम' जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। डॉक्यूमेंट्री 'ग्लेडियेटर्स- इन परसूट ऑफ चैलेंज' को अजित की पत्नी शालिनी ने गोल्डन ट्रॉफी फिल्म प्रोडक्शन बैनर के तहत प्रोड्यूस किया है। इसके पहले पोस्टर में अजित कुमार अपने रेसिंग गियर में नजर आ रहे हैं। डॉक्यूमेंट्री में एक्टर की चुनौतियों और नारायण कार्तिकेयन जैसे ड्राइवरों के साथ एंड्योरेंस इवेंट्स में जीत हासिल करने जैसे इवेंट्स को दिखाया जाएगा।

लाइफStyle

इंदिरा

रामायण में कौशल्या का रोल करेंगी प्ले

नितेश तिवारी की अपकमिंग फिल्म 'रामायण' को लेकर सोशल मीडिया पर काफी बज बना हुआ है। फिल्म में 'गंगा माई की बेटियां' फेम एक्ट्रेस इंदिरा कृष्णन कौशल्या का रोल प्ले करेंगी। नितेश तिवारी की अपकमिंग फिल्म 'रामायण' को लेकर सोशल मीडिया पर काफी बज बना हुआ है।

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

फिल्म में रणबीर कपूर भगवान 'राम' और साई पल्लवी माता 'सीता' का रोल प्ले करती नजर आएंगी। वहीं, फिल्म में 'गंगा माई की बेटियां' फेम एक्ट्रेस इंदिरा कृष्णन कौशल्या का रोल प्ले करेंगीं और इस प्रोजेक्ट को लेकर वो काफी एक्साइटेड हैं।इंदिरा कृष्णन जिस शो में काम कर रहीं उस शो के प्रोड्यूसर कोई और नहीं बल्कि रवि दुबे हैं जो फिल्म 'रामायण' में प्रभु राम के भाई लक्ष्मण का किरदार निभा रहे हैं। बातचीत में एक्ट्रेस ने इंदिरा कृष्णन कहा, ''गंगा मइया की बेटियां' मेरे कॅरियर के सबसे बेहतरीन शोज में से एक है। इसमें मैं 'दुर्गावती' का किरदार निभा रही हूं। मुझे आज भी वो दिन याद है, जब सर्गुन जी और रवि जी ने इस शो के लिए मुझसे संपर्क किया था। उन्होंने कहा था कि इस किरदार को मुझसे बेहतर कोई नहीं निभा सकता। मैं इस रोल के लिए हमेशा से पहली पसंद थी। रवि और सर्गुन के साथ काम करना मेरे लिए बेहद खास एक्सीरियंस रहा है।' उन्होंने आगे कहा, 'मैंने कभी यकीन ही नहीं किया कि इस रोल से मुझे इतनी बड़ी तरक्की मिल जाएगी, इतना बड़ा एप्रिसिएशन मिलेगा। मैंने इस शो को पूरी शिद्दत और ईमानदारी से किया है। दर्शक दुर्गावती के किरदार, उसके अंदाज और उसके दमदार तेवर को खूब पसंद करते हैं। ये शो मेरे लिए बहुत सपोर्टिव रहा है और ये बेहतरीन शो है।'

बोनो शानदार इंसान व अच्छा गोलकीपर

नई दिल्ली। नोरा फतेही पिछले कुछ दिनों से अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में हैं। दरअसल, नोरा का नाम मोरक्को के एक स्टार फुटबॉलर यासीन बोनो के साथ जोड़ा जा रहा था। खबर थी कि नोरा बोनो को डेट कर रही हैं। अभी तक दोनों में से किसी ने भी इस पर कुछ कनफर्म तो नहीं किया था, लेकिन इससे पहले ही नोरा ने इस पर एक कमेंट कर मामले को दोबारा हवा दे दी। दरअसल, नोरा 'द क्रिस फेड शो' पर पहुंची थीं यहां उनकी डेटिंग लाइफ को लेकर चर्चा हुई। जब नोरा से बोनो के साथ डेटिंग की अफवाहों के बारे में पूछा गया। उन्होंने जवाब दिया, हां, वह मेरे अच्छे दोस्त हैं।

Ex-showroom price of TVS XL100 Heavy Duty Kick Start variant in Madhya Pradesh. * This exchange scheme is valid across India till 31st March, 2027 and is available exclusively through authorised TVS main dealers (AMDs) and authorised TVS dealers (ADs). ^ Colours available in TVS XL100 Heavy Duty Alloy variant. + Based on internal test conditions. As compared to BS-IV models. T&C apply.

FOR ALL INSTITUTIONAL/BULK REQUIREMENTS PLEASE MAIL corporate.customersupport@tvsmotor.com मुख्य अधिकृत विक्रेता – भोपाल : कोहिनूर टीवीएस, 7389901018, 7554245855, कोहिनूर टीवीएस, 7389924459, 7389924456, अट्रेक्टिव टीवीएस, इंद्रपुरी भोपाल, 8370003697, 8370002230, कोहिनूर टीवीएस, 9870326564, 9111018733, भोपाल टीवीएस, 0755–4948300, 9926526466, संकल्प टीवीएस, मो. 7898987990, 7898987984, सक्सेस टीवीएस, मो. 9826717528, 8889655523, रायसेन : सिद्धीसारथी टीवीएस, 9238234860, 9303816415, सीहोर : ममता टीवीएस, 9201826868, राजगढ़ : श्री सांवरिया टीवीएस, 9039551201, 7748099834, जीपीडी टीवीएस, 9753055245, 7974190962, मंगल टीवीएस, 9171112384, 9171112386, विदिशा : यूरेका टीवीएस, 07592–403859, 9806974281, तारणम् टीवीएस, 9243122422, 9827399444, अशोकनगर : श्री विनायक टीवीएस, 7879041038, 7999608681, गुना : वंदना टीवीएस, 9755364517, 7694000571, श्री हरिगिरधर टीवीएस, 9425710114, 9425710113, बैतूल : ओम शक्ति टीवीएस, 9340291652, 7049027410, नर्मदापुरम : श्री ओम शक्ति टीवीएस, 9340249811, 9329914754, इटारसी : आई लक्ष्मी टीवीएस, 9244377833, सारणी : लक्ष्मी टीवीएस, 9425366960, 8959091939, हरदा : श्री विद्यासागर टीवीएस, 7697255552, अधिकृत डीलर भोपाल : भानपुर 9981997535, 9981641501, 9713681500, करोंद 7772005953, हर्राखेड़ा 9893548735, ईंटखेड़ी 8120928303, फंदा 9806175382, नेहरूनगर 7723977850, 9893231841, बैरागढ़ 9827081627, 7987196944, बैरसिया 07565–292222, 7580876776, 9754784161, बंगरसिया 9131494312, 9826934463, देहगांव 9893932299, उदयपुरा 9893509802, सुल्तानपुर 8120053803, अधिकृत डीलर अशोकनगर : बहादुरपुर 9591155334, राजपुर 6266358545, ईसागढ़ 8878682065, 9425798779, मुंगावली 8839740541, 9806374388, अधिकृत डीलर गुना : आरोंन 8085808501, बमौरी 7987068010, फतेहगढ़ 6265242811, मक्सूदनगढ़ 9424849214, राघौगढ़ 9669843208, जामनेर 7770960853, अधिकृत डीलर रायसेन : गैरतगंज 9425653354, 7999934324, देहगांव 6264514663, मंडीदीप 9893016056, 9009085515, ओबेदुल्लागंज 7987999256, 9713470480, सिलवानी 6266504460, बैगमगंज 8770809631, बरेली 9009222227, उदयपुरा 9893509802, अधिकृत डीलर राजगढ़ : छापीहेड़ा, 8109238402, जीरापुर, 7581071198, 6166386978, खिलचीपुर 9893624685, कुरावर 9981241802, माचलपुर, 9685505767, सारंगपुर, 7000013615, 7000822287, तलेन 9926922770,अधिकृत डीलर विदिशा : गंज बासोदा 8989029329, 9584494644, गुलाबगंज 9993944799, 9993182352, ग्यारसपुर 9752535692, 6260403349, लटेरी 9074929908, शमशाबाद 9755106709, सिरोंज 8770963822, कुरवाई 9617457020, अधिकृत डीलर नर्मदापुरम : बाबई 7828641086, बनखेड़ी 8602257406, बुदनी 9827005454, डोलरिया 9977220337, पिपरिया 9329770107 , सिवनी मालवा 6264865638, शाहगंज 8461890106, सोहागपुर 7000862026, अधिकृत डीलर बैतूल : आमला 6261272636, आठनेर 9425623807, चिचोली 9179178890, चोपना 9977653785, घोड़ाडोंगरी 9407521428, भैंसदेही 9977711439, अधिकृत डीलर सीहोर : आष्टा 9977707427, चांदबड़ 8719082045, लाड़कुई 9229651220, नसरूल्लागंज 9977877877, श्यामपुर 9201826868, बिलकिसगंज 9783587709, श्यामपुर 7566784778, 9981241802, अधिकृत विक्रेता हरदा : टिमरनी 9755930630.

dentsu/hb bho/05/26

हरिभूमि कम्यूनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक अचिंत महेश्वरी द्वारा प्लॉट नं.160 न्यू एच-सेक्टर इंडस्ट्रियल एस्टेट, गोविंदपुरा, भोपाल (म.प्र.) 462023 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, पीबी-2, चतुर्थ तल, मानसरोवर कॉम्पलैक्स, वार्ड नं. 50, शिवाजी नगर, निकट रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, होशंगाबाद रोड, भोपाल, (म.प्र.) 462016 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। स्थानीय संपादकः प्रमोद भारद्वाज। RNI No. MPHIN/2014/55906, फोन 0755-4049930